THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 1 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **चैत्र अमावस्या 2079 मंगलवार, 21 मार्च 2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

जापान के पीएम ने मोदी को जी-7 समिट में बुलाया

पीएम मोदी ने न्योता स्वीकार किया, बोले-किशिदा से पॉजिटिविटी मिलती है

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा 2 दिन के भारत दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने राजघाट पहुंच कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद हैदराबाद हाउस में किशिदा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों लीडर्स के बीच डेलिगेशन लेवल की बातचीत हुई।

जापानी प्रधानमंत्री किशिदा ने कहा, मैंने आज पीएम मोदी को हिरोशिमा में होने वाले जी-7 समिट के लिए न्योता दिया और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। मैं भारत की धरती से आजाद इंडो-पैसिफिक को लेकर अपना विजन साझा करूंगा। वहीं पीएम मोदी ने कहा, मैं पीएम किशिदा का भारत में स्वागत करता हूं। मेरी उनसे पिछले एक साल में कई बार मुलाकात हुई है। इस दौरान मुझे हमेशा दोनों देशों के बीच संबंध को लेकर पॉजिटिविटी महसूस हुई। आज मैंने उनसे हमारे जी-20 अध्यक्षता की प्राथमिकताओं के बारे में बात की। हमारा लक्ष्य सभी को साथ लेकर चलना है।

वैश्विक समस्याओं से निपटने पर चर्चा होगी :

इस साल जापान जी-7 और भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। जापानी प्रधानमंत्री की यात्रा से दोनों देशों को जी-20 और जी-7 के बीच सहयोग लाने का मौका मिलेगा। दोनों लीडर्स इस बारे में चर्चा कर सकते हैं कि कैसे फूड एंड हेल्थ सिक्योरिटी, एनर्जी ट्रांजिशन और इकोनॉमिक सिक्योरिटी पर जी-20 और जी-7 देश एक साथ काम कर सकते हैं।

कमल चुनाव चिह्न को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर हुई सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से मांगी जानकारी

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। धार्मिक चिह्नों और धार्मिक नाम का इस्तेमाल करने वाली राजनीतिक पार्टियों को चुनाव लड़ने से रोकने और मान्यता रद्द करने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से हाईकोर्ट में मामले से संबंधित लंबित याचिका की जानकारी 4 हफ्ते में देने को कहा है। वहीं मुस्लिम लीग ने इस मामले में बीजेपी को भी पार्टी बनाने की अर्जी दी है। वकील दुष्यंत दवे ने अदालत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिह्न कमल है जो हिन्दू और बौद्ध धर्म में एक प्रतीक है। इसके अलावा उन्होंने शिव सेना, शिरोमणी अकाली दल, हिंदू सेना, हिंदू महासभा, क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक फ्रंट, इस्लाम पार्टी हिंद, आदि जैसे 26 अन्य दलों को भी शामिल करने की मांग की है। वहीं एआईएमआईएम की तरफ से वरिष्ठ वकील केके वेणुगोपाल ने याचिका के सुनवाई योग्य होने पर सवाल उठाते हुए याचिका को खारिज करने की मांग की। केके वेणुगोपाल ने कहा इसमें किसी मौलिक अधिकार का हनन नहीं हो रहा है। याचिकाकर्ता के वकील गौरव भाटिया ने कहा कि देश में दो तरह के राजनीतिक दल हैं, राष्ट्रीय और राज्य स्तर की पार्टियां, चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में बताया है कि हाईकोर्ट में दायर याचिका का निपटारा हो चुका है।

राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग : सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के लिए सरकार को निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। यह याचिका भाजपा के पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने दायर की है। स्वामी ने कहा था सरकार ने अभी तक इस मसले पर कोई फैसला नहीं लिया है। वह 9 साल से इसे टाल रही है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि हम इस पर जल्द सुनवाई करेंगे। इससे पहले 19 जनवरी को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिए हलफनामे में कहा था कि राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की प्रक्रिया पर संस्कृति मंत्रालय काम कर रहा है।

ओआरओपी एरियर का जल्द भुगतान करे सरकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) के तहत एरियर यानी बकाया राशि का भुगतान करने के लिए निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने बकाये के भुगतान पर बंद लिफाफे में दी गई केंद्र सरकार का नोट स्वीकार करने से मना कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस नोट को दूसरे पक्ष यानी रिटायर्ड सैनिकों के वकील के साथ भी शेयर करना होगा।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की बेंच ओआरओपी के तहत एरियर्स के बकाया भुगतान के लिए इंडियन एक्स-सर्विसमेन मूवमेंट (आईईएसएम) की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा, हमें सुप्रीम कोर्ट में इस बंद लिफाफे वाले चलन को बंद करना होगा। ये मूलरूप से निष्पक्ष न्याय प्रक्रिया की व्यवस्था के खिलाफ हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, मैं निजी तौर पर बंद लिफाफों के चलन के खिलाफ हूं। कोर्ट में पारदर्शिता होनी चाहिए। ये आदेशों को लागू करने के बारे में हैं। इसमें गोपनीय क्या हो सकता है। कोर्ट ने कहा है कि योग्य फैमिली पेंशनर्स और गैलेंट्री अवॉर्ड विजेताओं को 30 अप्रैल, 2023 तक एरियर का भुगतान करें। 70 साल से अधिक उम्र के योग्य पेंशनर्स को 30 जून 2023 तक और बाकी सभी योग्य पेंशनर्स को 30 अगस्त 2023, 30 नवंबर 2023 और 28 फरवरी 2024 से पहले बराबर किश्तों में भुगतान करें। सीजेआई ने कहा कि हम सीलबंद लिफाफे वाली प्रक्रिया पर रोक लगाना चाहते हैं, क्योंकि बाद में इस प्रक्रिया को हाईकोर्ट भी अपनाने लगेंगे। >14

सिसोदिया की 14 दिन की कस्टडी

शराब नीति केस में राउज एवेंन्यू कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति केस में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को एक बार फिर सीबीआई को मनीष सिसोदिया की रिमांड दी है। सिसोदिया को 3 अप्रैल तक सीबीआई की कस्टडी में रहेंगे। अभी वह 22 मार्च तक ईडी की कस्टडी में हैं।

दिल्ली शराब नीति केस में ही राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को मनीष सिसोदिया की रिमांड 22 मार्च तक के लिए ईडी को दे दी थी। मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को अरेस्ट किया था, तब सीबीआई को पांच दिन की कस्टडी मिली थी, जिसे बाद में दो दिन और बढ़ा दिया गया था। इसके बाद सिसोदिया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजा गया था। ईडी ने तिहाड़ से ही 9 मार्च को सिसोदिया को अरेस्ट करके रिमांड पर लिया था। ईडी ने कोर्ट में कहा था कि एलजी ने जब इस मामले की शिकायत की तो सिसोदिया ने अपना फोन बदल दिया था, लेकिन एजेंसी ने उनके मोबाइल डेटा को फिर से निकाल लिया है। अब एजेंसी उनके ई-मेल और मोबाइल फोन से निकाले गए डेटा का एनालिसिस कर रही है। अभी हमें सिसोदिया से और सवाल पूछने हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी ने कहा था कि मामले से जुड़े दो लोगों को 18 और 19 मार्च को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया गया है। >14

राहुल बोले-कर्नाटक में 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार

ये देश सबका है, सिर्फ अडाणी का नहीं, चुनावी घोषणाए भी की

बेंगलुरू, 20 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को कर्नाटक के बेलगावी पहुंचे। उन्होंने यहां युवा क्रांति समागम का शुभारंभ किया। इस दौरान राहुल ने चुनावी रैली को संबोधित किया। कहा कि देश किसी एक का नहीं है, अडाणी का नहीं है, देश गरीबों और किसानों का है। हम एक साथ मोहब्बत के साथ रहना चाहते हैं। मैं जब भारत जोड़ो यात्रा के दौरान यहां से गुजर रहा था तो मुझे बताया गया कि कर्नाटक की सरकार युवाओं को रोजगार नहीं दे पा रही है।

कर्नाटक सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है, कुछ भी करवाना हो तो 40 प्रतिशत कमिशन देना पड़ता है। इसे लेकर यहां के लोगों ने प्रधानमंत्री को भी चिट्ठी लिखी लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। विधायक के बेटे को पकड़ा जाता है लेकिन सरकार उसकी रक्षा कर लेती है। भ्रष्टाचार का पूरा का पूरा फायदा 2-3 लोगों को होता है। दिल्ली की पार्लियामेंट में भी मैंने अडाणी पर भाषण दिया, सारी चीजें अडाणी को दी जा रही हैं। पूरा का पूरा फायदा उन्हें हो रहा है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक हुई। >14

बिजनेसमैन से 33 लाख की ठगी

ठाणे, 20 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में दो ठगों ने एक बिजनेसमैन को बिटकॉइन से ज्यादा रिटर्न का लालच देकर 33 लाख रुपए से ज्यादा लूट लिए। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों के खिलाफ धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि वर्चुअल करेंसी बिटकॉइन को भारत रेगुलेट नहीं करता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी बिटकॉइन समेत सभी वर्चुअल करेंसीज के यूजर्स, होल्डर्स और ट्रेडर्स को इनकी ट्रेडिंग करते समय आगाह रहने की सलाह दी है।

37 साल के बिजनेसमैन महाराष्ट्र के ठाणे में मीरा रोड पर रहते हैं। पुलिस के मुताबिक, वे एक वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए दो लोगों के संपर्क में आए थे। फरवरी में उन दोनों ने उन्हें मैसेज किया और कहा कि अगर वे ज्यादा फायदा कमाना चाहते है तो बिटकॉइन में इन्वेस्ट करना शुरू करें। बिजनेसमैन उनकी बातों में आ गया और उन्हीं के जरिए बिटकॉइन में रुपए लगाने लगा। शुरुआत में उन्हें फायदा हुआ।

राहुल को हीरो बना रही भाजपा : ममता

कांग्रेस का तंज-ममता ईडी-सीबीआई से बचना चाहती हैं, उनकी कोशिश पीएम को खुश करना

कोलकाता, 20 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि राहुल गांधी के कैमब्रिज में दिए बयान को लेकर संसद की कार्यवाही खुद रोक रही है। बीजेपी जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हीरो बनाने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी विपक्ष के लीडर बने रहे तो नरेंद्र मोदी को कोई टारगेट नहीं कर सकता। ममता के इसी बयान पर सोमवार को कांग्रेस के सांसद अधीर रंजन चौधरी ने तंज कसा है कि ममता ईडी-सीबीआई से बचना चाहती हैं, उनकी कोशिश पीएम मोदी को खुश करना है।

जो कांग्रेस का विरोध करेगा मोदी उससे खुश होंगे- अधीर

अधीर ने यह भी कहा- ममता बनर्जी ये मोदी जी के आदेश पर कह रही हैं। ममता बनर्जी और पीएम मोदी में एक करार हुआ है। उनका मकसद कांग्रेस और राहुल गांधी को तबाह करना और इनकी छवि धूमिल करना है। उनका नारा बदल चुका है, वे ईडी-सीबीआई से बचना चाहती हैं। जो भी कांग्रेस का विरोध करेगा उससे मोदी खुश होंगे। टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि ममता मुर्शिदाबाद जिले में पार्टी की इंटरनल मीटिंग के दौरान फोन पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस भाजपा से लड़ने में विफल रही है और पश्चिम बंगाल में भगवा खेमे के साथ मौन सहमति है।

सदन न चलने से भाजपा को फायदा

भाजपा अपने फायदे के लिए ऐसा कर रही है ताकि अन्य विपक्षी दल लोगों से संबंधित मुद्दों को न उठा सकें। वे राहुल गांधी को विपक्षी खेमे का हीरो बनाना चाहते हैं। ममता की यह टिप्पणी राहुल गांधी की हाल की ब्रिटेन यात्रा के दौरान की गई टिप्पणी को लेकर संसद में गतिरोध के बीच आई है, जिसमें दोनों सदन बजट सत्र के दूसरे भाग के पहले पांच दिनों में किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को करने में विफल रहे हैं। राहुल गांधी पर टीएमसी सुप्रीमो का मौखिक हमला कांग्रेस और भाजपा दोनों से दूर रहने की घोषणा के ठीक दो दिन बाद आया है। ममता ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ संभावित बातचीत का संकेत दिया है।

कांग्रेस विपक्ष की 'बिग बॉस' नहीं

टीएमसी ने यह भी कहा कि कांग्रेस विपक्ष की 'बिग बॉस' नहीं है। सागरदिघी उपचुनाव के नतीजों का जिक्र करते हुए, जहां कांग्रेस ने टीएमसी से सीट छीन ली थी, बनर्जी ने कहा कांग्रेस-सीबीआई (एम)-बीजेपी का नापाक गठजोड़' राज्य में खेल रहा है। ममता ने कहा कि हमें अगले पंचायत और लोकसभा चुनावों में इस सांठगांठ को हराना है। उन्होंने हमें आने वाले दिनों में एकजुट होकर लड़ने के लिए कहा था।' कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर चौधरी का नाम लिए बिना बनर्जी ने उन पर भाजपा के साथ मौन सहमति रखने का आरोप लगाया। उपचुनाव के नतीजों से नाराज बनर्जी ने घोषणा की थी कि वह भविष्य में कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेंगी।

चौधरी बोले टीएमसी भाजपा के साथ

पार्टी की बैठक में बनर्जी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पार्टी नेता चौधरी ने दावा किया कि यह टीएमसी है जो भाजपा की मदद करना चाहती है।

आप (टीएमसी) भाजपा से लड़ रहे हैं और कांग्रेस से समान दूरी बनाए हुए हैं। यह केवल टीएमसी जैसी पार्टियों की वास्तविक प्रकृति को दर्शाता है, जो विपक्षी खेमे में ट्रोजन हॉर्स के अलावा और कुछ नहीं हैं। टीएमसी ने रक्षा के लिए भाजपा से हाथ मिलाया है। भ्रष्टाचार के मामलों में सीबीआई और ईडी के चंगुल से खुद को छुड़ाया है।

रोचक खबरें

टाइम ट्रैवलर का दावा, 15 साल में खत्म हो जाएगी दुनिया, 2024 में होगी खात्मे की शुरुआत

कई बार कई लोग भविष्यवाणियां कर चुके हैं। कई बार दुनिया खत्म होने के दावे किए जा चुके हैं। कई दफा पृथ्वी से उल्कापिंड टकराने के बाद दुनिया खत्म होने की बात कही। ऐसा ही एक नया दावा किया जा रहा है। इस दावे में कहा गया है कि आज से ठीक 15 साल बाद पृथ्वी की दुनिया खत्म हो जाएगी। इतना नहीं, दावा करने वाले इस शख्स ने ये भी कहा है कि एलियंस धरती पर रह रहे हैं, समय आने पर वे अटैक कर देंगे और यह अगले साल यानी 2024 में होगा।

दरअसल, एक टाइम ट्रैवलर ने खुद के भविष्य में जाकर वर्तमान में लौटने का दावा किया है। उसने दावा किया है कि चूंकि वो भविष्य से लौटा है तो उसे इस बात की जानकारी हो गई है कि दुनिया कब खत्म होने वाली है। इस टाइम ट्रैवलर ने दुनिया के खत्म होने का साल भी बता दिया है। खुदा को टाइम ट्रैवलर बताने वाले इस शख्स ने कहा है कि वो आज से 835 साल बाद की दुनिया से लौटा है। यानी इस शख्स ने भविष्य में जाकर 2858 साल देख लिए है। उसी भविष्य के समय से वो वापस 2023 में लौटा है। ऐसे में वो यह बता सकता है कि आखिरकार पृथ्वी कब खत्म होगी। शख्स ने भविष्यवाणी की है कि आज से ठीक 15 साल बाद दुनिया खत्म हो जाएगी। उसने धरती के खत्म होने का दावा किया और बताया कि पृथ्वी का एलियंस के साथ होने वाले युद्ध की वजह से होगा। इस रहस्यमयी सोशल मीडिया यूजर ने खुद को टाइम ट्रैवलर बताया है। सोशल मीडिया पर @darknesstimetravel नाम से बने अकाउंट पर शख्स ने ये खुलासा किया। वीडियो पोस्ट होने के बाद से अभी तक हजारों लोगों ने इसे फॉलो कर चुके हैं। उसने भविष्य को लेकर और भी कई खुलासे किए हैं।

एलियंस के साथ होगा युद्ध

भविष्यवाणी में इस यूजर ने बताया कि दुनिया सिर्फ 15 साल के लिए बची है। इस वक्त के दौरान एलियंस पृथ्वी पर हमला कर देंगे। उसने ये भी कहा कि एलियंस अभी ही पृथ्वी पर आ चुके हैं। लेकिन आने वाले 15 साल तक वो छिपकर पृथ्वी की हरकतों पर नजर रखेंगे। इसके बाद 2024 तक कोई एक्टिविटी ना करने के बाद धीरे-धीरे लड़ाई शुरू करेंगे। वीडियो के मुताबिक युद्ध 2024 यानी अगले साल शुरू होगा और 2038 तक चलेगा।

इस गांव में हैं 'करोड़पति कुत्ते'

उनके पास करोड़ों की जमीन, ऐसे राजसी अंदाज में खाते हैं खाना

अहमदाबाद, कुत्तों को आमतौर पर इंसानों पर निर्भर रहना होता है। वे घर घर जाकर कई घंटों तक दरवाजों के सामने खड़े रहते हैं कि कोई उन्हें रोटी या ब्रेड या बचा हुआ खाना दे दे, हालांकि कुछ लोग कुत्तों से बहुत प्यार करते हैं। उन्हें एडॉप्ट कर लेते हैं तो कई स्ट्रीट डॉग को भी खाना खिलाते और केयर करते हैं। लेकिन एक गांव ऐसा भी है, जहां कुत्तों को न सिर्फ बेइंतहा प्यार किया जाता है, बल्कि वहां के कुत्ते करोड़पति हैं और उनके पास इंसानों की तरह कई बीघा जमीन और प्रापर्टी भी है।

गुजरात में बनासकांठा जिले के पालनपुर तालुका इलाका है। यहां एक गांव का नाम है कुशकल। इस गांव की मान्यता और परंपराओं के चलते यहां के कुत्ते भी करोड़पति हो गए हैं। इन कुत्तों के नाम पर करोड़ों की संपत्ति है। इतना ही नहीं, यहां के कुत्ते खेतों के मालिक हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुशकल गांव में करीब 7 हजार लोग रहते हैं। यहां के निवासी खेती किसानी और पशु पालने का काम करते हैं। इसलिए यहां के निवासी काफी धनवान हैं। लेकिन गांववालों के साथ ही यहां के कुत्ते भी अमीर हैं। आपको जानकार हैरानी होगी कि यहां के कुत्तों के नाम करीब 20 बीघा जमीन है और इस जमीन के कीमत 5 करोड़ रुपए से ज्यादा है। अब आप सोच रहे होंगे कि कैसे कुत्ते इतने अमीर हो गए और उनके पास इतनी जमीन है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक इस गांव में कई साल पहले नवाबों का शासन था। दन नवाबों ने गांव के लोगों को खेती करने के लिए 20 बीघा जमीन दी थी। लेकिन कहा जाता है कि गांव वालों ने कहा कि वे इंसान हैं, उनके हाथ-पैर हैं और मेहनत' मजदूरी करके या कोई भी काम करके अपना गुजारा कर सकते हैं।

पति ने कुत्ते से बनवाया पत्नी का नाश्ता

सैंडविच के साथ परोसी चाय, खाना चाहता था अंदर भरा मीट

इंसान और कुत्तों के बीच का रिश्ता काफी स्पेशल होता है. जहां डॉग अपने मालिक के प्रति सबसे ज्यादा वफादार होता है, वहीं इंसान भी समय के साथ अपने पालतू जानवर के साथ अटैच हो जाता है. सोशल मीडिया पर कई डॉग लवर्स अपनी स्टोरी और डॉग के साथ अपनी बॉन्डिंग को शेयर करते रहते हैं. हाल ही में एक महिला ने बताया कि इस साल का मदर्स डे उसके लिए बेहद ख़ास रहा. इस साल उसके लिए स्पेशल नाश्ता और किसी ने नहीं, बल्कि उसके पेट डॉग ने बनाया था. कार्ली सौंडर्स नाम की महिला ने इसका खुलासा सोशल मीडिया पर किया. उसके डॉग विविएन्ने बिगफुट ने इस बार उसके लिए ब्रेकफास्ट बनाया था. मदर्स डे पर ये सरप्राइज उसके पति ने प्लान किया. उसके पति की देखरेख में हो डॉग ने कार्ली के लिए सैंडविच बनाया. 49 साल की कार्ली इसे देखकर हैरान रह गई. 35 साल के डैन सौंडर्स ने अपनी वाइफ को ये स्पेशल ब्रेकफास्ट सर्व किया. इस पुरे सरप्राइज का आइडिया उन्हीं का था. डैन ने बताया कि जबसे कार्ली और उनके बेटे ने घर छोड़ा था, तब से कार्ली उदास रहती थी. ऐसे में मदर्स डे को स्पेशल बनाने का इससे अच्छा तरीका और कुछ नहीं हो सकता था. डैन ने प्लान के बारे में बताया कि बेटे के जाने के बाद ये कार्ली का पहला मदर्स डे था. वो सुबह से उदास थी. इस वजह से डैन को ये आइडिया आया. उनके डॉग ने भी प्लान में पूरा सहयोग दिया. उसने पहले बैकन सैंडविच बनाया.

अहमदाबाद के आसमान में 7 प्लेन 40 मिनट मंडराते रहे

रनवे खाली न होने से 2 फ्लाइट्स इंदौर डायवर्ट, एक विमान 40 मिनट बाद लैंड हो पाया

अहमदाबाद, 20 मार्च (एजेंसियां)। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर शनिवार रात को हवा का दबाव ज्यादा होने से फ्लाइट्स ऑपरेशन में दिक्कत हुई। इस दौरान 7 फ्लाइट्स को उतरने की परमिशन नहीं मिलने से वे अहमदाबाद के आसमान में 40 मिनट तक चक्कर लगाती रहीं। इस दौरान कई फ्लाइट्स टेक ऑफ नहीं कर पाईं।

दो फ्लाइट इंदौर डायवर्ट की गई

मुंबई और पटना से आईं दो फ्लाइट्स में फ्यूल कम होने का अलर्ट आया। इस वजह से पायलट ने लैंड करने की परमिशन मांगी, लेकिन रनवे खाली नहीं था। इसके चलते इन दोनों फ्लाइट्स को इंदौर डायवर्ट किया गया। ये दोनों फ्लाइट्स रात को 11.30 बजे अहमदाबाद पहुंची। सिंगापुर-अहमदाबाद को लंबा इंतजार करना पड़ा। इस फ्लाइट ने अहमदाबाद के आसमान में 40 मिनट तक चक्कर लगाया। इस फ्लाइट को साढ़े छह बजे एयरपोर्ट पर लैंड होना था। क्लियरेंस न मिलने के चलते फ्लाइट ने 40 मिनट तक आसमान में ही चक्कर लगाया। इस फ्लाइट को दिल्ली जाना था, लेकिन फ्लाइट डेढ़ घंटे लेट हो गई। करीब 150 यात्रियों को इंतजार करना पड़ा।

एसयूवी ने टेक्नोलॉजी फर्म की सीईओ को टक्कर मारी, मौत

जॉगिंग के लिए गई थीं; टक्कर से 20 फीट दूर गिरीं, ड्राइवर गिरफ्तार

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के वर्ली इलाके में रविवार सुबह तेज रफ्तार एसयूवी ने टेक्नोलॉजी फर्म की सीईओ राजलक्ष्मी राम कृष्णन को टक्कर मार दी थी, जिससे वह हवा में उछल कर 20 फीट दूर जा गिरीं। इसके तुरंत बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कुछ घंटे बाद ही एसयूवी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ड्राइवर का नाम सुमेर मर्चेंट है। उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 304 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को कल यानी मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहीं बताया कि दादर-माटुंगा इलाके की रहने वाली सीईओ राजलक्ष्मी और उनके पति विजय सुबह करीब 5 बजे जॉगिंग के लिए निकले थे। तभी यह घटना हुई। घटना वर्ली-बांद्रा सी लिंक से कुछ ही मीटर दूर वर्ली डेयरी के पास सुबह 6:30 बजे की है।

महाराष्ट्र में गौ सेवा आयोग के गठन को कैबिनेट से मंजूरी

बीफ प्रतिबंध करने पर होगा फोकस

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कैबिनेट ने 'महाराष्ट्र गौ सेवा आयोग' के गठन को मंजूरी दे दी है। 17 मार्च को हुई कैबिनेट की बैठक में इसपर फैसला लिया गया। आयोग का पूरा फोकस गोमांस (बीफ) पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने पर होगा। 2015 में इसको लेकर कानून भी बन चुका है। अब उस कानून का सख्ती से पालन कराने का काम भी यही आयोग करेगी।

पशुपालन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'महाराष्ट्र गौ सेवा आयोग' पशुधन के पालन की निगरानी करेगा और यह आकलन करेगा कि उनमें से कौन अनुत्पादक है और दूध देने, प्रजनन करने और कृषि कार्य करने आदि के लिए अनुपयुक्त है। मंत्रिमंडल ने आयोग की स्थापना के लिए 10 करोड़ रुपये की धनराशि को भी मंजूरी दी है। एक वैधानिक निकाय के रूप में इसके गठन के लिए एक मसौदा विधेयक इस सप्ताह राज्य विधानमंडल के समक्ष रखे जाने की संभावना है। अधिकारी के मुताबिक, राज्य सरकार ने अनुमान लगाया है कि बीफ पर प्रतिबंध के कारण पशुओं की संख्या बढ़ेगी।

गौ सेवा आयोग का गठन एकनाथ शिंदे-भाजपा सरकार द्वारा हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे अन्य भाजपा शासित राज्यों द्वारा स्थापित समान निकायों की तर्ज पर किया जा रहा है।

2015 में लागू कानून का सख्ती से कराया जाएगा पालन

पशुपालन विभाग के अधिकारी ने कहा, 'आयोग से अनुत्पादक मवेशियों को बूचड़खानों में जाने से रोकने के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय करने की उम्मीद है। मार्च 2015 में पारित महाराष्ट्र पशु संरक्षण (संशोधन) पशु अधिनियम, 1995 के तहत सूबे में गौमांस की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाई गई है।' उन्होंने कहा कि आयोग आवारा और अनुत्पादक मवेशियों को आश्रय देने के लिए बनाई गई सभी गौशालाओं (गौशालाओं) की भी निगरानी करेगा और जहां भी आवश्यक हो, उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करने की शक्ति होगी। आयोग में 24 सदस्य होंगे और इसका अध्यक्ष राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि इसमें विभिन्न सरकारी विभागों के 14 वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। जिनमें पशुपालन, कृषि, परिवहन और डेयरी विकास विभागों के आयुक्त, एक पुलिस उप महानिरीक्षक, और गौ संरक्षण संगठनों या गौशालाओं को चलाने वाले गैर सरकारी संगठनों से जुड़े नौ मनोनीत सदस्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आयोग न केवल राज्य में गौशालाओं के लिए सभी मौजूदा योजनाओं को क्रियान्वित करेगा बल्कि पशुधन की बेहतरी के लिए नई योजनाएं और कार्यक्रम भी पेश करेगा।

ड्रग तस्कर से खरीदी मर्सिडीज में सरेंडर करने आया चाचा, उसे भी असम की डिब्रूगढ़ जेल भेजा

अमृतसर, 20 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में वारिस पंजाब दे के चीफ अमृतपाल सिंह की तलाश सोमवार को तीसरे दिन भी जारी है। पुलिस को अमृतपाल के जालंधर में छिपे होने की आशंका है। जिले के सभी एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर नाकाबंदी कर दी गई है। अमृतपाल के गांव जल्लूखेड़ा में भी फोर्स तैनात है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल से लगी पंजाब की सीमाओं को भी सील कर दिया गया है।

अमृतपाल के चाचा हरजीत सिंह और ड्राइवर ने रविवार देर रात पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। उसका अमृतपाल की मर्सिडीज में सरेंडर करने आया था, जो ड्रग तस्कर से खरीदी गई थी। उसके चाचा को भी असम की डिब्रूगढ़ जेल भेजा गया है। पुलिस ने अब तक 114 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने भास्कर को बताया कि अमृतपाल के फाइनेंसर दलजीत सिंह कलसी के पास 2 साल में 35 करोड़ रुपए का विदेशी फंड आया। उसके फोन से पाकिस्तान में भी बात हुई। पुलिस उसके मोबाइल की जांच कर रही है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने बताया कि अमृतपाल नशा मुक्ति केंद्र के नाम पर फिदायीन हमलावर तैयार कर रहा था। वह आतंकियों को तैयार कर रहा था। सब कुछ आईएसआई के इशारे पर हो रहा था। पाकिस्तान से गैरकानूनी हथियार मंगवाकर इन्हीं सेंटरों में स्टोर किया जा रहा था।

ओलावृष्टि से एमपी में कश्मीर जैसा नजारा

भोपाल, 20 मार्च (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में पिछले एक हफ्ते से बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि हो रही है। रविवार शाम को भी मध्यप्रदेश, राजस्थान और दिल्ली-एनसीआर में जमकर बारिश हुई। मध्यप्रदेश के 36 जिलों में 100 जगह बारिश हुई। 21 जिलों के 50 कस्बों में ओले बरसे। इसके चलते मध्यप्रदेश में कश्मीर जैसा नजारा हो गया। यहां सड़कों, खेतों में सफेद बर्फ की चादर फैली दिखाई दी। उत्तर प्रदेश में अगले 5 दिनों तक बारिश की संभावना है।

अमृता फडणवीस को ब्लैकमेल करने वाली डिजाइनर का पिता गिरफ्तार

मुंबई पुलिस ने अनिल जयसिंघानी को गुजरात से पकड़ा, अनिक्षा पहले से पुलिस कस्टडी में

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस को रिश्वत देने और ब्लैकमेल करने वाली डिजाइनर के पिता अनिल जयसिंघानी को गिरफ्तारी कर लिया गया है। मुंबई पुलिस ने अनिल को सोमवार को गुजरात से गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अनिल पर पहले से 14 से 15 मामले लंबित हैं। हालांकि मामले में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

वहीं पुलिस ने 16 मार्च को डिजाइनर अनिक्षा जयसिंघानी को गिरफ्तार कर लिया था। उसे 21 मार्च तक की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 120, 385, 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अमृता ने पुलिस को बताया, 'अनिक्षा नाम की डिजाइनर ने नवंबर 2021 में पहली बार मुझसे संपर्क किया था। उसने मुझे बताया था कि वह कपड़े, ज्वेलरी और फुटवियर डिजाइन करती है। हम दोनों की मुलाकात एक कार्यक्रम में हुई थी। इस दौरान अनिक्षा ने मुझसे उसकी डिजाइन की हुई ज्वेलरी और फुटवियर पहनने और उनका प्रमोशन करने की अपील की थी। मुझे उस पर तरस आया और मैंने हां कर दी। पहली मुलाकात में उसने मुझे बताया था कि उसकी मां की मौत हो चुकी है। एक बार मेरे घर आकर उसने मेरे स्टाफ के लोगों को कपड़े और ज्वेलरी दी थी और मुझसे रिक्वेस्ट की थी कि मैं उन्हें पहनूं। मुझे याद नहीं है कि मैंने उसकी दी ड्रेस कभी पहनी भी थी या नहीं। इन चीजों को मेरे स्टाफ ने लौटा दिया या डोनेट कर दिया था, क्योंकि मेरे पास उसका दिया कोई सामान नहीं है। ऐसी ही एक मुलाकात में अनिक्षा ने दावा किया था कि उसके पिता के कई पॉलिटिकल पार्टी के नेताओं के साथ करीबी संबंध हैं। उसने वहां मौजूद एक कर्मचारी को लिफाफा देकर मुझे देने को कहा जब मैंने लिफाफा खोला तो उसमें हाथ से लिखा हुआ नोट था। उसमें क्या लिखा हुआ था मुझे समझ नहीं आया और मैंने उसे एक तरफ रख दिया। एक बार अनिक्षा ने मेरे बॉडीगार्ड से झूठ बोला और मेरी कार में बैठी गईं। उसने मुझे बताया कि उसके पिता पुलिस को सटोरियों की जानकारी देते थे।

उसने ऑफर किया कि अगर इन सटोरियों के खिलाफ एक्शन लेना है, तो पुलिस से कहकर पैसे भी कमाए जा सकते हैं। या फिर कोई एक्शन न लेकर सटोरियों से पैसे ऐंठे जा सकते हैं। ये सुनने के बाद मैंने उसे कार से नीचे उतरने को कहा। फिर मैंने उसके कॉल उठाने बंद कर दिए। 16 फरवरी को रात 9 बजकर 30 मिनट पर अनिक्षा ने मुझे कॉल करके बताया कि उसके पिता को एक केस में आरोपी बनाया गया है। अगर मैं उन्हें बचा लेती हूं तो वह मुझे 1 करोड़ रुपए देगी। यह सुनने के बाद मैंने फोन रख दिया और उसका नंबर ब्लॉक कर दिया।'

अनिल जयसिंघानी पर 5 राज्यों में 17 केस दर्ज

अनिल जयसिंघानी पर आरोप है कि वह सट्टेबाज है। वह उल्लासनगर का रहने वाला है। उस पर 5 राज्यों में 17 केस दर्ज हैं। इतना ही नहीं वह करीब 8 सालों से फरार चल रहा था। इससे पहले वह सट्टेबाजी के केस में तीन बार गिरफ्तार हो चुका है। उसके खिलाफ गोवा पुलिस ने मई 2019 को लुकआउट नोटिस भी जारी किया था।

इसके अलावा 8 साल पहले मई 2015 में गुजरात ईडी ने अनिल के दो घरों पर छापेमारी की थी। उस वक्त अनिल पर मनी लॉन्ड्रिंग के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस दौरान वह खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए फरार हो गया था।

प्रियंका चतुर्वेदी को फडणवीस की पत्नी ने कहे थे चतुर और औकात जैसे शब्द

अमृता फडणवीस के डिजाइनर अनिक्षा पर 1 करोड़ की रिश्वत और धमकी देने के आरोप सामने आने के बाद से महाराष्ट्र में विवाद शुरू हो गया। इसे लेकर उद्धव गुट की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट कर अमृता पर निशाना साधा था। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा-एक अपराधी की बेटी पहले उपमुख्यमंत्री की पत्नी से संपर्क करती है। फिर उनके घर आना-जाना भी शुरू हो जाता है। डिप्टी सीएम के मुताबिक यह दोस्ती 5 साल चलती है। उपमुख्यमंत्री की पत्नी को वह महंगे कपड़े, गहने देती है। इतना ही नहीं गाड़ी में साथ घूमती है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 21 मार्च, 2023 3

सुविचार: अगर खुद आप में सचाई और अच्छाई नहीं है तो कितना भी ढूंढ लो कहीं नहीं मिलेगी...

केटीआर ने बीआरएस नेताओं को दिया 20 अप्रैल तक आत्मीय सम्मेलन समाप्त करने का निर्देश

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को पार्टी विधायकों, जिला प्रभारी समन्वयकों और अन्य नेताओं के साथ एक टेलीकॉन्फ्रेंस में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने उन्हें प्रत्येक गांव के चार-पांच मंडलों के लिए आत्मीय सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया। पार्टी कैडर के महत्व, तेलंगाना आंदोलन में उनकी भूमिका और बाद में तेलंगाना सरकार के गठन, तेलंगाना के गठन से पहले की स्थिति और उसके बाद की प्रगति, और तेलंगाना के बदलते चेहरे और इसके विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। 25 अप्रैल को, बीआरएस पार्टीप्रतिनिधियों की बैठक हर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित की जाएगी, जिसमें लगभग 1,000-1,500 प्रतिनिधि शामिल होंगे। पार्टी स्थापना दिवस को चिह्नित करते हुए, 27 अप्रैल को हर गांव और वार्ड में बीआरएस ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया जाएगा। उसी दिन, हैदराबाद में चुनिंदा आमंत्रितों के साथ पार्टी प्लेनरी आयोजित की जाएगी।

सभी मुद्दों को इस तरह समझाया जाना चाहिए कि हर कार्यकर्ता को समझने में सक्षम होना चाहिए। हमारी पार्टी के कार्यकर्ता जनता तक पहुंचने और उन्हें तेलंगाना के विकास में बीआरएस के महत्व के बारे में समझाने का माध्यम हैं। उन्होंने राज्य स्तरीय नेताओं से कहा कि वे पूरे राज्य में होने वाले आत्मीय सम्मेलनों में विशेष अतिथि के तौर पर शामिल हों।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष यह भी चाहते हैं कि पार्टी के नेता देश में मौजूदा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों, विशेष रूप से पेट्रोल की कीमतों और आवश्यक वस्तुओं में वृद्धि, और मोदी सरकार की विफल नीतियों के बारे में विस्तार से चर्चा करें।

ईडी ने बीआरएस एमएलसी से की करीब 11 घंटे तक पूछताछ

पूछताछ के बाद बाहर आने के बाद विजय चिह्न दिखाती हुईं कविता।

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के. कविता सोमवार को दिल्ली आबकारी नीति मामले के संबंध में दूसरी बार अपना बयान दर्ज कराने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुईं। वह सुबह करीब 10.30 बजे ईडी कार्यालय पहुंचीं और रात 9 बजे तक पूछताछ के लिए वहीं रहीं।

करीब 11 घंटे तक ईडी के अधिकारियों ने कविता से पूछताछ की और रात करीब सवा नौ बजे उन्हें जाने दिया गया। देर रात तक जांच चलने के कारण उनकी गिरफ्तारी के कयास लगाए जा रहे थे, जिससे ईडी कार्यालय के बाहर तनावपूर्ण माहौल हो गया। हालांकि, ईडी के अधिकारियों ने उन्हें फिर से पूछताछ के लिए आने के लिए कहा है। तारीखों की घोषणा बाद में किए जाने की संभावना है। आज सुबह से ही ईडी कार्यालय के बाहर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। हालांकि कविता शाम छह बजे के बाद भी नहीं लौटी तो बीआरएस के कई नेता ईडी कार्यालय पहुंचने लगे। दिल्ली में बारिश शुरू होने पर भी वे बाहर इंतजार करते रहे। बाद में शाम को, अतिरिक्त महाधिवक्ता रामचंद्र राव, बीआरएस के महासचिव सोमा भरत कुमार और अधिवक्ता गंध्रा मोहन राव केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय पहुंचे, जिसके बाद एक मेडिकल टीम का आगमन हुआ।

बीआरएस एमएलसी को पहली बार 11 मार्च को मामले में अपना बयान दर्ज करने के लिए केंद्रीय एजेंसी द्वारा बुलाया गया था, जिसके बाद उन्हें 16 मार्च को फिर से बुलाया गया था। हालांकि, उन्होंने ईडी की कार्रवाई के खिलाफ राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपनी लंबित याचिका का हवाला देते हुए बयान टाल दिया। मामले को 24 मार्च को शीर्ष अदालत में सुनवाई के लिए पोस्ट किया गया है। हालांकि, ईडी अधिकारियों ने उन्हें 20 मार्च को फिर से जांच में शामिल होने के लिए बुलाया।

जबकि बीआरएस विधायक का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया था, कविता ने जोर देकर कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और भाजपा बीआरएस को परेशान करने और तेलंगाना में खुद को राजनीतिक रूप से स्थापित करने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है।

इससे पहले दिल्ली में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, बीआरएस सांसद जी. रंजीत रेड्डी और बी वेंकटेश नेथा ने कहा कि एक जिम्मेदार और कानून का पालन करने वाली नागरिक के रूप में कविता ईडी कार्यालय के सामने पेश हुई थीं। वह 16 मार्च को पेश नहीं हुई, क्योंकि ईडी कानून का पालन नहीं कर रहा है और उसे रात 8 बजे तक नौ घंटे के लिए अपने कार्यालय में बैठाया। उन्हें सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि ईडी अधिकारों का उल्लंघन कर उन्हें परेशान कर रहा था। यह साफ तौर पर मोदी सरकार की साजिश है।

सरकार का राज्य में 20 लाख एकड़ में ताड़ के तेल की खेती करने का फैसला

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में ऑयल पॉम की खेती की संभावना को देखते हुए सरकार ने 20 लाख एकड़ के बड़े क्षेत्र में पाम ऑयल की खेती शुरू करने का फैसला किया है। राज्य में फसल रोटेशन की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए, तेलंगाना सरकार ने 27 जिलों में पाम ऑयल की खेती का विस्तार करने के लिए 11 कंपनियों को फ़ैक्टरी ज़ोन आवंटित किए हैं। वर्ष 2023-24 के लिए पौधा उगाने के लिए दो लाख एकड़ में ऑयल पॉम की खेती की योजना बनाई गई है।

वर्तमान में राज्य में 1,30,463 एकड़ में ऑयल पॉम की खेती की जाती है। सरकार ने अगले चार वर्षों में राज्य में ताड़ के तेल की खेती के तहत क्षेत्र को बढ़ाकर 10 लाख एकड़ करने के लिए कृषि विभाग के लिए एक लक्ष्य निर्धारित किया है। पिछले साल राज्य में 60,023 एकड़ में ऑयल पॉम उगाया गया था। राज्य सरकार ने किसानों को शिक्षित करने और राज्य भर में 1.20 लाख एकड़ में ताड़ के तेल की खेती करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए अभियान चलाया है।

आज मंगलवार, 21-3-2023 को अमावस्या है।
जय गौमाता
गौमाता की परिक्रमा करने मात्र से सभी ग्रहों की कृपा प्राप्त होती है, एवं व्यक्ति दीर्घायु ऐश्वर्यवान बनकर पुण्य को प्राप्त करता है।
निवेदक : कार्यसमिति
शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद, फोन : 7842048773, 9959271866
ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद फोन : 7842048773, 9849666304
पुरानापुल, बहादुरपुरा, जू पार्क से होते हुए ताइवन चौरस्ता से बाएँ ओर सिर्फ 5 मिनट में गौशाला पहुँच सकते है।
किसी भी पारिवारिक शुभकार्य पर गौमाता का स्मरण अवश्य करें।

आज मंगलवार, 21-3-2023
चैत्र अमावस्या
के अवसर पर अवश्य पधारें
नारायणी गो सेवा सदन
रोड नं. 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद
सम्पर्क सूत्र : 9581348889, 9246522435, 9490929321
आज चैत्र अमावस्या हैं इस अवसर पर गो सेवा हेतु गौशाला पधारें। गो ग्रास का अनुदान कर पुण्य के भागीदार बने। अनुदान भेजने हेतु गौशाला एकाउंट विवरण Bank account detail: NARAYANI GOW SEVA SADAN, A/C No. 50200065063209, for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC 0001996, TYPE OF ACCOUNT: CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD. Gpay and Phonepe No. 9581348889
JAI GOMATA Address: Narayani gow seva sadan, street No 17, shalivahana nagar, dilsukh nagar Hyd.
गौ माता के दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागीदार बनें।
सभी गोभक्त सपरिवार पधारकर, दान-पुण्यकर गौसेवा का लाभ लेवें।
निवेदक : नारायणी गो सेवा सदन
शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर का होली मिलन संपन्न

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर द्वारा होली मिलन समारोह पद्माशाली फंक्शन हॉल रामंतापुर में संपन्न हुआ। आपसी भाईचारा, प्रेम एवं एकता के प्रतिक होली मिलन में सभी भाई-बंधू एक दूसरे को गुलाल लगाकर आशीर्वाद ग्रहण किये। इस अवसर पर पवन पांडेय एंड साथी होली गीत गाकर लोगों का भरपूर मनोरंजन किये। इस अवसर पर कई गणमान्य लोग अपना बहुमूल्य उपस्थित दर्ज की। बिहार एशोसिएसन अध्यक्ष हरेराम सिंह, जयराम फाउंडरी के चेयरमैन अशोक प्रसाद सिंह, रविशंकर सिंह, प्रभास जी उपस्थित होकर होली मिलन की शोभा बढ़ाई।

इस अवसर पर समिति के कार्यकारी सदस्यगण सुरेश सिंह, रामप्रकाश गुप्ता, भगवान सिंह, पंकज झा, कमलेश पांडेय, अजय शर्मा, सुनील सिंह, वी. मंजूनाथ गुप्ता, राजेश शर्मा, राजीव कुमार, सुरेश पासवान, संतोष गुप्ता, राजू राय, शिव कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, पवन सिंह, हरेन्द्र चौबे, उदयचंद्र शर्मा, अनील झा, उदय शर्मा, विजय शर्मा, धनंजय शर्मा, राजकुमार श्रवण शर्मा आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आज मंगलवार दि.21 मार्च 2023
भौमवती अमावस्या के अवसर पर पधारे
श्री आईजी गौशाला
(रजिस्ट्रेशन नं. 720/2008) 118, मल्काराम, जवाहरनगर (चेनापुर-बालाजी नगर) खापरा मंडल
☎ 7396306337
आज की महाप्रसादी - हापूराम S/o. स्व. धन्नारामजी गेहलोत पुखाराम, मोहनलाल S/o. हेमारामजी गेहलोत नेरडमेट रोड (मरुधर में रायपुर पाली)
गौशाला के बैंक एकाउंट मे अपनी दान राशी जमा कराकर, पुण्य के भागीदार बने
Sri Aaiji Gowshala, SBI, Cheeryal Branch, A/c. No. 62492036580 IFSC Code : SBIN0020435
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : जे.सी. प्रकाश चोलाराम हाम्बड ☎ 9573599190 सचिव : मंगलाराम पंवार ☎ 9246108583

जय गौमाता की श्री महावीराय नमः
चलिए प्रशांत वातावरण में पल रहे 260 गौवंश को रोटी और हराचारा खिलाकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।
Sri Jain Goshala
अहिंसा परमोधर्म, जीव दया उत्तम कार्य
आज अमावस्या आज मंगलवार, 21-3-2023 "गौ सेवा" कर पुण्य के भागी बनें प्रति अमावस्या को प्रसादी की व्यवस्था रहेगी
निवेदक : श्री जैन गौशाला
6-150, यादगिरीपल्ली रोड, किसरा विलेज, मेड़चल ज़िला (तेलंगाना)
सहयोग एवं जानकारी हेतु सम्पर्क करें : अनिल गांधी, दीपक प्रजापत : 9010128515, 9030660045
BANK DETAILS BANK : Agrasen Co - operative Urban Bank Limited. Name : Dileep Kumar Gandhi Jain Goshala Trust
BRANCH : Ranigunj, Secunderabad A/c. No. : 004400300000009 IFSC : YESB0ACUB04
ऑनलाईन गौ ग्रास सेवा के लिए गुगल पे/फोन पे करें : 9010128515
शुभकामनाओं सहित : नवकार ज्वेलर्स, जनरल बाजार, सिकन्दराबाद

आज अमावस्या है।
यह सच है कि भगवान है - यह भी सच है कि इन्हे जीने का अधिकार है यह भी सच है कि आपने इन्हे जीने का अधिकार दिलवाया और अब इनकी सुचारु पालन-पोषण एवं आहार की संपूर्ण आवश्यकता को बडे उदार मन से पूर्ण कर रहे है। यह आपके हृदय में छिपी करुणा को दर्शाति है। इनकी सेवा मे जारी रहे यह काम
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास
गगन पहाड़, राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट रोड सिटीजन कांटे के पीछे, हैदराबाद
फोन : 9985385399, 9989403635, 9440437618, 9912142260, 9246522435, 9347211966, 9441210591, 9490941319, 9848031111
Bankers : BANK OF BARODA, Nallakunta Branch, Hyderabad, T. S. A/c. : 75450200001071 IFSC CODE : BARB0VJNAKU
Paytm/Google Pay Number : KARAN CHALLANI - 94909 41319
TO AVAIL 80G KINDLY DONATE- AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST
CANARA BANK - BASHEERBAGH BRANCH HYDERABAD A/c : 0878132000033 IFSC CODE : CNRB0000878

केसीआर सरकार ने आदिवासियों की जिंदगी को बदहाल कर दिया : भट्टी

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस विधायक दल के नेता भट्टी विक्रमार्का ने विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में विकास की पूरी तरह से उपेक्षा करने के लिए बीआरएस सरकार की कड़ी निंदा की है। भट्टी विकारमार्का, जिनका हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के हिस्से के रूप में लोगों का मार्च सोमवार को अपने 5वें दिन में प्रवेश कर गया, आदिलाबाद जिले के आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र में कई दूरदराज के गांवों और बस्तियों का दौरा किया। उन्होंने सोमवार को उत्नूर से अपनी पदयात्रा शुरू की। पोचम लोदी में विश्राम करने के बाद वे शाम को जैनुरु गाँव पहुँचे जहाँ नुक्कड़ सभा हुई। उन्होंने 22 किलोमीटर की दूरी पर असिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र के जैनूर मंडल में जामगांव, उशेगांव, पोचमलुड्डी, जैनूर, पॉवरगुडा और जामनी गांव को कवर किया। जंगावम गांव में उन्होंने आदिवासी ओजा गिरिजन हस्तकला केंद्र का दौरा किया और श्रमिकों से बातचीत की. उन्होंने सीएलपी नेता से कहा कि उन्हें उचित वित्तीय प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। दिन भर गुड़िया बनाने में मेहनत करने के बाद भी उन्हें 2000 रुपए भी नहीं मिल रहे हैं। 100. इस गांव में करीब 30 परिवार इस पेशे पर निर्भर हैं।

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज मंगलवार, 21-3-2023 को अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था श्री अमरा राम जी कुमावत, बड़गपेट वाले की ओर से है।
SRI GOPAL GOSHALA TRUST STATE BANK OF INDIA, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 62127047988 IFSC CODE : SBIN0020564
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476
विपुल गोयल - 9391006820, अर्जुन गोयल - 9246565555, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेप्टा - 8019106318, रमेश कावरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज मंगलवार 21 मार्च 2023 प्रातः 11 बजे से
चैत्र अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
इस पावन अवसर पर सभी गौ-भक्तों सादर आमंत्रित हैं।
गौ-माता पूजन * भजन भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
भजन गायक : श्री बिशनारामजी सुथार (बालोतरा)
दूरभाष : 9866405646, 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

तेलंगाना यासंगी सीजन में धान खरीदी में नंबर एक पर : मंत्री

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि तेलंगाना राज्य यासंगी सीजन के लिए धान की खरीद में देश में नंबर एक स्थान पर है।

मंत्री गंगुला कमलाकर ने सोमवार को यहां सभी जिलों के अतिरिक्त कलेक्टरों, नागरिक आपूर्ति विभाग और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और आगामी यासंगी सीजन के लिए धान की खरीद की कार्य योजना के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से अब तक किसानों से लगभग 672 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की है और तेलंगाना भारत में शीर्ष धान उत्पादक राज्य के रूप में उभरा है। उन्होंने अधिकारियों को आगामी धान खरीद की सुचारू प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए खरीद केंद्रों की स्थापना, जीओ टैगिंग, परिवहन, मिलर्स के साथ समन्वय, आवश्यक बारदानों की व्यवस्था, धान क्लीनर, नमी मशीन और तिरपाल सहित एक कार्य योजना तैयार करने के लिए कहा। इस अवसर पर, मंत्री ने लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए एक आईवीआरएस नंबर 7997512345 लॉन्च किया।

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग़, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन. 9296358630, 7013711317
आज मंगलवार, 21-3-2023 को अमावस्या है।
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
Online गौ सेवा के लिये
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST (For Income Tax Exemptions u/s 80g)
A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054 SBI Bank King koti Branch
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790 SBI PPB, Red Hills
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह केस की सुनवाई 25 को

सर्वे के लिए कोर्ट दे सकता है आदेश; मुस्लिम पक्ष ने एससी और एचसी की रूलिंग दाखिल की

मथुरा, 20 मार्च (एजेंसियां)। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में सोमवार को सुनवाई हुई।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह की रिवीजन याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायालय ने 25 मार्च की तारीख दे दी है। 25 मार्च को न्यायालय सभी पक्षों को सुनकर फैसला दे सकता है। आज मुस्लिम पक्ष की ओर से एडीजे-6 की अदालत में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की कुछ रूलिंग दाखिल की गई।

एडीजे 6Th की कोर्ट में शिफ्ट हुआ था केस

शाही ईदगाह का सर्वे कराए जाने के लिए निचली अदालत द्वारा इस वाद में पहले मुस्लिम पक्ष द्वारा केस के मेंटेबल और नॉन मेंटेबल को लेकर दाखिल प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के लिए कहा था। इसके बाद वादी ने जिला जज की कोर्ट में रिवीजन वाद दाखिल किया। जिला जज की अदालत ने इस केस को सुनने के लिए एडीजे 6Th की कोर्ट में भेज दिया था। एडीजे 6Th की कोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट अब इस मामले में फैसला सुना सकती है।

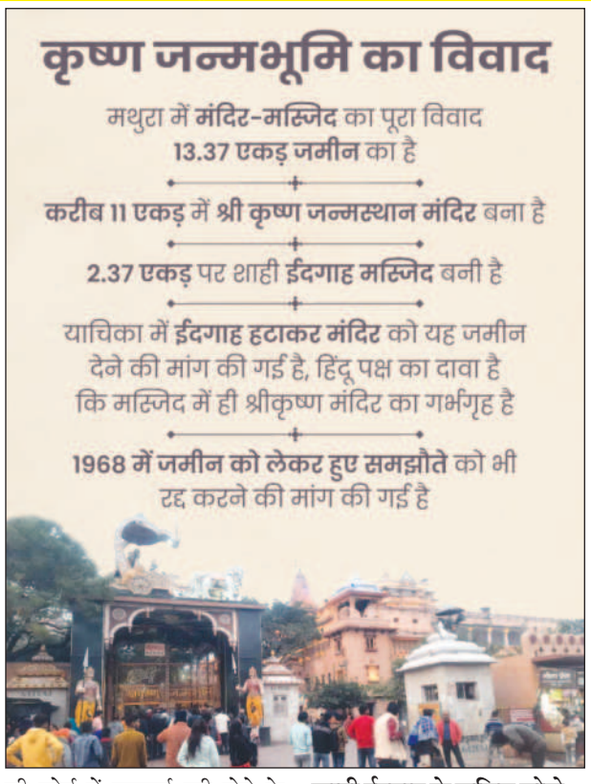

शादी ईदगाह के सचिव बोले- वादी पक्ष सुनवाई टाल रहा

15 मार्च को कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई। जिसके बाद कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाने के लिए 20 मार्च की तारीख मुकर्रर कर दी थी। शाही ईदगाह के सचिव और वकील तनवीर अहमद ने बताया कि वादी पक्ष लगातार अलग-अलग प्रार्थना पत्र देकर सुनवाई को टाल रहा है। निचली अदालत ने जब तय कर दिया कि 25 जुलाई 2022 से इस मामले की डे टू डे सुनवाई होगी कोई भी पक्ष स्थगन प्रार्थना पत्र नहीं देगा इसके बावजूद पहले दिन ही वादी पक्ष ने इसमें स्थगन प्रार्थना पत्र दिया। मुस्लिम पक्ष का कहना है कि पहले केस सुनने योग्य है या नहीं, इसकी सुनवाई हो।

रिवीजन दावे में शाही ईदगाह के सर्वे की रखी थी मांग

अदालत में दायर किए गए वाद में वादी वकील महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड हमेशा इस मामले को टालने की कोशिश में रहता है। लास्ट मिनट में वह आते हैं ,रिपिट बातों को कहते हैं। इस मामले में कोर्ट ने पार्ट हर्ट ऑर्डर कर दिया है। इसमें सोमवार को कोर्ट ऑर्डर देगी।

पटना रेलवे स्टेशन पर तीन मिनट तक चला अश्लील वीडियो

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। पटना रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का इंतजार कर रहे सैकड़ों यात्रियों को उस समय अजीब स्थिति का सामना करना पड़ा जब तीन मिनट तक सभी टीवी स्क्रीन पर अश्लील वीडियो चलने लगा। ये वीडियो स्टेशन के सभी प्लेटफार्म पर तीन मिनट तक चला। घटना रविवार रात की है।

वीडियो और फिल्मों के प्रसारण का ठेका एक निजी कंपनी को दिया गया है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारियों ने तुरंत उनसे संपर्क किया और प्रसारण बंद करवाया। घटना की पुष्टि करते हुए दानापुर स्थित डीआरएम कार्यालय के आधिकारिक प्रवक्ता प्रभात कुमार ने कहा, हमने घटना की जांच शुरू कर दी है और ठेका रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। हमने कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है.. इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। हम इस कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर देंगे।

एमएलए इरफान : आदमी नहीं जानवर हैं हम

> पूछने पर कहा-पेशाब तक नहीं करने देते ये लोग
> पत्नी बोली-20 केजी वजन कम हुआ

कानपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। सपा विधायक इरफान सोलंकी को सोमवार सुबह 10 बजे कानपुर कोर्ट में पेश किया गया। परिसर में पुलिस की गाड़ी से उतरे इरफान काफी थके नजर आए। समर्थकों को देखकर उन्होंने हाथ हिलाया। फिर मीडियाकर्मियों के सवाल पर कहा, आदमी नहीं जानवर हैं हम..ये बात याद रखना। ऐसा कहने की जब मीडियाकर्मियों ने वजह पूछी तो कहा, न आदमी को पेशाब करने दे रहे हैं और न कुछ करने दे रहे हैं। इसके बाद पुलिस उनको कोर्ट में लेकर चली गई।

महाराजगंज जेल से पुलिस इरफान को रात 2.30 बजे लेकर रवाना हुई थी। कानपुर में जाजमऊ डिफेंस कॉलोनी निवासी इरफान की पड़ोसी महिला बेबीनाज ने आरोप लगाया था कि 7 नवंबर, 2022 को कब्जे की नीयत से विधायक और उनके भाई रिजवान ने उनका घर फूंक दिया। वह परिवार समेत एक शादी समारोह में गईं थी। इसी मामले में उनकी सुनवाई थी। हालांकि, कोर्ट में चश्मदीद कनीज जेहरा की गवाही होनी थी, लेकिन वकीलों की हड़ताल की वजह से नहीं हो सकी। इसके बाद इरफान के वकील ने कोर्ट को एक एप्लिकेशन दी। कहा कि बार-बार महाराजगंज जेल से आने में इरफान को परेशानी हो रही है। कुछ दिन बाद रमजान शुरू होने वाला है। इरफान रोजा रखते हैं। ऐसे में उन्हें फिजिकल प्रेजेंस से छूट दी जाए और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुकदमों में सुनवाई हो। वकील की माने तो कोर्ट ने उन्हें आश्वस्त किया है कि उनकी इस एप्लिकेशन पर विचार करते हुए इजाजत दी जा सकती है।

इरफान बोले-ऊपर वाला है, इंसाफ अभी जिंदा है

कोर्ट से बाहर निकलकर इरफान ने कहा- सब जानते हैं कि मेरे ऊपर लगाए गए मुकदमे सही हैं या फर्जी? ऊपर वाला है। इंसाफ अभी जिंदा है। अखिलेश यादव उनके साथ हैं। वह परिवार का हिस्सा हैं। वहीं, पेशी पर आए इरफान के भाई रिजवान सोलंकी ने कहा कि मां की दुआ उनके साथ है और उन्हें न्याय मिलेगा।

केशव मौर्य के बयान से सरकार की मंशा साफ

डिप्टी सीएम केशव मौर्य के बयान पर इरफान ने कहा- मेरे इस्तीफे के बयान से सरकार की मंशा साफ हो गई है। दरअसल, इरफान ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा था कि मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। लेकिन मुझे और परिवार को परेशान न किया जाए। इसके बाद केशव मौर्य ने कहा था कि इरफान चाहे, तो अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को सौंप सकते हैं।

हाजी याकूब की 31 करोड़ 70 लाख की संपत्ति जल्द होगी जब्त, 32 वाहन भी हैं शामिल

मेरठ, 20 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री हाजी याकूब कुरैशी की 31 करोड़ से भी ज्यादा रुपये की संपत्ति जब्त करने की तैयारी पुलिस ने कर ली है। संपत्ति का आंकलन पीडब्लूडी की रिपोर्ट पर हुआ है। जिले में 26 जगह याकूब की संपत्ति मिली है। इसमें 12 वाहनों को जब्त कर लिया गया है। 31 मार्च 2022 को हाजी याकूब की फैक्टरी पर पुलिस ने छापा मारा था। इसमें याकूब, उनकी पत्नी संजीदा बेगम, बेटे फिरोज, इमरान सहित 17 को नामजद किया गया था। नवंबर 2022 में याकूब परिवार पर गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया था। सीओ किठौर रुपाली राय गैंगस्टर के तहत याकूब की संपत्ति जब्त करने के लिए चिह्नित की जा रही थी। इसमें याकूब का हापुड़ रोड स्थित स्कूल, अस्पताल, मीट फैक्टरी, प्लॉट, सराय बहलीम स्थित दो मकान समेत अन्य जगहों पर संपत्ति बताई गई है। सीओ किठौर का कहना है कि सभी विभागों से रिपोर्ट आ गई है। जल्द ही जब्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने एक वीडियो जारी करते हुए बताया कि थाना खरखौदा में मीट फैक्टरी के अंदर अवैध रूप से मीट की पैकेजिंग के मामले में पूर्व मंत्री हाजी याकूब की 31 करोड़ 70 लाख की संपत्ति को चिन्हित कर लिया गया है। इसमें 32 दोपहिया व चार पहिया वाहन भी शामिल हैं। जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेज दी गई है। जल्द ही इस चल व अचल संपत्ति के जब्तीकरण की कार्रवाई को किया जाएगा।

ज्ञानवापी के सभी मामलों की सुनवाई एक साथ होगी या नहीं? अब 22 को आएगा कोर्ट का आदेश

वाराणसी, 20 मार्च (एजेंसियां)। वाराणसी के बहुचर्चित ज्ञानवापी परिसर से जुड़े सभी मामलों की सुनवाई एक साथ होगी या नहीं, इस मामले में कोर्ट का आदेश 22 मार्च को आएगा। सोमवार को आदेश तैयार नहीं होने के कारण सुनवाई की अगली तिथि 22 मार्च तय हुई। सभी मामलों की सुनवाई एक साथ किए जाने की मांग वाली याचिकाओं पर जिला जज डॉ अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में सुनवाई पूरी हो चुकी है। कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पत्रावली सुरक्षित कर ली थी और फैसला सुनाने की पहले एक मार्च, फिर 13 मार्च की तिथि नियत की थी। हालांकि 13 मार्च को भी आदेश नहीं आ सका था। उस दिन अदालत ने आदेश के लिए 20 मार्च की तिथि तय की थी।

यूपी को केंद्र की मदद वाली योजनाओं में मिली पहले से ज्यादा रकम

फरवरी तक 37703 करोड़ मिले

लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) में चालू वित्त वर्ष में फरवरी तक पहले के मुकाबले 1251 करोड़ रुपये अधिक मिले हैं। वित्त विभाग ने अधिकाधिक केंद्रांश हासिल करने के लिए खास रणनीति बनाई है। इस बाबत सभी विभागों के लिए जरूरी निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। वर्ष 2022-23 में 28 फरवरी तक सीएसएस में यूपी को 37703 करोड़ रुपये मिल चुके हैं जबकि, वित्त वर्ष 2021-22 में यह राशि 36452 करोड़ रुपये ही थी।

केंद्र सरकार की मदद से नगर विकास, ग्राम्य विकास, पंचायतीराज, पीडब्ल्यूडी, समाज कल्याण, पर्यटन और सिंचाई समेत तमाम विभागों में विकासपरक योजनाएं चल रही हैं। अपर मुख्य सचिव, वित्त प्रशांत त्रिवेदी ने अगले वित्त वर्ष में भी इन योजनाओं में अधिक से अधिक केंद्रांश हासिल करने के लिए जरूरी निर्देश जारी कर दिए हैं।

इसके अनुसार, केंद्रांश प्राप्त होने की प्रत्याशा में भी वित्त विभाग की सहमति लेकर राशि जारी हो सकेगी, जिसे उस योजना के एसएनए (सिंगल नोडल अकाउंट) में रखा जाएगा। केंद्रांश प्राप्त करने के लिए प्रशासकीय विभाग प्रभावी कार्यवाही करेंगे। इस संबंध में अपने प्रयासों और उपलब्धियों से प्रत्येक माह की अंतिम तिथि को वित्त विभाग को अवगत कराएंगे।

मुख्यमंत्री योगी का निर्देश

अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से नुकसान का आकलन कर जल्द मुआवजा वितरित करें

लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में हो रही बारिश, अतिवृष्टि और ओलावृष्टि के कारण हुई जनहानि, पशुहानि और फसलों के नुकसान का आकलन कराकर मुआवजा वितरित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि अधिकारी राहत वितरण का कार्य जल्द से शुरू करें। उन्होंने अफसरों से फील्ड में भ्रमण कर लोगों की समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने राहत आयुक्त एवं प्रमुख सचिव नगर विकास के अधिकारियों को फील्ड में सर्वे करने एवं समस्याओं के तत्काल निस्तारण करने का निर्देश दिया।

बिजली फाल्ट खोजने वाली लोकेटर मशीन के डेमो के दौरान धमाका

बाल-बाल बचे वनमंत्री और अधिकारी

बरेली, 20 मार्च (एजेंसियां)। बरेली में वनमंत्री डॉ अरुण कुमार सोमवार दोपहर करीब 12 बजे बिजली फाल्ट खोजने वाली लोकेटर मशीन को हरी झंडी दिखाने पहुंचे। मशीन को रवाना करने के बाद वह कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, डीएम शिवाकांत द्विवेदी और नगर आयुक्त निधि गुप्ता वत्स के साथ डेमो देख रहे थे, तभी मशीन में जोरदार धमाका हो गया। इससे मौके पर मौजूद वनमंत्री, कमिश्नर, डीएम और नगर आयुक्त समेत तमाम अधिकारी बाल-बाल बच गए। धमाका होने से अफरातफरी मच गई। घटना में लाइनमैन गंभीर रूप से झुलस गया। उसे तुरंत अस्पताल भिजवाया गया। एक अन्य व्यक्ति के भी चोटें आई हैं।

रामपुर गार्ड के बिजली घर की घटना

जानकारी के मुताबिक रामपुर गार्डन स्थित बिजली घर में वनमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार, कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, डीएम शिवाकांत द्विवेदी, नगर आयुक्त निधि गुप्ता वत्स, बिजली विभाग के मुख्य अभियंता आरके शर्मा आदि अधिकारी आधुनिक सुविधाओं से युक्त फाल्ट लोकेटर मशीन का डेमो देख रहे थे। उसी दौरान लोकेटर मशीन में तकनीकी फाल्ट से तेज धमाका हुआ। घटना के दौरान वायर पकड़कर काम कर रहा बिजली विभाग का लाइनमैन विजेंद्र गंभीर रूप से झुलस गया है, जबकि वन मंत्री के साथ आए प्रदीप को भी चोट आई है। इससे मौके पर खलबली मच गई। गंभीर रूप से झुलसे लाइनमैन को तत्काल अस्पताल भेजा गया। मामले में जांच के निर्देश दे दिए गए हैं। हादसे के बाद अधिकारी मशीन का डेमो देखे बिना ही वापस लौट गए।

अतीक अहमद की पत्नी व बेटों को गिरोह के सदस्यों के रूप में किया जाएगा नामित

प्रयागराज, 20 मार्च (एजेंसियां)। माफिया से नेता बने अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और उनके तीन बेटों को अब पुलिस रिकॉर्ड में आईएस-227 के सदस्य रूप में दर्ज किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक शाइस्ता परवीन पुलिस रिकॉर्ड में इस गिरोह की सदस्य के तौर पर शामिल होने वाली पहली महिला होंगी। बसपा शासन के दौरान प्रयागराज पुलिस ने अतीक के गिरोह का चार्ट तैयार कर उसे आईएस-227 नाम दिया था। अधिकारियों ने कहा, पुलिस जांच में आपराधिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय संलिप्तता का पता चला है और इसलिए उनके खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी। यह पहली बार होगा जब किसी राजनीतिक माफिया का पूरा परिवार अंतरराज्यीय गिरोह की सूची में शामिल होगा।

अब तक, अतीक का छोटे भाई पूर्व विधायक खालिद अजीम उर्फ अशरफ परिवार के एकमात्र सदस्य था, जिसे आईएस -227 गिरोह के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। शाइस्ता परवीन पर 24 फरवरी को प्रयागराज में वकील उमेश पाल की हत्या समेत चार मामले दर्ज हैं। शाइस्ता फरार है और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। उमेश पाल को गोली मारने वाले शूटरों में अतीक के तीसरे बेटे असद का नाम शामिल है। असद समेत सभी हमलावरों पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है। अतीक के दो बड़े बेटे उमर और अली अलग-अलग अपराधों में पहले से ही लखनऊ और नैनी जेल में बंद हैं।

अतीक के बेटे असद की आगरा में मिली लोकेशन

तलाश में ताबड़तोड़ दबिशें; चार संदिग्ध गिरफ्तार

आगरा, 20 मार्च (एजेंसियां)। माफिया अतीक के बेटे असद और शूटरों की तलाश जारी है। इनपुट है कि पांच-पांच लाख के इनामी शूटरों की लोकेशन पश्चिमी यूपी में मिल रही है। एसटीएफ और एटीएस टीम आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही हैं। वहीं ताजा जानकारी के अनुसार असद की तलाश के लिए एजेंसियों ने आगरा में डेरा डाल दिया है। प्रयागराज में गवाह उमेश पाल की हत्या में अतीक के बेटे असद सहित कई शूटर नामजद हैं। फरार नामजद आरोपियों की तलाश में प्रदेशभर में दबिश चल रही है। अब एसटीएफ और एटीएस टीम आगरा भी पहुंच गई हैं। ताबड़तोड़ छापेमारी चल रही है। फतेहपुर सीकरी से लेकर राजस्थान बॉर्डर तक तलाश की जा रही है। प्रयागराज पुलिस और एसटीएफ की टीमें सर्च ऑपरेशन में लगी हुई है। सूत्रों की मानें तो जांच एजेंसियां अतीक के बेटे असद के करीब पहुंच गई हैं। बताया गया है कि फतेहपुर सीकरी के कहरई से चार संदिग्धों को जांच एजेंसी के अधिकारी पकड़ कर ले गए हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है।

सहारनपुर में किशोरी ने छेड़छाड़ से आहत होकर जहर खाया, हुई मौत

सहारनपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के थाना जनकपुरी अंतर्गत एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की गई जिससे आहत होकर लड़की ने जहर खा कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) अभिमन्यु मांगलिक ने कहा कि एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के संबंध में पीड़िता के पिता से शिकायत प्राप्त हुई थी। शुरूआती पूछताछ में पीड़िता के पिता ने पुलिस को बताया कि, आरोपी युवक उनके ही पड़ोस का रहने वाला है, जो आए दिन किशोरी के साथ छेड़खानी करता था। युवक पीड़िता को काफी परेशान कर रहा था, जिसका किशोरी ने कई बार विरोध किया, लेकिन आरोपी युवक नहीं माना। तंग आकर लड़की ने शनिवार को जहर खा लिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

जमुई में थानेदार को फेसबुक लाइव पर धमकी

औकात में रहो, नहीं तो जान से मार देंगे; पुलिस ने किया गिरफ्तार

जमुई, 20 मार्च (एजेंसियां)। जमुई जिले के खैरा थानाध्यक्ष को अपराधी ने फेसबुक लाइव कर जान से मारने की धमकी दिया है। कहा औकात में रहो नही तो जान से मार देंगे।एक अपराधिक किस्म के युवक ने खैरा थानाध्यक्ष को ही जान से मारने की धमकी दे दी।

युवक फेसबुक लाइव कर थानेदार को खुला चैलेंज देते हुए औकात में रहने की धमकी भी दे दिया और जातिसूचक शब्दों का भी खूब इस्तेमाल किया गया और जमकर गाली गलौज भी किया। मामला जमुई के खैरा थाना क्षेत्र का है। जहां थानाध्यक्ष के पद पर इंस्पेक्टर सिद्धेश्वर पासवान पदस्थापित हैं।जिन्हें जान से मारने की धमकी मिली है। हालांकि पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी युवक से पूछताछ कर रही है।

ईंट भट्ठे में दीवार गिरी, 4 मजदूरों की मौत

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के पटना जिले के मनेर थाना क्षेत्र में सोमवार को एक ईंट भट्ठे में दीवार गिरने से काम कर रहे आठ मजदूर दब गए। इस घटना में चार मजदूरों की मौत हो गई जबकि चार मजदूर घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, दरवेशपुर गांव स्थित एक चिमनी ईंट भट्ठे में अन्य दिनों की भांति कुछ मजदूर एक कच्ची दीवार के सटे काम कर रहे थे। इसी दौरान दीवार भरभरा कर गिर गई और आठ मजदूर इसके नीचे दब गए। इनमे से चार मजदूरों की मौत हो गई। सभी मृतक महिला थीं। घटना की सूचना मिलते ही मनेर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल भेज दिया गया। मनेर के थाना प्रभारी शशि रंजन ने बताया कि मृतकों की पहचान शिला देवी और धुरनी देवी, सुगंधि देवी और सिताबी देवी (गुमला, झारखंड) के रूप में की गई है। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है तथा मामले की छानबीन की जा रही है।

कुशीनगर निवर्तमान सभासद ने अपनी ही बंदूक से की खुदकुशी, परिजन हैरान

कुशीनगर, 20 मार्च (एजेंसियां)। कुशीनगर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां खड्डा कस्बे के सिविल लाइन मोहल्ला निवासी अजीत उर्फ बच्चन ने अपनी ही बंदूक से गोली मारकर जान दे दी है। युवक निर्वतमान सभासद था। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। घटना के पीछे क्या कारण है, अभी पता नहीं चल पाया है।

खड्डा कस्बे के सिविल लाइन मोहल्ला निवासी अजित सिंह उर्फ बच्चन (30) ने अपने चाचा की दो नाली बंदूक से खुद को गोली मारकर जान दे दी है। वह निवर्तमान सभासद थे। मानसिक रूप से काफी समय से तनाव में थे। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। घटना सोमवार की सुबह की है। घर में फायर की आवाज सुनकर लोग पहुंचे तो छत के ऊपर बने स्टोर रूम में वह मृत पड़े थे। वहीं पर दो नाली बंदूक पड़ी थी। अजीत अपनी पत्नी व दो बच्चों के साथ रहते थे। घटना के समय पत्नी व बच्चे पूजा करने गए थे।

परिजनों के मुताबिक, अजीत काफी समय से तनाव में (अवसादग्रस्त) थे। बताया जा रहा है कि बंदूक उनके चाचा के नाम से है। उसी से गोली मार लिए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और पूछताछ कर रही है।

बर्बरता की हदें पार : पिता ने किया था बच्ची का सौदा आरोपी दंपती ने उठने-बैठने लायक तक नहीं छोड़ा

प्रयागराज, 20 मार्च (एजेंसियां)।दंपती की बर्बरता की शिकार हुई बेटी का सौदा उसके पिता द्वारा किया गया था। दंपती ने बच्ची पर इतना जुल्म ढाया कि वह उठकर बैठ तक नहीं पा रही है। पुलिस पूछताछ कर रही है। छावनी परिषद का कहना है कि गोद लिए जाने तक बच्ची की पूरी देखभाल की जाएगी। शनिवार को छावनी अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने प्रीतम नगर निवासी अरुण सिन्हा व उसकी पत्नी अंजना को गिरफ्तार किया था। दंपती पर मासूम बच्ची को अमानवीय यातनाएं देने का आरोप था। अस्पताल में भर्ती बच्ची ने रविवार को बताया कि वह लखनऊ के चौक इलाके की रहने वाली है। मां के गुजर जाने के बाद दिहाड़ी मजदूरी करने वाले पिता रामबाबू उसका पालन पोषण करते थे। चंद रुपये की खातिर पिता ने उसे तीन अंजान लड़कों के हाथ उसे बेच दिया, जिसके बाद उसे कानपुर ले जाया गया।

बाल विवाह अभियान पर असम के सीएम बोले

बीजेपी सरकार के खिलाफ गरीबों को भड़काया जा रहा

गुवाहाटी, 20 मार्च (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि असम में बाल विवाह उन्मूलन के लिए काम कर रही भाजपा सरकार के खिलाफ गरीब लोगों को भड़काने की कोशिश एक सामंती मानसिकता कर रही है। विधानसभा में बोलते हुए सरमा ने कहा कि उनकी सरकार 2026 तक बाल विवाह उन्मूलन के लिए काम कर रही है और हर दो-तीन महीने में विशेष अभियान चलाए जाएंगे।

कांग्रेस विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ के एक सवाल के जवाब में उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा। कहा कि विपक्ष बाल विवाह अभियान के खिलाफ हैं। सरमा ने कहा कि बाल विवाह से लड़ने के लिए अगले साल के बजट में 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे और इसका एक हिस्सा अधिवक्ताओं को भुगतान करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा ताकि सजा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, एक समर्पित हेल्पलाइन, जागरूकता अभियान और पीड़ितों के पुनर्वास सहित अन्य कदम भी उठाए जाएंगे।

सरमा ने और क्या कहा?

मुख्यमंत्री हिमंता ने कहा, 'मैं किसी 22 वर्षीय लड़की को गुवाहाटी में पोस्ट-ग्रेजुएशन के लिए प्रवेश लेते हुए देखता हूं तो मुझे अच्छा लगता है, वहीं जब मैं चेंगा या बागबोर (बड़ी मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्रों) जैसे स्थानों पर जाता हूं, तो मुझे दो बच्चों के साथ उसी उम्र की लड़की दिखाई देती है। ये गलत है।' उन्होंने आगे कहा, 'विधायकों, डॉक्टरों और इंजीनियरों के इतने बच्चे नहीं हैं। लेकिन, जब सरकार इन युवा लड़कियों को बचाने के लिए गरीबों के लिए कुछ करने की कोशिश करती है, तो वे लोगों को भड़काते हैं कि भाजपा उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रही है।' सरमा ने कहा, यह सामंती मानसिकता है जो अपने लिए जीवन का एक तरीका और गरीब लोगों के लिए दूसरा रास्ता तलाशती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ अभियान कानून के तहत चलाया जा रहा है और इसलिए अदालत आरोपी को जमानत नहीं दे रही है। कांग्रेस विधायक पुरकायस्थ ने इसपर सवाल किया।

उन्होंने पूछा कि पुलिस यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो) के तहत मामलों को कैसे साबित करेगी? क्योंकि पीड़िता अपने पति या माता-पिता के खिलाफ गवाही देने को तैयार नहीं हो सकती हैं? इसका जवाब देते हुए सरमा ने कहा कि यह स्थापित करने में कोई समस्या नहीं होगी। विवाह से संतान होने पर अपराध। उन्होंने कहा कि अगर बच्चा नहीं है तो समस्या हो सकती है। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि 90 फीसदी मामलों में दोषसिद्धि हो जाएगी।

कृषि मंत्री से मीटिंग के बाद किसानों की महापंचायत खत्म

तोमर के सामने एमएसपी समेत कई मांगें रखीं, किसान मोर्चा ने 30 अप्रैल को फिर बैठक बुलाई

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के रामलीला मैदान में सोमवार को संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) की ओर से बुलाई गई महापंचायत खत्म हो गई है। दोपहर को मोर्चे के 15 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने कृषि भवन में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की।

यहां किसानों ने कृषि मंत्री को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), कर्ज माफी जैसी मांगों का पत्र सौंपा। एसकेएम ने कहा कि अगर सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानीं तो उन्हें फिर आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

उधर, एसकेएम ने 30 अप्रैल को दिल्ली में एक और बैठक बुलाई है। संयुक्त किसान मोर्चा के कार्यकर्ता केंद्र सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगा रहे हैं।

उनका कहना है कि सरकार ने उत्पादन की कुल लागत पर 50% एमएसपी लागू करने का लिखित आश्वासन दिया था। कमेटी बनाई थी, उसमें 26 पक्ष में थे। ऐसे में किसान इस इसके लिए सरकार ने जो सदस्य इंडस्ट्रियल घरानों के कमेटी का भी विरोध कर रहे हैं।

महापंचायत में 32 किसान संगठन शामिल हुए

किसान नेता राकेश टिकैत ने बताया कि इस महापंचायत में 32 किसान संगठन शामिल हुए। महापंचायत से पहले किसानों ने कहा था कि हमारा आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार हमारी मांगें पूरी नहीं कर देती। उन्होंने बताया कि सरकार ने हमने से जो वादे किए थे, वो अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। सरकार किसानों को दोबारा आंदोलन करने के लिए मजबूर कर रही है। बता दें कि किसान कर्ज माफी, 5000 रुपए की हर महीने पेंशन, सिंचाई के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली और एमएसपी की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही किसान आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज हुए मामले वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

'थलाइवा' की बेटी ऐश्वर्या का लॉकर साफ

3.60 लाख की ज्वेलरी लेकर चोर चंपत, जांच जारी

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। मेगास्टार रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत के सोने और हीरे के आभूषण कथित तौर पर उनके घर के लॉकर से चोरी हो गए हैं। चोरी के बारे में जानकारी होने पर ऐश्वर्या ने पिछले महीने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि 3.60 लाख रुपये मूल्य के सोने और हीरे के आभूषण चोरी हो गए। इस मामले में ऐश्वर्या ने तेयनामपेट पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

अपनी शिकायत में, ऐश्वर्या ने कहा कि उन्होंने आखिरी बार 2019 में अपनी बहन सौंदर्या की शादी के लिए आभूषण पहने थे। चोरी हुए आभूषण में डायमंड सेट, पुरानी सोने की ज्वैलरी, नवरत्न सेट, हार और चूड़ियां शामिल हैं। बहन की शादी में आभूषणों को पहनने के बाद तब एक लॉकर में रखा गया था। लेकिन जब 10 फरवरी को देखा तो आभूषण वहां नहीं थे। ऐश्वर्या ने बताया कि बहन की शादी के बाद तीन बार स्थानांतरित किया गया था। अगस्त 2021 तक लॉकर सेंट मैरी रोड अपार्टमेंट में था। जिसके बाद सीआईटी कॉलोनी में उसे शिफ्ट किया गया। जहां ऐश्वर्या धनुष के रहीं। इसके बाद अप्रैल 2022 में रजनीकांत के पोइस गार्डन स्थित आवास में शिफ्ट किया गया। जानकारी के मुताबिक, फरवरी में जब ऐश्वर्या द्वारा लॉकर खोला गया तो वह चौंक गईं, क्योंकि आभूषण गायब थे। जिसके बाद उन्होंने घर के कुछ नौकरों पर शक जताते हुए तेयनामपेट पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। तेयनामपेट पुलिस ने आईपीसी की धारा 381 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरु कर दी है।

केरल हाईकोर्ट से एलडीएफ विधायक को झटका

सदस्यता खत्म की, फिर से होगा चुनाव

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट से सत्ताधारी एलडीएफ विधायक ए राजा को झटका लग गया है। कोर्ट ने ए राजा की सदस्यता खत्म कर दी है। ए राजा इडुक्की में देवीकुलम निर्वाचन क्षेत्र से 2021 में विधायक चुने गए थे।

राजा के खिलाफ यूडीएफ उम्मीदवार डी कुमार ने याचिका दायर की थी। आरोप लगाया था कि एलडीएफ विधायक ए राजा ईसाई हैं और उन्होंने चुनावी हलफनामा में गलत जानकारी देकर अनुसूचित जाति की सीट से चुनाव लड़ा। कोर्ट ने डी कुमार के इस तर्क को स्वीकार करते हुए ए राजा के चुनाव को रद्द कर दिया।

केंद्र ने सांसद का ट्विटर अकाउंट किया सस्पेंड

खालिस्तान समर्थक हैं सिमरनजीत मान-अमृतपाल के एनकाउंटर की आशंका जताई थी

अमृतसर, 20 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में वारिस पंजाब दे के जत्थेदार अमृतपाल सिंह के खिलाफ चल रही कार्रवाई पर केंद्र पूरी तरह से नजर रखे हुए है। तीन दिन से चल रही कार्रवाई के दौरान जहां अमृतपाल सिंह के समर्थकों की धरपकड़ जारी है, वहीं उसके समर्थकों के सोशल मीडिया अकाउंट भी लगातार बैन किए जा रहे हैं। इसी कार्रवाई के बीच अब भारत सरकार ने एक सांसद का ट्विटर अकाउंट सस्पेंड कर दिया है।

केंद्र सरकार ने यह कार्रवाई अमृतपाल सिंह व खालिस्तान समर्थक और संगरूर से सांसद सिमरनजीत सिंह मान के खिलाफ की है। केंद्र सरकार ने सिमरनजीत सिंह मान का ट्विटर अकाउंट SimranjeetSada को सस्पेंड कर दिया है। वहीं, उनकी पार्टी का अकाउंट Shiromani Akali Dal (अमृतसर) अभी भी चल रहा है। गौरतलब है कि खालिस्तान समर्थक सिमरनजीत सिंह शुरू से ही अमृतपाल सिंह का खुले तौर पर समर्थन करते आए हैं।

एनकाउंटर की आशंका जाहिर की थी

अमृतपाल सिंह के खिलाफ अभियान के बाद जब जालंधर पुलिस कमिश्नर की तरफ से भगोड़ा कहा गया तो सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने ही एनकाउंटर की आशंका जाहिर की थी। सिमरनजीत मान ने कहा - मुझे डर है कि उनका (अमृतपाल सिंह) एनकाउंटर ना कर दें। कल तक इन्हें मजिस्ट्रेट के सामने प्रोड्यूस करना पड़ेगा। अन्यथा समझेंगे कि किसी एनकाउंटर में इनका नाश कर दिया गया। अगर ऐसा हुआ तो वर्ल्ड वाइड सिखों में बहुत बड़ा बखेड़ा खड़ा हो जाएगा। जिम्मेदार सांसद होने के नाते मैं स्टेट को सुझाव देता हूं कि ऐसा कदम ना उठाएं, जिससे उनका (सरकार) नाश हो जाए।

गर्मख्याली हैं सिमरनजीत सिंह मान

बीते साल ही सिमरनजीत सिंह मान ने संगरूर लोकसभा उपचुनावों में जीत हासिल की थी। मान का जन्म 1945 में अविभाजित पंजाब के शिमला में हुआ था। उनके पिता लेफ्टिनेंट कर्नल जोगिंदर सिंह मान 1967 में पंजाब विधानसभा के स्पीकर रह चुके हैं। मान पूर्व पुलिस अफसर रह चुके हैं। 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। वे पांच साल जेल में भी रहे। 1989 में सबसे पहले तरनतारन से लोकसभा चुनाव जीता था। उस समय उनकी जीत देश में सबसे बड़ी जीत थी। उस समय तरनतारन को खालिस्तानियों का गढ़ माना जाता था।

मान की पत्नी परनीत कौर की बहन

सांसद सिमरनजीत सिंह मान की पत्नी का नाम गीतिंदर कौर मान है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर और गीतिंदर कौर दोनों बहनें हैं। 1994 में श्री अकाल तख्त के तत्कालीन जत्थेदार मंजीत सिंह के कहने पर सिमरनजीत सिंह मान ने अकाली दल अमृतसर का गठन किया था।

उमेश मर्डर में शामिल शूटर के घर पर बुलडोजर चला

हत्या के वक्त दुकान में खड़ा था मोहम्मद गुलाम, उमेश पर दूसरी गोली दागी थी

प्रयागराज, 20 मार्च (एजेंसियां)। प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड के शूटर मोहम्मद गुलाम का घर सोमवार को बुलडोजर से ढहा दिया गया। घर के साथ उसके 10 कमरे वाले लॉज को भी ढहा दिया गया। गुलाम इन कमरों को स्टूडेंट्स को किराए पर देता था। दोपहर 12:20 बजे बुलडोजर चलना शुरू हुआ, 1:30 बजे तक घर और लॉज जमींदोज हो गया।

गुलाम पर 5 लाख रुपए का इनाम है। गुलाम उमेश पाल शूटआउट के समय दुकान में सिर पर टोपी पहनकर खड़ा था। उसने दुकान से निकलकर उमेश पर दूसरा फायर किया था। पहला फायर विजय चौधरी उर्फ उस्मान ने किया था। इस मामले में गुलाम, अतीक का बेटा असद, मुस्लिम गुड्डू, साबिर और अरमान अभी भी फरार हैं। घर ढहाने का आदेश 13 मार्च को जारी किए गए, कीमत 2 करोड़

शूटर गुलाम का घर तेलियरगंज के रसूलाबाद घाट रोड पर है, जो लगभग 335 वर्गमीटर में बना है। इसकी कीमत 2 करोड़ रुपए आंकी गई है। गुलाम का मकान बिना नक्शा पास करवाए सरकारी जमीन पर बना है। पीडीए ने अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण का आदेश 13 मार्च को जारी किए थे। मां बोली-गुलाम का एनकाउंटर हो जाए, तो लाश लेने नहीं आऊंगी

गुलाम की मां खुशनुदा ने शूटर की तस्वीर देखकर कहा कि गुलाम मेरा बेटा है। उसने जिसे मारा, वह भी किसी का बेटा था। अगर पुलिस बेटे का एनकाउंटर कर दे, तो मैं उसकी लाश लेने नहीं आऊंगी। मुझे बहुत अफसोस है कि उमेश पाल हत्याकांड में मेरे बेटे का नाम सामने आया है। मां का कहना है कि सरकार अगर घर न गिराती, तो अच्छा रहता। गुलाम से हमारा सीधे तौर पर कोई संबंध नहीं रह गया है। घर गिराने से परिवार के सभी सदस्य प्रभावित होंगे।

अब तक तीन आरोपियों के घर जमींदोज

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने उमेश पाल शूटआउट में अब तक तीन आरोपियों के घर जमींदोज कर दिए हैं। जिन तीन आरोपियों के घर पर बुलडोजर एक्शन हुआ है, उनमें चकिया स्थित वह घर भी शामिल है, जिसमें अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन अपने परिवार के साथ रहा करती थी। चकिया स्थित इस घर को पीडीए ने 1 मार्च को गिराया था। यह घर जफर अहमद के नाम पर था, जिसे अतीक अहमद की बेनामी संपत्ति के तौर पर पेश किया गया था।

डीसी ऑफिस में अजान

भाजपा विधायक ईश्वरप्पा ने इसे 'देशद्रोह का कृत्य' करार दिया

शिवमोग्गा, 20 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी विधायक और कर्नाटक के पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा ने शिवमोग्गा जिले में जिला आयुक्त कार्यालय के परिसर में एक मुस्लिम युवक द्वारा 'अजान' करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सोमवार को इसे 'देशद्रोह का कार्य' बताते हुए एक नया विवाद खड़ा कर दिया। मीडिया से बात करते हुए ईश्वरप्पा ने कहा कि अजान करने वाला युवक सोशलिस्ट डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने युवक के खिलाफ आईपीसी की धारा 107 के तहत मामला दर्ज कर जमानत दे दी थी।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ और रुद्रप्रयाग में महसूस किए गए भूकंप के झटके

पिथौरागढ़। उत्तराखंड में जहां एक ओर तेज बारिश का दौर जारी है, वहीं प्रदेश में बीते कई दिनों से लगातार भूकंप के झटकों से देवभूमि की धरती डोल रही है। आज एक बार फिर उत्तराखंड के सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में सोमवार सुबह साढ़े पांच बजे आये भूकंप से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आये। फिलहाल किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

नेशनल सीस्मोलोजी सेंटर के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र पिथौरागढ़ से 40 किमी दूर जमीन के पांच किमी नीचे था। वहीं दूसरी तरफ रुद्रप्रयाग में भी बीती शाम भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों से रुद्रप्रयाग के लोग दहशत में आ गए और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप की तीव्रता नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार 2.1 रही। हालांकि यहां भी भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। आपको बता दें कि, उत्तराखंड में लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। इससे पहले बीते दिनों उत्तरकाशी में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उत्तरकाशी में आधी रात को एक के बाद एक भूकंप के पांच झटकों से लोग दहशत में आ गए थे। हालांकि भूकंप की तीव्रता कम होने से कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। वहीं प्रशासन ने लाउडस्पीकर से लोगों को सुरक्षित स्थानों में शरण लेने की अपील की। लेकिन भूकंप के पांच झटकों ने लोगों को हिलाकर रख दिया और लोग बचने के लिए सुरक्षित जगहों की ओर भागने लगे। आपको याद होगा कि, साल 1991 में उत्तरकाशी और साल 1999 में चमोली में 7 मैग्नीट्यूड की तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी तबाही के निशान आज भी लोगों के दिलों में ताजा हैं। उत्तरकाशी में करीब 768 लोगों की मौत हुई थी, साथ ही पांच हजार से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस आपदा में बीस हजार से ज्यादा लोगों के घरों को क्षति पहुंची थी।

देश में ही बनें हवाई क्षेत्र के उत्पाद : सिंधिया

छह साल में दोगुने हुए हवाई यात्री

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को अपने एक बयान में कहा कि समय आ गया है जब देश में ही एयरोस्पेस उत्पादों का निर्माण होना चाहिए। सिंधिया ने बताया देश में एविएशन सेक्टर तेजी से विकास कर रहा है।

उन्होंने दावा किया कि आने वाले पांच से सात सालों में ही घरेलू एयरलाइंस के पास करीब दो हजार विमानों का बेड़ा होगा। ऐसे में अब देश को एयरोस्पेस उत्पादों के निर्माण के बारे में भी सोचना चाहिए। एविएशन कंसल्टेंसी सीएपीए ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इसी कार्यक्रम में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी शिरकत की। इसी दौरान उन्होंने कहा कि हमें देश में सिविल एविएशन के लिए इकोसिस्टम को बढ़ाने की जरूरत है। सिंधिया ने कहा कि इस साल के अंत तक देश में 15 फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (एफटीओ) स्थापित हो जाएंगी, जिसके बाद देश में एफटीओ की संख्या बढ़कर 50 हो जाएगी।

छह साल में दोगुने हुए हवाई यात्री सिंधिया ने कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि देश में बीते छह सालों में हवाई यात्रियों की संख्या बढ़कर लगभग दोगुनी हो गई है। उड़ान कार्यक्रम के तहत देश में 74 एयरपोर्ट्स का निर्माण किया गया है और 26 और एयरपोर्ट्स का निर्माण किया जाना है, जिसके बाद देश में कुल एयरपोर्ट्स की संख्या बढ़कर 100 हो जाएगी।

छोटे शहरों के लिए भी हवाई सेवा शुरू की जाएगी और इसके लिए छोटे विमानों की योजना पेश की गई है। देश के एविएशन सेक्टर में मेंटिनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल सुविधाओं का बाजार 10 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रहा है और यह 2021 तक 2 बिलियन डॉलर से ज्यादा का बाजार हो गया है। देश में चूंकि एयरक्राफ्ट की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में अब एविएशन उत्पादों को भी भारत में बनाए जाने की संभावना भी तलाशी जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची पीड़िता

फ्लाइट में दुर्व्यवहार से निपटने के लिए गाइडलाइन बनाने की मांग

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। एयर इंडिया की फ्लाइट में युवक ने जिस 72 साल की महिला पर पेशाब किया था, उसने अब सुप्रीम कोर्ट का रूख कर लिया है। पीड़िता ने कोर्ट से डीजीसीए और एयरलाइन कंपनियों को हवाई यात्रा के दौरान यात्रियों से होने वाले दुर्व्यवहार से निपटने के लिए गाइडलाइन बनाने का आदेश देने की मांग की है। पीड़िता ने ये भी दावा किया कि जिस युवक ने उनके ऊपर पेशाब किया था, उसके साथ समझौता करने का दबाव बनाया गया था। इस मामले में डीजीसीए ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

याचिका में और क्या कहा गया?

याचिका में पीड़िता ने दावा किया है कि इस घटना के बाद केबिन क्रू ने उसी सीट पर बैठने के लिए कहा जो गीली थी और जहां से पेशाब की गंध आ रही थी। ये भी आरोप लगाया कि उन्हें उस वक्त बताया गया कि पायलट इन-कमांड ने याचिकाकर्ता के लिए एक नई सीट के उपयोग को मंजूरी नहीं दी क्योंकि उस सीट पर पायलट सो रहा था। याचिका में एयरक्राफ्ट रूल्स 1937 के रूल 22 और 29 का हवाला दिया गया है। इसमें विमान में सवार किसी भी व्यक्ति द्वारा किए जाने वाले कृत्यों को प्रदान करता है, जिसमें हमला, किसी यात्री की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना या शराब का सेवन करना शामिल है, जो अन्य यात्रियों को खतरे में डाल सकता है। ऐसे मामलों से बहुत मजबूती से निपटा जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता का कहना है कि ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए डीजीसीए और विमान कंपनियों को स्पष्ट गाइडलाइन बनानी चाहिए। ऐसी घटनाओं की विधिवत रूप से विभिन्न अधिकारियों को रिपोर्ट की जाए। एफआईआर दर्ज की जाए और अपराध को स्तर 1, स्तर 2 या स्तर 3 के रूप में वर्गीकृत कर दंड और जुर्माना दिया जा सकता है।

कांग्रेस ने टीपू की मौत पर नया इतिहास गढ़ने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा की आलोचना की

बेलागवी, 20 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक कांग्रेस ने सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा नेताओं पर 'नए ऐतिहासिक चरित्र उरी गौड़ा और नन्जे गौड़ा' बनाने और यह प्रचार करने के लिए हमला किया कि उन्होंने मैसूर के पूर्व शासक टीपू सुल्तान की हत्या कर दी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, भाजपा विधायक, राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि और उच्च शिक्षा, आईटी और बीटी मंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण।नया इतिहास रच रहे हैं।"

शिवकुमार ने कहा, उरी गौड़ा और नन्जे गौड़ा के चरित्र नए बनाए गए हैं और जाति का रंग दिया गया है। वे इतिहास को विकृत कर रहे हैं जो गलत है। मैं इसकी निंदा करता हूं। मैं निर्मलानंदनाथ स्वामीजी (वोक्कालिगा पोंटिफ) से विरोध करने और बैठक बुलाने का आग्रह करता हूं। लोगों को समाज में जहर के बीज बोने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। भाजपा

द्वारा व्हाट्सएप विश्वविद्यालय में इतिहास लिखने के कृत्य की निंदा की जानी चाहिए। भगवा दल द्वारा समाज में फूट डालने की कोशिशों को रोका जाना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि इस दिशा में निर्मलंदनाथ स्वामीजी को एक सभा बुलानी चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि बैठक समझौते के लिए नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में विरोध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उरी गौड़ा और नानजे गौड़ा के पात्रों का निर्माण करके, वोक्कालिगा समुदाय का अपमान किया गया है। उन लोगों पर मामला दर्ज होना चाहिए, जो शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा नेताओं का कहना है कि मैसूर के शासक टीपू सुल्तान को अंग्रेजों ने नहीं, बल्कि वोक्कालिगा सैनिकों उरी गौड़ा और नन्जे गौड़ा ने मारा था। इस मुद्दे ने राज्य में एक विवाद को जन्म दिया है। उरी गौड़ा और नन्जे गौड़ा पर एक फिल्म बनाने का प्रयास किया गया था, बाद में घोषणा वापस ले ली गई थी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 21 मार्च- 2023

सवालों में पंजाब पुलिस ?

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को लेकर रोज गफलत भरी जानकारी देकर आखिर पंजाब पुलिस किसे गुमराह करना चाहती है। शनिवार की शाम जानकारी दी गई कि अमृतपाल पकड लिया गया है लेकिन सुबह होते ही पता चला कि वह अभी भी पकड में नहीं आया है। इसी तरह रविवार को रात करीब दस बजे जानकारी मिली कि वह पुलिस गिरफ्त में आ गया है लेकिन सुबह होते ही फिर उसके पुलिस घेरे से निकल भागने की सूचना मिली। उसका इस तरह से पुलिस की पकड से भागना कई सवाल खड़े करता है। खबरों के अनुसार पुलिस ने उसे पकड़ने का बहुत जबर्दस्त बंदोबस्त कर रखा था, पुलिस उसके पास तक पहुंचने में कामयाब भी रही। अमृतपाल के कुछ सहयोगी तो पकड़े भी गए, लेकिन वह खुद पुलिस के शिकंजे से कैसे फरार हो गया? बताया जा रहा है कि जब पुलिस उस तक पहुंचने ही वाली थी कि वह अपनी गाड़ी से निकल कर दूसरी गाड़ी में बैठा और पुलिस को चकमा देकर भागने में कामयाब रहा। इसके बावजूद पंजाब पुलिस के इस खोज अभियान की तारीफ तो बनती है कि इसमें आपरेशन में किसी तरह की हिंसा नहीं हुई है। जबकि अमृतपाल के सहयोगियों को आसानी से पकडने में कामयाबी मिली। सवाल है कि इस अभियान में जिस मुख्य व्यक्ति की तलाश थी, वह कैसे भाग निकला, अब इसका जवाब तो पुलिस को देना होगा। आरोप है कि अमृतपाल खुलेआम 'वारिस पंजाब दे' नाम का संगठन बना कर अलग खालिस्तान के लिए लोगों को उकसा रहा था। देखते ही देखते वह पंजाब में कितना प्रभावशाली हो गया इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले महीने जब उसके एक समर्थक को पुलिस ने गिरफ्तार किया तो हथियारों से लैस बड़ी संख्या में उसके समर्थकों ने अजनाला थाने पर हमला कर दिया और गिरफ्तार व्यक्ति को बाहर निकाल ले गए। देखा जाए तो अजनाला घटना से खार खाई पंजाब पुलिस अमृतपाल को गिरफ्तार करने की योजना बना रही थी, मगर उसे कामयाबी नहीं मिल पा रही थी। आखिरकार केंद्रीय गृह मंत्रालय की दखलंदाजी के बाद उसकी गिरफ्तारी की योजना बनी। आशंका थी कि अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद लोग सड़कों पर उतर कर उपद्रव कर देंगे, जिसे संभालना मुश्किल होगा, लेकिन आशंका निर्मूल साबित हुई। दरअसल, अमृतपाल गुरु ग्रंथ साहिब की आड़ लेकर अपने आंदोलन को आगे बढ़ा रहा है, इस वजह से सिख समुदाय के लोगों को भावनात्मक रूप से अपने साथ जोड़ने में कामयाब रहा। अलगाववाद के बुरे दौर से गुजर चुके पंजाब की बड़ी आबादी किसी भी रूप में फिर से अलगाववाद को सिर उठाते नहीं देखना चाहती है। इस हिसाब से अमृतपाल की गतिविधियों को किसी भी रूप में आंदोलन नहीं कहा जा सकता, वह अलगाववाद को उकसा रहा था। अब तक अमृतपाल जैसे लोग इसलिए पंजाब में इस चिनगारी को हवा देने में कामयाब होते रहे हैं कि उन पर ठीक से शिकंजा नहीं कसा जा सका। जबसे पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, तभी से अलगाववादी ताकतों ने खुल कर अपनी गतिविधियों को तेज कर दिया है। इसलिए पंजाब सरकार पर अंगुलियां उठना स्वाभाविक है। अच्छी बात है कि अमृतपाल के पचहत्तर से अधिक समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया गया है और कुछ खतरनाक माने जाने वाले समर्थकों को सुदूर पूर्वोत्तर असम की जेलों में भेज दिया गया है। पुलिस अभी और लोगों की तलाश में जुटी है। इससे 'वारिस पंजाब दे' के जरिए खालिस्तान समर्थक गतिविधियों पर लगाम कसने की योजना है। मगर जिस तरह अमृतपाल पुलिस की आंखों में धूल झोंक कर या किसी भीतरी आदमी की मदद से निकल भागने में कामयाब हुआ है, उससे पंजाब पुलिस की मुस्तैदी और खालिस्तान समर्थकों पर शिकंजा कसने के इरादे पर सवाल उठने लगा है। आम आदमी पार्टी पर खालिस्तान समर्थकों के प्रति हमदर्दी रखने के आरोप पहले से ही लगते रहे हैं। विधानसभा चुनाव के समय ही इस तरह के आरोप मढ़े जाने लगे थे। ऐसे में अगर अमृतपाल जैसे लोगों की गिरफ्तारी में किसी तरह की चूक होती है, तो सवाल उस पर भी उठेंगे। अब तो आप के मान सरकार पर जिम्मेदारी है कि वह इस मामले में अपनी पक्षधरता से कैसे निपटती है।

माता निर्मला देवी का अनुपम उपहार है सहज योग

सहज योग की प्रवर्तक परम आदरणीय माताजी निर्मला देवी का जन्म 21 मार्च 1923 को मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में, एक ईसाई परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम प्रसादराव साल्वे तथा माता का नाम कोर्नेलिया साल्वे था। निर्मला देवी के अनुसार उनका परिवार शालिवाहन राजवंश से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित था। जन्म के समय उनके निष्कलंक रूप को देखकर उन्हें 'निर्मला' नाम दिया था। बाद के वर्षों में वे अपने अनुयायियों में श्री माताजी निर्मला देवी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। उनके मातापिता ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई थी। उनके पिता के महात्मा गाँधी के साथ नजदीकी संबंध थे। वे स्वयं भी भारत की संविधान सभा के सदस्य थे तथा उन्होंने स्वतंत्र भारत के संविधान को लिखने में मदद की थी। उन्हें 14 भाषाओं का ज्ञान था। उन्होंने कुरान का मराठी भाषा में अनुवाद किया था। निर्मला देवी की माता वो प्रथम भारतीय महिला थीं जिन्हें गणित में स्नातक की ऑनर्स उपाधि प्राप्त हुई थी।

माता निर्मला का बचपन उनके नागपुर के पैतृक निवास में बीता था। युवा होने पर निर्मला देवी अपने माता पिता के साथ गाँधीजी के आश्रम में रहने लगीं। गांधीजी ने निर्मला देवी के विवेक और पांडित्य को देखकर उन्हें निरंतर प्रोत्साहन दिया। अपने माता पिता के समान निर्मला देवी ने भी स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया और, 1942 में गांधीजी के असहयोग आन्दोलन में सक्रिय भागीदारी के कारण निर्मला देवी को भी अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ जेल जाना पड़ा। माता निर्मला देवी कहती थीं कि उन्हें जन्म से ही मनुष्य के सम्पूर्ण नाड़ी तंत्र का ज्ञान था, साथ ही वो इसके उर्जा केन्द्रों से भी परिचित थीं। इस सम्पूर्ण ज्ञान को वैज्ञानिक आधार देने तथा वैज्ञानिक शब्दावली के अध्ययन हेतु उन्होंने क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, लुधियाना और बालकराम मेडिकल कॉलेज, लाहौर से आयुर्विज्ञान एवं मनोविज्ञान का अध्ययन किया था। भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति से कुछ समय पहले 1947 में, निर्मला ने चंद्रिका प्रसाद श्रीवास्तव नामक एक भारतीय प्रशासनिक अधिकारी से शादी कर ली। चंद्रिका प्रसाद श्रीवास्तव, ने बाद में लाल बहादुर शास्त्री के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान संयुक्त सचिव के रूप में कार्य किया, उन्हें इंग्लैंड की महारानी द्वारा मानद नाइटहुड भी प्रदान किया गया। निर्मला देवी की दो बेटियां, कल्पना श्रीवास्तव और साधना वर्मा हैं। 1961 में, निर्मला जी ने यूथ सोसायटी फॉर फिल्म्स की शुरुआत युवाओं में राष्ट्रीय, सामाजिक और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए की थी। वह केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की सदस्य भी रहीं। 5 मई 1970 को एक आध्यात्मिक सफलता में श्री माताजी ने समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए प्रत्येक मनुष्य के भीतर स्थित नमस्कार आध्यात्मिक ऊर्जा जिसका नाम को कुंडली है के जागरण के लिए एक तकनीक की खोज की तब से श्री माताजी ने दुनिया भर में लाखों लोगों को बिना किसी शुल्क के आत्म साक्षात्कार का भाव और सहज योग ध्यान की शिक्षा प्रदान की है । उनके साथ गो को बिना शर्त हजारों लोगों ने उनके कार्यक्रम में भाग लिया सहज योग ध्यान अब 110 से अधिक देशों में स्थापित है। - डॉ.अनिल शर्मा 'अनिल

डॉ.वैदिक की कमी को इंदौरी दिल से महसूस करते रहेंगे !

श्रवण गर्ग

इंदौर को देश के नागरिक और अप्रवासी भारतीय अलग-अलग शक्लों में जानते हैं पर मालवा का यह खूबसूरत शहर अपनी धुरी पर एक-सा ही है, सिर्फ़ तस्वीरें अलग-अलग हैं। आज की दुनिया के ज़्यादातर लोगों के लिए इंदौर की पहचान भारत के सबसे स्वच्छ शहर के तौर पर स्थापित कर दी गई है। इंदौर को कुछ ज़्यादा क़रीब से जानने का दावा करने वालों के लिए शहर पोहा ,जलेबी ,कचोरी और स्वादिष्ट नमकीन-मिष्ठान का ठिकाना है। हक़ीक़त का इंदौर ऐसा नहीं है। इंदौर से जुड़ी जिस कहानी को मैं जानता हूँ वह उस दौर की है जब होलकरों का बसाया हुआ यह शहर आज की तरह 'स्वच्छ' तो नहीं था पर तब बहुत ही 'उज्जवल' व्यक्तित्व की विभूतियों के कारण दुनिया भर में कहीं ज़्यादा मशहूर था। इंदौर की पहचान के ठिकाने तब खाने-पीने के अड्डे कम थे और वे मकान, गली-मोहल्ले, बस्तियाँ और सड़कें ज़्यादा थीं जिनसे निकलकर प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने दुनियाभर में अपनी शोहरत के डंके बजाए। वर्तमान में कुछ ऐसा हो गया है कि शहर से हस्तियों तो कम और नमकीन-मिठाइयाँ बाहर पहुँचकर ज़्यादा नाम कमा रही हैं। किसी ज़माने में शहर से निकली बड़ी-बड़ी हस्तियों के चाहे जितने नामों का मैं उल्लेख करना चाहूँ ,कई नाम फिर भी छूट ही जाएँगे। लता मंगेशकर, अमीर खाँ साहब , नारायण श्रीधर बेंद्रे, डी डी देवलालीकर , डी जे जोशी , एम एफ़ हुसैन, कर्नल सी के नायडू , महादेवी वर्मा , कैप्टन मुश्ताक़ अली, सी एस नायडू , मेजर जगदाले , विष्णु चिंचालकर, राहुल बारपुते , बाबा डिके , राजेंद्र माथुर , प्रभाष जोशी , शरद जोशी , रमेश बक्षी, डॉक्टर एस के मुखर्जी, डॉक्टर नंदलाल बोर्डिया, डॉक्टर सी एस राणावत , नाना साहब तराणेकर , जे पी चौकसे और डॉक्टर वेदप्रताप वैदिक। इंदौर के साथ पास के शहर देवास को जोड़ लें तो कुमार गंधर्व और वसुंधरा कोमकली, उज्जैन को भी जोड़ लें तो पंडित सूर्यनारायण व्यास और डॉक्टर शिवमंगल सिंह 'सुमन' और राजा भोज की नगरी धार को भी साथ ले लें तो शिल्पकार रघुनाथ कृष्ण फड़के। ये सब लोग अब नहीं हैं।

गांधीवादियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों सहित सैंकड़ो नाम छूट गए हैं। इंदौर यानी प्रतिभाओं की एक ऐसी रेलगाड़ी जिसमें कभी ख़त्म नहीं होने वाले अनंत डिब्बे हुआ करते थे। इंदौर की गुल्लक धीरे-धीरे ख़ाली हो रही है। कुछ सिक्के जैसे कि गोकुलोत्सव जी महाराज और नरेंद्र सिंह तोमर या डॉ वैदिक के कवि-मित्र सरोजकुमार अभी शहर के पास हैं। डॉक्टर वैदिक उस ख़ाली होती गुल्लक से लगातार निकलते रहने वाली आवाज़ थे। वे एक ऐसे खरे सिक्के थे जो दुनिया के चाहे जिस भी कोने में रहे , उनकी खनक इंदौर की गुल्लक से सुनाई देती रहती थी। वह खनक अब चुप हो गई है। वे तमाम लोग जो डॉ वैदिक को चाहते रहे हैं ,कभी इंदौर की यात्रा करें तो स्वच्छता के मामले में हर साल ईनाम हासिल करने वाले शहर की तलाश मत कीजियेगा। अपने वाहन से उतर कर पैदल ही आर एन टी मार्ग के नाम से प्रसिद्ध लंबी-सी सड़क के उस एक छोटे से टुकड़े पर बसी किसी ज़माने की चाल या कच्चे-पक्के मकानों की क़तार के सामने खड़े हो जाइएगा जिसकी कभी पहचान समीरमलजी के बाड़े के रूप में हुआ करती थी। दस-बारह फुट चौड़े और रेल के डिब्बे जैसे सत्तर-अस्सी फुट लंबे बिना फ़र्श वाले और टिन के पतरों से ढके एक जैसे सारे घर। सड़क पर खड़े होकर देखें तो घरों के पिछवाड़ों तक का दर्शन। सभी घरों का पिछला हिस्सा खुलता था एक बड़े से सार्वजनिक क्षेत्र में ।उस क्षेत्र के एक कोने में थे आधी ऊँचाई के टिन के दरवाजों वाले भारतीय पद्धति के कॉमन शौचालय—एक तरफ़ पुरुषों और दूसरी ओर महिलाओं के लिए। पानी बाहर से लेकर जाना पड़ता था । खुले क्षेत्र के बीच में स्थित थे पीने का पानी बर्तनों में भर कर घरों में कर ले जाने के लिए दो कॉमन नल। एक पीपल का वृक्ष, शायद एक कुआँ भी। कुछ और जोड़ना चाहें तो : गोबर से लिपी दीवारों को हरदम लांघती घरों के भीतर की दुख-सुख सारी बातचीत और लकड़ी-कोयले से सुलगते चूल्हों पर बनती सब्ज़ियों की ख़ुशबू। कुछ घरों में बिजली के एक-दो बल्ब बाक़ी में मिट्टी के तेल से घरों को रोशन करतीं चिमनियां और लालटेनें। बरसात के दिनों में टिन के पतरों की छतों के छेदों से रिसता हुआ पानी। ऐसे ही बीता था एक-दूसरे के पड़ौसी घरों में जन्म लेने वाले डॉक्टर वैदिक और हमारा बचपन। जब कभी बात होती वे देर-देर तक उस बाड़े के एक-एक व्यक्ति और चेहरे का स्मरण करके पूछते : याद है कि नहीं ? उन गुम हो चुके बाड़े के लोगों में अब वैदिक का चेहरा भी शामिल हो गया है ! मुझे उस छोटे से जुलूस की आज भी याद है जब इन्हीं घरों से सड़कों पर उतरकर नज़दीक में किबे कंपाउंड स्थित आर्यसमाजी फोटोग्राफर ख़यालीराम जी के निवास के बाहर वैदिक मित्रों के साथ जमा हुए थे । तेरह साल के वैदिक हाथ में झंडा उठाए हुए थे और हिन्दी के आंदोलन में गिरफ़्तारी देने पंजाब रवाना हो रहे थे।

हमारे बाड़े से कोई सौ-दो सौ गज़ की दूरी पर ही वह जगह थी जहां एम एफ़ हुसैन अपने प्रारंभिक दिनों में सिनेमा के पोस्टर पेंट करते थे। डेढ़-दो फ़र्लांग की दूरी पर कैप्टेन मुश्ताक़ अली का मकान था। वैदिक हम सब के कप्तान थे। फुटबॉल टीम के भी और उस ज़माने की एक मासिक पत्रिका 'अग्रवाही' के भी। वे मेरे पहले संपादक थे। दहेज और पर्दा प्रथा के विरोध को समर्पित थी वह मासिक पत्रिका।यह बात 1963-64 की है। साल 1965 में वैदिक दिल्ली के लिए रवाना हो गये थे। कहानी का सार यह है कि तब एक छोटे से शहर और मध्यमवर्गीय बनिया व्यापारी परिवार से निकल सरकारी स्कूल और क्रिश्चियन कॉलेज से पढ़ाई समाप्त कर दिल्ली पहुँचने वाले डॉ वैदिक ने बाराखंभा रोड स्थित सप्रू हाउस के अंग्रेज़ी आतंक वाले बौद्धिक संसार को हिन्दी में चुनौती दी और उनकी उस साहसपूर्ण लड़ाई में डॉक्टर लोहिया सहित उस ज़माने की तमाम राजनीतिक हस्तियों ने संसद में उनका साथ दिया। असली डॉ वैदिक वे नहीं थे जो दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के लाउंज , उसके लंच-डिनर हॉल, सार्वजनिक समारोहों या राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय गोष्ठियों में बोलते नज़र आते थे।

हाल के सालों में तो वे अपने बाहरी स्वरूपों से अलग भीतर के एकांत में ज़्यादा विचरण करने लगे थे। फ़ोन पर बातचीत में कभी-कभी पीड़ा व्यक्त कर देते थे कि कुछ करना चाहिए, कोई बड़ा आंदोलन खड़ा करना चाहिए। पूछते थे : क्या किया जा सकता है ? तुम क्यों नहीं कुछ करते ? उन्हें शायद भीतर से कोई दर्द सताता था कि उनके द्वारा जो किया जा सकता था वे वह कर नहीं पा रहे हैं ! वे तमाम लोग जो डॉ वैदिक के मित्र और शुभचिंतक रहे हैं उन्होंने शायद ही कभी महसूस किया हो कि इतनी अद्भुत प्रतिभा के धनी और राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय विषयों के ज्ञाता व्यक्ति की उपस्थिति का उपयोग किसी भी राजनीतिक सत्ता ने देश के भले के लिए क्यों नहीं किया ? क्या सत्ता के शिखरों पर बैठे तमाम लोग डॉ वैदिक की अपने बीच बौद्धिक उपस्थिति मात्र से भी ख़ौफ़ खाते थे ? शायद ऐसा ही रहा हो ! उनकी अंत्येष्टि और श्रद्धांजलि सभा में ऐसे बहुत सारे चेहरे लगभग अनुपस्थित थे जिनके साथ संबंधों का डॉ वैदिक अपने आलेखों और निजी चर्चाओं में आत्मीयता के साथ उल्लेख किया करते थे। हाँ, उनके मित्र और चाहने वाले एक बड़ी संख्या में दोनों स्थानों पर सैंकड़ों की संख्या में मौजूद थे। विनम्र श्रद्धांजलि ।

http://shravangarg1717.blogspot.com

योगी यूपी के रास्ते ही भाजपा को 2024 में सत्ता सौपेंगे

आर.के. सिन्हा

अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो अगले साल के शुरूआती के तीन महीनों के दौरान देश में लोकसभा चुनावों की हलचल को महसूस किया जाने लगेगा। सभी दल अपने घोषणापत्र को अंतिम रूप दे रहे होंगे और प्रत्याशियों के नामों पर भी अंतिम विचार चल रहा होगा। फिजाओं में लोकसभा चुनाव का पूरा माहौल बन गया होगा। दरअसल, यह चुनाव आजाद भारत का एक ऐसा चुनाव होगा जब कांग्रेस छोड़ किसी दूसरी विचारधारा की सत्ता की पारी दशकीय सीमा लांघकर एक नई तारीखी लकीर खींच सकती है। इस चुनाव के लिहाज से राज्यों की राजनीति भी गरमा रही है। पर बात करें भाजपा की तो देश के सबसे बड़े सूबे में उसकी निश्चिंतता का आलम कुछ और ही है। वैसे भी दिल्ली के सियासी गलियारों में यह बात शुरू से कही और मानी जाती रही है कि देश की सत्ता का रास्ता राम और कृष्ण के जन्म स्थान उत्तर प्रदेश से होकर ही गुजरता है। इस सूबे की सियासी धाक यह है कि इसने देश को अबतक सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री दिए हैं। आज अगर गुजरात से निकलकर देश की राजनीति का ध्रुव बनकर नरेंद्र मोदी उभरे हैं तो वे भी यहीं से दो-दो बार निर्वाचित हुए हैं। देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद के निचले सदन यानी लोकसभा के लिए 80 सांसदों को चुनकर भेजने वाले इस सूबे की सियासी अहमियत निर्विवाद है। यहां पर भाजपा का प्रदर्शन लगातार सुधर ही रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपनी जीत को दोहराया ही नहीं है, वह लगातार विपक्ष की राजनीतिक जमीन को कमजोर भी कर रही है। कभी मंडल और कमंडल की राजनीति का गढ़ रहा यह प्रदेश मंदिर का घंटा और सख्त कानून व्यवस्था का डंडा एक साथ बजा रहा है। भगवा आस्था और विकास की नई प्रयोगशाला बनकर उभरा उत्तर प्रदेश आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्ष के लिए कड़ी चुनौती पेश करेगा। उत्तर प्रदेश में विपक्ष तो पहले से ही तार-तार हो चुका दिख रहा है। बेशक, यह समझना दिलचस्प है कि हिंदी पट्टी में विपक्ष की राजनीति का केंद्र रहा उत्तर प्रदेश देश के सबसे चर्चित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में किस तरह भाजपा के अभेद्य किला के तौर पर लगातार मजबूत होता गया है।

आपको याद होगा कि 2019 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सूबे की 80 में से 64 सीटें अकेले दम पर जीत ली थीं। इसी तरह वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने अकेले दम पर कुल उत्तर प्रदेश विधान सभा की 403 सीटों में से 225 सीटें जीत कर उत्तर प्रदेश की सत्ता में धमाकेदार वापसी की। अपने सहयोगियों के साथ भाजपा की सीटों का आंकड़ा 272 तक पहुंच गया। इस जीत ने सूबे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता को एक प्रकार से प्रतिष्ठित कर दिया। राज्य की जनता ने उनके नेतृत्व पर मानों मोहर लगा दी। उसके बाद से राज्य में हुए लगभग तमाम उप चुनावों में भाजपा ने जीत ही दर्ज की है। उत्तर प्रदेश में विपक्ष के बिखराव की तस्वीर साफ है। मतों के लिहाज से प्रदेश में अपनी प्रभावी उपस्थिति रखने वाले समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के बीच सुलह की संभावना आज के दिन दूर-दूर तक नहीं दिखती। लोकदल का असर कुछ जिलों में सीमित ही है। अन्य पिछड़ा वर्ग की राजनीति करने वाले बाकी दल भाजपा के खेमे में आनंद से समय गुजार हैं। इधर, कांग्रेस का जनाधार यू. पी. में लगभग समाप्त हो चुका है। ऐसे में भाजपा के सामने प्रदेश में विपक्ष की चुनौती बेहद कमजोर है। आंकड़ों से परे जाकर, यदि यह मान भी लिया जाए कि हर चुनाव का अपना एक अलग गणित होता है, अपना एक अलग मिजाज होता है, तो भी यह चुनाव विपक्ष के लिए आसान नहीं होगा। क्योंकि, प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी की लगातार बढ़ती लोकप्रियता के अलावा, उत्तर प्रदेश में सख्त योगी की शासन शैली और उनकी भ्रष्टाचार मुक्त कार्यशैली का मॉडल लोगों के दिलों में स्थायी जगह बना चुका है। उत्तर प्रदेश में सड़कों के मजबूत जाल, एक्सप्रेस-वे की भरमार, जनकल्याण की योजनाएं, भ्रष्टाचार के खिलाफ नो टॉलरेंस की नीति और रोजगार सृजन के लिए योजनाबद्ध नीति आदि कुछ ऐसे शानदार कदम हैं, जिनके दम पर उत्तर प्रदेश आज उद्योग प्रदेश बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।यूरोप और अमेरिका हों या खाड़ी देश, हर बड़ा निवेशक जो भारत में निवेश करने को इच्छुक है, उत्तर प्रदेश उसकी पहली पसंद बन गया है। इसका बड़ा कारण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में प्रदेश में निवेशकों को मिलने वाला सुरक्षित और भ्रष्टाचार मुक्त माहौल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गत 10 फरवरी को जब यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-23 का शुभारंभ करने लखनऊ पहुंचे थे, तो उन्होंने देश और दुनिया के सामने प्रदेश की बदली छवि को प्रस्तुत करते हुए कहा था कि आज उत्तर प्रदेश आशा और प्रेरणा का स्रोत बन गया है। उन्होंने कहा था कि अब उत्तर प्रदेश की पहचान सुशासन, बेहतर कानून-व्यवस्था, शांति और स्थिरता से होती है, तो इसके पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश भर में सामाजिक और आर्थिक रूप से हो रहा बदलाव है।

इस इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से प्रदेश में रिकार्ड 31 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए। देश के जाने-माने अर्थशास्त्रियों का भी मानना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी आज भेदभाव, पक्षपात, जातिवाद और क्षेत्रवाद की सियासत से निकलकर सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए समग्र व संतुलित विकास की दिशा में अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। योगी सरकार ने हाल ही में वर्ष 2023-24 के लिए करीब 690,242.43 करोड़ रुपए का बजट पेश कर प्रदेश को नई शक्ल और नई मजबूती देने का मार्ग प्रशस्त किया है।

मर्मांतक दरिंदगी पतन की पराकाष्ठा !

मनोज कुमार अग्रवाल

इंसान जब दरिंदगी पर आता है तब उसके पतन की कोई सीमा नहीं रहती।क्या कोई चार साल की गोद ली बच्ची के साथ भी दरिंदगी कर सकता है? ऐसा बेहद शर्मनाक मामला यूपी के गाजियाबाद में सामने आया है यहां एक नरपिशाच ने ऐसा घिनौना व बर्बर अपराध किया है जिसे जानकर रूह कांप जाएगी । दो बच्चों के पिता ने एक चार साल की मासूम को उस के पिता की मौत के बाद आसरा देने के लिए बेटी की तरह अपनाने का वचन दिया लेकिन चार साल की मासूम की बेबसी लाचारी और बेसहारा होने का गलत फायदा उठाते हुए यह व्यक्ति इंसान से शैतान बन गया और मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी करने लगा इतना ही नहीं एक दिन बच्ची के कोमल शरीर पर इस नरपिशाच की ज्यादती से चोटिल हो जाने पर इस शैतान ने खुलासा हो जाने के डर से मासूम बच्ची की बेरहमी से हत्या कर दी और एक दोस्त की मदद से सूनसान इलाके में लाश फेंक कर बच्ची के लापता होने का नाटक करने लगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार डेढ़ महीने पहले बच्ची के अनाथ हो जाने के बाद से वह रोजाना ही उसे अपनी हवस का शिकार बना रहा था। इस दरिंदगी का राज खुल जाने के डर से इस दरिंदे ने बच्ची की जान ले ली।

11 मार्च को हुई वारदात का चौंकाने वाला खुलासा करते पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया यह शैतान मोबाइल रिपेयर की दुकान चलाता है। पुलिस के अनुसार खुद बच्ची की जान लेकर उसके लापता हो जाने का नाटक करने वाले दुकानदार ने दोस्त नीरज की मदद से शव ठिकाने लगाया था। नीरज को भी पकड़ लिया गया है। डीसीपी ट्रांस हिंडन विवेक यादव ने वारदात का खुलासा किया आरोपी मोबाइल की मरम्मत की दुकान करता है। उस पर शक इसलिए हुआ क्योंकि उसने सूचना दी थी कि बच्ची घर से दुकान जाते समय लापता हुई जबकि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से इस सूचना का मिलान करने पर पुलिस को संदेह हुआ। इस हत्यारे कुकर्मी दुकानदार ने बताया था कि बच्ची उसके अपने दो बच्चों के साथ दुकान पर जा रही थी। फुटेज में दो बच्चे नजर आए लेकिन बच्ची नहीं दीख रही थी । उसके घर में कुछ सामान बिखरा था और एक जगह खून के धब्बे थे। इससे शक और बढ़ गया। उससे सख्ती से पूछताछ हुई तो वह टूट गया और सच उगल दिया।पुलिस ने इसके बाद उसके दोस्त को भी पकड़ लिया । दोनों को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया। वहां से जेल भेज दिया गया। हत्या की रिपोर्ट बच्ची की बुआ ने दर्ज कराई थी। मेडिकल परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर इसमें दुष्कर्म की धारा बढ़ा दी गई है। आरोपी दुकानदार के दो बच्चे दस साल का बेटा और सात साल की बेटी हैं। उसने पुलिस पूछताछ में घटनाक्रम के बारे में बताया कि 11 मार्च को उस की पत्नी बेटे को साथ लेकर बाहर गई थी। अपनी बेटी को उसने पैसे देकर घर से बाहर भेज दिया था। इसके बाद देखरेख के लिए रखी बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। वह चिल्लाने लगी तो पिटाई कर दी। वह कई बार बच्ची के जिस्म से मनमानी करता रहा था लेकिन इस बार बच्ची को चोट लग गई और खून निकलने लगा। इससे वह घबरा गया और उसे लगा कि अब उसकी दरिंदगी का राज खुल जाएगा और उसकी पत्नी व बच्चों को भी उस की हरकतों का पता चल जाएगा। इसलिए पालनहार से नरपिशाच बने हवस के शैतान ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और फिर बच्ची की गला दबाकर हत्या कर दी। शव को अपने घर के ही पूजाघर में रखकर बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। पत्नी, बेटे और बेटी के आने पर कहा कि बच्ची लापता हो गई है। बेटे और बेटी उसे खोजने दुकान पर गए। इसी दौरान उसने गली में नाटक करते हुए सभी को बताया कि कि बच्ची लापता हो गई है । इस मोहल्ले में रात को देवी जागरण हो रहा था इस दरिंदे ने जागरण में माइक से बच्ची की गुमशुदगी की सूचना प्रसारित कराई और सिकंदरपुर चौकी पर गुमशुदगी की सूचना दी।पुलिस के अनुसार हत्या के तुरंत बाद इस ने अपने दोस्त को फोन कर मदद मांगी । वह रात दो बजे स्कूटी लेकर आया। दोनों प्लास्टिक के थैले में रखकर शव को ले गए थे। शव को डेढ़ किलोमीटर दूर जंगल में फेंक कर निश्चिंत हो कर सो गया। घटना के संबंध में पुलिस को पता चला है कि इस दरिंदे की बच्ची के परिवार से जान पहचान थी। बच्ची की मां को वह बहन कहता था। वह भी उसे अपना मुंहबोला भाई मानती थी।

अपनी-अपनी दुनिया

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

पिता जी ने फरमान जारी किया कि कल से सभी भोजन की मेज पर मिल बैठकर भोजन करेंगे। अगले दिन माता जी ने भोजन की मेज की खूब साफ-सफाई की। फल-फूल सजा दिए। अचार की बोतलें, बादाम-काजू-किशमिश, पिस्ता, सौंप-सुपारी की तश्तरी अच्छे से सजा दी। जब घर के सभी सदस्यों ने यह देखा तो उनके मुँह में पानी भर आया। जो कोई मेज के पास जाता कुछ बादाम-काजू-पिस्ता मुट्ठी में दबोच लेता। देखते ही देखते मेवा झम्म हो गया। माता जी का क्या है? ज्यादा से ज्यादा डाँट-फटकार सकती हैं, इससे ज्यादा क्या कर सकती हैं। वह अपने में ही बड़बड़ाने लगीं। रात होने को थी। उधर से पिता जी दफ्तर से निकल चुके थे। उधर बेटा बुलेट पर, इधर बिटिया स्कूटी पर घर की ओर कूच कर चुके थे। आज सभी मेज पर मिल बैठकर खाने वाले जो थे! पिता जी के बाद बेटा और बेटे के बाद बिटिया तीनों रात के विश्राम गृह यानी घर पहुँच चुके थे। इतने दिनों से यह विश्राम गृह किसी लॉड्ज से कम थोड़ी न था। पहली बार इसकी किस्मत में घर कहलाने का सुख नसीब होने वाला था। घर में तीन-तीन वाशरूम थे। तीनों वाशरूप में ऐसे घुसे जैसे वह ही उनका स्थाई निवास हो। पिता जी मोबाइल थामे वाट्सप पर, बिटिया इंस्टाग्राम और बेटा स्नैप चैट पर ऐसे जमे मानो उन्हें वाशरूम किसी स्वर्ग सा प्रतीत हो रहा हो। माता जी के चिल्लाने का असर यह हुआ कि उनका गला बैठ गया। जैसे-तैसे तीनों बाहर निकले। तब तक माता जी एक नींद पूरी कर चुकी थीं और दूसरी नींद के लिए ऊँघना भी आरंभ कर चुकी थीं। बिटिया ने कहा कि मुझे भूख नहीं है। मैं दोस्त की बर्थ डे पार्टी में पिज्जा-बर्गर खाकर आयी हूँ। बेटे ने कहा कि मैंने भी केएफएसी में जमकर टंगड़ी कबाब खाया है। दोनों अपने-अपने बेडरूम में घुसे और दरवाजा ऐसे बंद किया जैसे दुश्मन को देखकर कोई बंद करता हो। आज के समय में माता-पिता किशोरावस्था के बच्चों के असली दुश्मन होते हैं। वे कुछ भी कहें उन्हें बुरा ही लगता है। पिता जी ने बड़ी मुश्किल से एक रोटी उठाई होगी कि उन्होंने पत्नी पर झल्लाते हुए कहा कि कोई भला कामकाजी और थकेहारे आदमी को ठंडी रोटी खिलाता है? पत्नी भी कहाँ चुप बैठने वाली थी। वह भी गुस्से में उठी और बोली – रात के सवा ग्यारह बजे दुनिया की कौनसी रोटी गरम होती है भला। घंटे-घंटे वाशरूम में घुसे रहोगे तो रोटी ठंडी नहीं तो गरम होगी भला? इतना सुनना था कि पिता जी ने थाली उठाकर पटक दी और पत्नी को जोरदार तमाचा रसीद कर दिया। उधर बेटा-बेटी इन सबसे बेखबर अपने-अपने कमरों और अपनी-अपनी सोशल मीडिया की रंगीन दुनिया में खोए हुए थे। इधर पति-पत्नी एक-दूसरे से पीठ किए सोने की कोशिश करने लगे। इस तरह योजना के पहले ही दिन एक छोटा सा परिवार और छोटे-छोटे टुकड़ों में बँट गया।

चैत्र नवरात्रि में माता की मूर्ति स्थापित करते समय इन चीजों का रखें ध्यान

चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व 22 मार्च 2023 से आरम्भ हो रहा है एवं 30 मार्च को इनका समापन होगा। नवरात्रि के साथ ही 22 मार्च से हिंदू नववर्ष नव संवत्सर 2080 भी आरम्भ होगा। नवरात्रि में पूरे 9 दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-उपासना की जाती है। प्रत्येक वर्ष नवरात्रि पर माता रानी का आगमन विशेष वाहन पर होता है, जिसकी विशेष अहमियत होती है। वहीं, नवरात्रि में वास्तु का ध्यान रखना भी बेहद आवश्यक माना जाता है। आइए जानते हैं कि वास्तु के मुताबिक, माता की प्रतिमा और माता का मंदिर कैसे तैयार किया जाए।

1- मूर्ति की स्थापना- नवरात्रि में माता की प्रतिमा या कलश की स्थापना हमेशा ईशान कोण मतलब उत्तर-पूर्व दिशा में ही करनी चाहिए। इस दिशा में देवताओं का वास होता है। वहीं, अखंड ज्योति की स्थापना आग्नेय कोण में ही करनी चाहिए। माता की प्रतिमा ईशान कोण में स्थापित इसलिए करनी चाहिए क्योंकि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। तथा घर माता का वास होता है।

2- मुख्य द्वारः- नवरात्रि के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक का चिन्ह लगाना चाहिए, उससे घर में सकारात्मक ऊर्जा रहती है। साथ ही घर के मुख्य द्वार को आम के पत्तों से सजाना चाहिए। जिससे घर खूबसूरत लगता है तथा घर में शुभता बनी रहती है।

3- चंदन की चौकीः- माता की प्रतिमा को लकड़ी के पाटे पर ही रखें। यदि चन्दन की चौकी हो, तो ओर भी अच्छा रहेगा।

4- काला रंगः- ऐसा कहा जाता है कि किसी भी शुभ समय में काले रंग का उपयोग नहीं करना चाहिए। नवरात्रि के पूजा पाठ में भी काले रंग का उपयोग नहीं करना चाहिए।

5- इन रंगों का करें प्रयोगः- नवरात्रि में पीले और लाल रंग का उपयोग करना चाहिए।

6- कपूर की आरतीः- नवरात्रि में शाम होने के बाद कपूर जला कर देवी मां की आरती अवश्य करनी चाहिए। इससे घर की सारी नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है तथा घर में देवी लक्ष्मी का आगमन होता है।

7- नींबू के सेवन से बचें:- नवरात्रि के चलते नींबू के प्रयोग से बचना चाहिए। नवरात्रि के चलते घर में खट्टी चीजों का प्रयोग कम करना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है तथा मन भी अशांत रहता है।

8- गोबर का प्रयोगः- नवरात्रि के चलते घर के आंगन को गोबर से लीपना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो पा रहा है तो घर के आंगन में 7 कंडे टांग देने चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का आएगी एवं देवी लक्ष्मी का घर में वास होगा।

गुड़ी पड़वा जानिए इस त्योहार की पूजा विधि और कथा

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि से नववर्ष शुरू होता है। इस तिथि को नवसंवत्सर भी कहा जाता है।

महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा को बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन मराठी समुदाय के लोग अपने घर के बाहर गुड़ी बांधकर पूजा करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन इस तरह से पूजा करने से नया साल सुख, शांति, समृद्धि और सौभाग्य लेकर आएगा।

गुड़ी पड़वा का महत्व

शास्त्रों के मुताबिक गुड़ी पड़वा को संसार का पहला दिन माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन ब्रह्मा जी ने इस सृष्टि की रचना की थी। इसी दिन संसार में सूर्य देव पहली बार उदय हुए थे। वहीं पौराणिक कथा है कि इसी दिन भगवान श्री राम ने बाली का वध करके लोगों को उसके आतंक से छुटकारा दिलाया था। जिसके चलते इस दिन को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यही वजह है कि इस दिन लोग अपने घर के बाहर विजय पताका फहराकर जश्न मनाते हैं। वहीं इसी दिन छत्रपति शिवाजी महाराज ने विदेशी घुसपैठियों को पराजित किया था। इस जीत का जश्न शिवाजी महाराज और उनके साथियों ने गुड़ी फहराकर मनाया था।

ऐसे मनाई जाती है गुड़ी पड़वा

गुड़ी पड़वा के दिन की शुरुआत ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करके प्रार्थना करने के साथ होती है। इस दिन लोग अपने घरों की सफाई करते हैं। साथ ही वह घर के अंदर और बाहर फूलों की माला, मिट्टी के दीयों और रंगोली से सजाया जाता है। पूजा करने से पहले वह नए कपड़े पहनते हैं। रेशमी दुपट्टे का इस्तेमाल करके गुड़ी के झंडे बनाए जाते हैं। साथ ही बांस की छड़ी पर उलटे तरीके से कलश रखने की परंपरा है, जिसे विजय का प्रतीक माना जाता है।

गुड़ी पड़वा 2023 डेट और मुहूर्त

इस साल गुड़ी पाड़वा का त्योहार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह तिथि रात 10 बजकर 52 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन 22 मार्च 2023 को रात 8 बजकर 20 मिनट पर खत्म होगी। जिसके चलते इस साल 22 मार्च को इस त्यौहार को मनाया जाएगा। गुड़ी पड़वा के पूजा का शुभ मुहूर्त 22 मार्च 2023 सुबह 06 बजकर 29 मिनट से सुबह 07 बजकर 39 मिनट तक रहेगी।

चैत्र अमावस्या पर करें इन चीजों का दान, ख़त्म होगी सभी समस्याएं

चैत्र अमावस्या 2023 तिथिः-
चैत्र अमावस्या तिथि शुरू - 21 मार्च 2023, प्रातः 01.47
चैत्र अमावस्या तिथि समाप्त - 21 मार्च 2023, रात 10.53

21 मार्च 2023 को चैत्र अमावस्या है। इसे भूतड़ी अमावस्या भी बोला जाता है। साथ ही इस बार मंगलवार के दिन चैत्र अमावस्या होने से ये भौमवती अमावस्या भी कहलाएगी। मंगल दोष से छुटकारा पाने के लिए भौमवती अमावस्या बहुत अहम मानी जाती है। ये इस संवत की आखिरी अमावस्या होगी। धार्मिक मान्यता है कि चैत्र अमावस्या पर गंगा या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करने से पाप मिट जाते हैं तथा दान करने से नौकरी, व्यापार में तरक्की की राह सरल हो जाती है। पितर भी बेहद खुश होते हैं।

चैत्र अमावस्या पर दानः-

नौकरी-व्यापार में तरक्कीः- यदि आप ऐसी परेशानी से जूझ रहे हैं तो चैत्र अमावस्या के दिन वस्त्र, दूध, चावल का दान करें। इससे पितर प्रसन्न होते हैं।

मंगल दोषः- भौमवती अमावस्या पर मंगल के बीज मंत्र ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः का 108 बार जाप करें या उससे जुड़ी वस्तुएं स्वर्ण, गुड़, घी, लाल मसूर की दाल, कस्तूरी, केसर, लाल वस्त्र, मूंगा, ताम्बे के बर्तन का निर्धन को दान करें।

पितृ दोष से मुक्तिः- इस तिथि में पितरों की शांति के उद्देश्य से किया गया दान आदि अक्षय लाभदायी होता है। मान्यता है कि चैत्र अमावस्या के दिन काले तिल का दान करने से पितृ दोष दूर होता है तथा शनि देव खुश होते हैं, चूंकि अमावस्या को शनिदेव की जन्म तिथि भी माना गया है।

संतान सुखः- संतान सुख पाने के लिए चैत्र अमावस्या पर लोटे में दूध, पानी, काले तिल एवं जौ मिलाकर पीपल की जड़ में चढ़ाएं। 7 बार पीपल की परिक्रमा करें। अमावस्या की शाम को पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक लगाएं। इस उपाय से संतान प्राप्ति की राह सरल होती है।

मां दुर्गा को कनेर समेत न चढ़ाएं ये पुष्प

नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। इस दौरान भक्त नौ दिनों तक व्रत रखते हैं। कई बार नवरात्रि में मां दुर्गा की उपासना करते समय कौन सी सामग्री का इस्तेमाल करना चाहिए और किस सामग्री का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इस बात को लेकर काफी उलझन रहती है। वहीं कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें मां दुर्गा को अर्पित करने से वे अशुभ फल भी दे सकती हैं। मां दुर्गा को कनेर, धतूरा और मदार जैसे पुष्प चढ़ाना वर्जित माना जाता है। आइए आपको बताते हैं कि देवी मां को कौन-कौन सी चीजें अर्पित करना चाहिए।

जल - नवरात्रि की पूजा सामग्री में जल का प्रमुख स्थान माना जाता है। उपासना स्थल की लिपाई-पुताई से लेकर देव प्रतिमाओं के स्नान, चंदन, धूप, दीप, हवन और नैवेद्यार्पण तक में जल का प्रयोग किया जाता है। नवरात्रि उपासना में गंगाजल सर्वोत्तम होता है। जिन्हें गंगाजल उपलब्ध न हो वे विश्वास के साथ कुएं का या किसी अन्य नदी, तीर्थ सरोवर का जल ला सकते हैं। जहां से भी जल लिया जाए उसे शुद्ध स्वच्छ और निर्मल बर्तन में रखें। जल पात्र को ढंका रखना चाहिए। पूजा के समय आवश्यकता के अनुसार पात्र में जल लिया जा सकता है।

कलश - नवरात्रि में उपासना के लिए स्वर्ण, चांदी या तांबा निर्मित कलश का प्रयोग किया जाता है। चंदन शास्त्रों के अनुसार नवरात्रि उपासना में लालचंद प्रमुख है।

अक्षत - नवरात्रि पूजन सामग्री में अक्षत प्रमुख सामग्री में से एक माना जाता है। नवरात्र पूजन में अक्षत के प्रयोग में यह सावधानी बरतनी चाहिए कि चावल के दाने टूटे, कटे न हों। प्रयोग से पहले चावल को धो लेने चाहिए।

पुष्प - नवरात्र पूजन में लाल रंग के पुष्प का उपयोग किया जाता है। दुर्गा पूजा में कमल, गुड़हल, गुलाब, गेंदा के फूल चढ़ाए जाते हैं। ध्यान रखें कि नवरात्र अनुष्ठान में शास्त्रों के अनुसार कनेर, धतूरा और मदार के पुष्प वर्जित होते हैं।

धूप - पूजा के समय धूपदानी में अंगारे रखकर उन पर कुछ विशिष्ट वस्तपओं का मिश्रण छिड़का जाता है। इस क्रिया को धूप देना कहते हैं। अंगारों पर मिश्रण छिड़कने से सुगंधित धुंआ उठता है।

दीप - नवरात्र उपासना में गाय के घी का दीपक जलाना सबसे उत्तम माना जाता है। लेकिन ऐसा संभव न हो तो गिरी या तिल के तेल का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा भी संभव न हो तो माता दुर्गा से क्षमा मांग कर सरसों का तेल भी इस्तेमाल किया जा सकता है। साधना के दौरान इन बात का ध्यान रखना चाहिए कि दीपक बुझना नहीं चाहिए।

नैवेद्य - नवरात्र में देवी दुर्गा को भोग लगाना महत्वपूर्ण माना जाता है। नवरात्र में देवी को नैवेद्य का भोग लगाना चाहिए। इसके अलावा फल का भी भोग लगाया जा सकता है।

विशेष सामग्री

विभिन्न प्रकार के फल, नारियल, केला, अनार, नारंगी, कटहल, बिल्व आदि भेंट करके भक्ति भाव के साथ अन्न दान करें। नवरात्र पूजन के लिए विशेष सामग्री पान, सुपारी, सिंदूर, अबीर, गुलाल, रोली, गुड़, नधु, दूध, दही, घी, कपूर, दूर्वा, पुष्प, बिल्व पत्र, कपास, पंचमेवा, ऋतुफल, कच्चा सूत, कुश, कलश, ढकना, दिया, एक रंग, द्रव्य, आचार्य के लिए धोती, गमछा, चादर, पंचपात्र, सौभाग्य द्रव्य, साड़ी, हवन आदि।

क्या सच में उल्लू का दिखना होता है अपशकुन?

हिंदू धर्म में बहुत से पक्षी और जानवर ऐसे हैं, जिनकी पूजा की जाती है, लेकिन कुछ जानवर ऐसे भी हैं, जिनका दिखना अपशकुन माना जाता है। उल्लू इन्हीं पशु, पक्षियों में से एक है। हिंदू धर्म में उल्लू से जुड़ी कई सारी मान्यताएं हैं। उल्लू को माता लक्ष्मी का वाहन माना गया है। हमारे यहां उल्लू को रातों का राजा कहा जाता है, क्योंकि उल्लू अक्सर रात में ही नजर आता है। मान्यता है कि उल्लू का दिखना शुभ-अशुभ दोनों प्रकार की चीजों का संकेत करता है। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं उल्लू से जुड़ी कुछ मान्यताओं के बारे में।

सफेद रंग का उल्लू दिखना

हम सभी ने काले या भूरे रंग का उल्लू तो देखा होगा, लेकिन हिंदू धर्म शास्त्रों के मुताबिक, सफेद रंग का उल्लू देखना बहुत ही शुभ होता है। हालांकि, सफेद रंग के उल्लू कम ही देखने को मिलते हैं, लेकिन यदि किसी व्यक्ति को सफेद उल्लू दिख जाए तो माना जाता है कि उसके जीवन की सभी समस्याएं खत्म होने वाली हैं। सफेद उल्लू को देखना सकारात्मक समाचारों की ओर इशारा करता है। हिंदू धर्म में सफेद उल्लू को दिवंगत लोगों की आत्माओं से जोड़कर भी देखा जाता है। माना जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को सफेद उल्लू दिखता है तो इसका मतलब उसके पितर उसके साथ हैं।

उल्लू का लगातार देखना

कई बार हमें रात के समय अचानक उल्लू देखने को मिल जाता है। यदि उल्लू आपको लगातार एकटक देख रहा है या आपकी नजर उल्लू से मिल जाती है। यह संकेत करता है कि आपके जीवन में खुशियां आने वाली हैं। इसके अलावा, ये संकेत हैं कि आपके जीवन से आर्थिक समस्याएं जल्द खत्म हो जाएंगी। यदि आप किसी काम के लिए बाहर जा रहे हैं और आपको अपने बाएं तरफ उल्लू दिखाई दे जाए, तो यह शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि आप जिस काम के लिए जा रहे हैं, वह सफलतापूर्वक अवश्य पूरा होगा।

दिन में उल्लू का दिखना

उल्लू अक्सर रात के समय दिखाई देते हैं, लेकिन यदि रात में दिखाई देने वाला ये उल्लू किसी व्यक्ति को दिन में दिख जाए, तो यह उसके लिए शुभ माना जाता है। यह संकेत होता है कि आपका भाग्य आपका साथ देगा। साथ ही आपके जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव जल्द ही होने वाले हैं। आपको कोई सुख समाचार भी मिल सकता है। उल्लू का दिन में दिखाई देना आपके दृष्टिकोण में बदलाव को भी दर्शाता है।

रात में उल्लू का दिखना

आमतौर पर उल्लू शर्मीले होते हैं। ये बहुत कम लोगों को ही नजर आते हैं, लेकिन यदि कभी रात के समय आपको उल्लू दिख जाए, तो यह आपके लिए शुभ माना जाता है। रात के समय उल्लू के दिखने से समस्याओं से मुक्ति मिलने की ओर संकेत मिलता है। साथ ही ये करियर में प्रगति को भी दर्शाता है। रात के समय उल्लू की आवाज सुनाई देना शुभ समाचार मिलने की तरफ इशारा है।

माता नाव पर सवार होकर आएंगी, होगी खूब बारिश

चैत्र नवरात्रि 22 मार्च से शुरू होगी। इस बार की नवरात्रि की खाशियत यह है कि इस बार माता नाव में सवार होकर आएंगी। 22 मार्च से ही नव संवत्सर 2080 भी शुरू होगा। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि हिंदू धर्म में नवरात्रि का बहुत महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार चैत्र नवरात्रि 22 मार्च से शुरू होकर 30 मार्च तक रहेगी। इस बार पूरे नौ दिन मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की उपासना होगी। इस साल चैत्र नवरात्रि पर माता का वाहन नाव होगी, जो इस बात का संकेत है इस साल खूब वर्षा होगी।

नवरात्रि में बन रहे शुभ योग

चैत्र नवरात्रि में अबकी बार पूरे नौ दिनों की नवरात्रि होगी। नवरात्रि के दौरान तीन सर्वार्थ सिद्धि योग 23 मार्च, 27 मार्च, 30 मार्च को लगेगा। जबकि अमृत सिद्धि योग 27 और 30 मार्च को लगेगा। रवि योग 24 मार्च, 26 मार्च और 29 मार्च को लगेगा। और नवरात्रि के अंतिम दिन रामनवमी के दिन गुरु पुष्य योग भी रहेगा।

चैत्र नवरात्रि घटस्थापना शुभ मुहूर्त

चैत्र नवरात्रि बुधवार, 22 मार्च से शुरू हो रहे हैं। चैत्र नवरात्रि घटस्थापना के मुहूर्त की शुरुआत 22 मार्च को सुबह 06 बजकर 23 मिनट से लेकर सुबह 07 बजकर 32 मिनट तक (अवधि 01 घंटा 09 मिनट) रहेगी। चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा तिथि 21 मार्च को रात 10 बजकर 52 मिनट से शुरू हो रही है और प्रतिपदा तिथि का समापन 22 मार्च को रात 08 बजकर 20 मिनट पर होगा।

कलश स्थापना की विधि

कलश स्थापना की विधि शुरू करने से पहले सूर्योदय से पहले उठें और स्नान करके साफ कपड़े पहनें। उसके बाद एक साफ स्थान पर लाल रंग का कपड़ा बिछाकर माता रानी की प्रतिमा स्थापित करें। इस कपड़े पर थोड़े चावल रखें। एक मिट्टी के पात्र में जौ बो दें। इस पात्र पर जल से भरा हुआ कलश स्थापित करें। कलश पर स्वास्तिक बनाकर इसपर कलावा बांधें। कलश में साबुत सुपारी, सिक्का और अक्षत डालकर अशोक के पत्ते रखें। एक नारियल लें और उस पर चुनरी लपेटकर कलावा से बांधें। इस नारियल को कलश के ऊपर पर रखते हुए देवी दुर्गा का आवाहन करें। इसके बाद दीप आदि जलाकर कलश की पूजा करें। नवरात्रि में देवी की पूजा के लिए सोना, चांदी, तांबा, पीतल या मिट्टी का कलश स्थापित किया जाता है।

अमिताभ बच्चन ने शेयर की थ्रोबैक पिक्चर:बोले- रैंप की मस्ती मिस कर रहा हूं, जल्द ही ठीक होकर लौटूंगा

अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर रैंप वॉक करते हुए अपनी थ्रो बैक पिक्चर शेयर की। उन्होंने अपनी सेहत पर फैंस को अपडेट भी किया है। साथ ही, अपने फैंस को उनकी अच्छी सेहत की दुआ करने के लिए शुक्रिया भी कहा है।

फिल्म के सेट पर घायल हुए थे अमिताभ

कुछ दिन पहले फिल्म 'प्रोजेक्ट के' की शूटिंग के दौरान सेट पर अमिताभ बच्चन घायल हो गए थे। इस हादसे में अमिताभ की रिब कार्टिलेज टूट गई थी। इसके अलावा उनकी मसल में टियर भी हुआ है। शुरूआती ट्रीटमेंट के बाद उन्हें इलाज के लिए मुंबई ले जाया गया।

पसली टूटी, मसल में भी आया टियर

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग के जरिए लोगों को इस हादसे की जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा- मैं हैदराबाद में अपनी फिल्म 'प्रोजेक्ट के' की शूटिंग कर रहा था। सेट पर एक्शन सीन के दौरान एक हादसा हुआ। मेरी रिब कार्टिलेज टूट गई। मेरी राइट रिब केज की मसल में टियर भी है। शूट कैंसिल की, डॉक्टर ने सीटी स्कैन भी किया। हैदराबाद में हुए इलाज के बाद मैं मुंबई आ गया हूं।

दर्द इतना की सांस लेना भी मुश्किल- अमिताभ

डॉक्टर ने स्ट्रैपिंग की है और आराम करने को कहा है। हां, ये काफी दर्दनाक है। अभी तो सांस लेना तक मुश्किल है। हिलने-डुलने में दर्द है।

डॉक्टर ने कहा है कि राहत मिलने में कुछ हफ्तों का समय लग जाएगा। दर्द के लिए मुझे दवाइयां भी दी हैं। फिलहाल, फिल्म का काम रोकना पड़ेगा। ठीक होने के बाद ही सेट पर वापस आऊंगा। मैं जलसा में ही आराम कर रहा हूं और रोज मरा के जरूरी कामों के लिए ही बिस्तर से उठता हूं।

रेखा ने ट्रेडिशनल कॉटन साड़ी को दिया मॉडर्न ट्विस्ट

गोल्डन लाइनिंग वाले स्नीकर्स के साथ पहनी साड़ी, बोलीं- मुझे साडियां पहनना बहुत पसंद है

हाल ही में वेटेरन एक्ट्रेस रेखा ट्रेडिशनल कॉटन साड़ी के साथ स्नीकर्स पेयर करते हुए नजर आईं। रेखा ने अपने अलग अंदाज में ट्रेडिशनल गोल्डन बॉर्डर की साड़ी को गोल्डन लाइनिंग वाले वाइट स्नीकर्स के साथ मॉडर्न ट्विस्ट देकर स्टाइल किया।

साड़ी और स्नीकर्स के साथ क्रिएट किया कूल लुक

गोल्ड बॉर्डर के साथ ये वाइट कॉटन साड़ी के साथ रेखा ने हाई बन स्पोर्ट किया। ज्वेलरी के लिए उन्होंने गोल्डन एयरिंग्स पहने और स्टेटमेंट सनग्लास लगाए। साथ ही, साड़ी से मिलता-जुलता पोटली बैग भी स्टाइल किया।

रेखा ने हर बार बनाया साड़ीयों को खास

रेखा ने अपनी अदायों और एक्टिंग स्किल से लाखों दिलों पर राज किया है। लेकिन, रेखा को उनकी खूबसुरती के साथ ही उनकी साड़ी के कलेक्शन और फैशन सेंस के लिए भी जाना जाता है।

स्टाइलिस्ट होने के लिए फैंसी कपड़े पहनना जरुरी नहीं- रेखा

रेखा अक्सर हैवी वर्क वाली कांजीवरम साड़ी और ट्रेडिशनल ज्वेलरी में स्पॉट की जाती हैं। फरवरी 2023 में रेखा ने एक अवॉर्ड सेरेमनी में साड़ियों के बेहतरीन कलेक्शन पर बात की।

"आप इतनी खूबसूरत साड़ियां कहां से लेकर आती हैं रेखा जी ?"

इस सवाल के जवाब में रेखा ने कहा- मैं जहां भी जाती हूं मुझसे यही सवाल पूछा जाता है। चलिए, मैं आज आपको बता ही देती हूं। ये कोई सीक्रेट नहीं है। एक स्टाइलिस्ट होने का मतलब ये नहीं होता है कि आप हर बार कुहक फैंसी पहने, अगर आप अच्छे स्टाइलिस्ट हैं तो किसी भी कपड़े में आप स्टाइलिश ही लगेंगे। फिर चाहे आपने ट्रेडिशनल साड़ी ही क्यों न पहनी हो।

कांजीवरम साड़ियां मुझे अपनी मां की याद दिलाती हैं- रेखा

मैं हमेशा साड़ियां पहनती हूं क्योंकि ये मुझे पसंद हैं। खासकर कांजीवरम साडियां, ये मेरा ट्रेडिशन है और मुझे हमेशा अपनी मां की याद दिलाता है। इन साड़ियों को पहनकर मुझे ऐसा लगता है कि मेरी मां अब भी मेरे साथ ही हैं। पर्सनली कांजीवरम साड़ियां पहनने से मुझे बहुत सारा प्यार और भरोसा मिलता है। शायद इन साड़ियों में ही ये प्यार छुपा हुआ है। रेखा आखिरी बार 2018 में फिल्म 'यमला पगला दीवाना : फिर से' में नजर आईं थीं। इस फिल्म में रेखा ने कैमियो अपियरेंस दिया था।

परिवार को सता रही सलमान की चिंता

सलमान खान के घर के बाहर बढ़ाई गई सिक्योरिटी : ईमेल पर गोल्डी बराड़ से मिली धमकी, एक्टर ने एफआईआर दर्ज कराई

19 मार्च को सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली थी। धमकी मिलने के बाद से ही सलमान के घर के बाहर पुलिस की एक पूरी टुकड़ी देखी गई। सोर्सेस की मानें तो इस मामले को लेकर सलमान के घर वाले काफी चिंतित हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान और उनकी टीम को अगले कुछ दिनों के लिए ऑन ग्राउंड इवेंट से बचने के लिए कहा गया है। पुलिस प्रशासन ने सलमान के जान के खतरे को देखते हुए उनके शेड्यूल में बदलाव की सिफारिश की है।

सलमान के शेड्यूल में बदलाव की सिफारिश

सोर्सेस के मुताबिक, सलमान के घर के आस-पास का माहौल काफी गंभीर है। सलमान के घरवालों और उनकी टीम को सलमान के जान की काफी चिंता सता रही है। पुलिस से जुड़े सोर्सेस का कहना है कि सलमान फिलहाल मुंबई से बाहर हैं, उनके आते ही शेड्यूल में बदलाव को लेकर डिस्कशन किया जाएगा। सलमान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान अप्रैल में रिलीज होने वाली है। इसके प्रमोशन को लेकर भी नई प्लानिंग करनी पड़ेगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान को धमकी देने के मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बराड़ और रोहित गर्ग के खिलाफ IPC की धारा 506 (2), 120 (बी) और 34 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। अभी फिलहाल साइबर सेल आईपी के जरिए धमकी भरे ईमेल भेजने वाले शख्स का नाम और एड्रेस पता लगाने की कोशिश में है।

सलमान खान के मैनेजर जॉर्डी पटेल को 19 मार्च को एक ईमेल आया। उस मेल में लिखा था,'तेरे बॉस सलमान से गोल्डी बराड़ को बात करना है। लॉरेंस बिश्नोई का इंटरव्यू तो सलमान ने देख ही लिया होगा। अगर नहीं देखा है तो उससे बोल देना कि इंटरव्यू जरूर देख ले। मैटर क्लोज करना है तो बात करवा देना। फेस-टु-फेस बात करना है तो वो भी बता देना। अभी टाइम रहते इन्फॉर्म कर दिया है। अगली बार झटका ही देखना को मिलेगा।'

तीन दिन पहले दिए इंटरव्यू में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्वोई ने सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी थी। लॉरेंस ने कहा था- उसके मंसूबे सलमान के खिलाफ सही नहीं हैं। उसने कहा कि जिस दिन एक्टर की सिक्योरिटी हटी, वो दिन सलमान के जीवन का अंतिम दिन होगा। लॉरेंस ने उस इंटरव्यू में कहा कि सलमान खान का अहंकार रावण से भी ज्यादा है, सिद्धू मूसेवाला भी इतना ही अहंकारी था। मेरा बचपन से बस एक ही गोल है और वो है सलमान खान को मारना। गैंगस्टर का कहना है कि जब मैं चार-पांच साल का था तभी सलमान ने काले हिरण को मार दिया था। बिश्नोई समाज के लोग काले हिरण की पूजा करते हैं। सलमान ने अपने अपराध के लिए हमारे समाज से माफी तक नहीं मांगी है। उसके लिए मेरे मन में बचपन से ही गुस्सा है।

लॉरेंस ने कहा- सलमान का अहंकार तोड़ेंगे

लॉरेंस बिश्नोई ने आगे कहा कि सलमान ने हमारे समाज को बहुत नीचा दिखाया है। हम उसका अहंकार तोड़ेंगे। अगर उसको बचना है तो हमारे समाज के सामने आकर माफी मांगे। इसके लिए उसे राजस्थान में बिश्नोई समाज के मंदिर 'जंभेश्वर जी' में आना होगा। अगर समाज के लोगों ने उसे माफ कर दिया तो फिर मुझे कोई दिक्कत नहीं है।

देवर आदित्य रॉय कपूर के साथ दिखीं विद्या बालन

बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन का मजाकिया अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। इसी बीच हाल ही में एक्ट्रेस को उनके देवर आदित्य रॉय कपूर के साथ स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। जहां दोनों एक दूसरे को देखकर मुस्कुराते हुए गले लगाते हुए दिख रहे हैं। इस दौरान दोनों ने साथ में पैपराजी को पोज भी दिए।

वीडियो सामने आते ही फैंस इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। और साथ ही दोनों की क्यूट बॉन्डिग देख काफी इम्प्रेस हुए। बता दें, विद्या बालन ने फिल्म प्रॉड्यूसर सिद्धार्थ रॉय कपूर से साल 2012 में शादी की थी। बॉलीवुड एक्टर आदित्य रॉय कपूर उनके भाई हैं।

आदित्य- विद्या का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो विद्या आखिरी बार फिल्म जलसा में नजर आई थीं। वहीं आदित्य रॉय कपूर हाल ही में द नाइट मैनेजर में नजर आए थे, इस सीरीज को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था।

पर्दे के पीछे सारा और शहनाज की मस्ती

चैट शो के दौरान खूब की शरारत, फैंस को पसंद आया दोनों का मजाकिया अंदाज

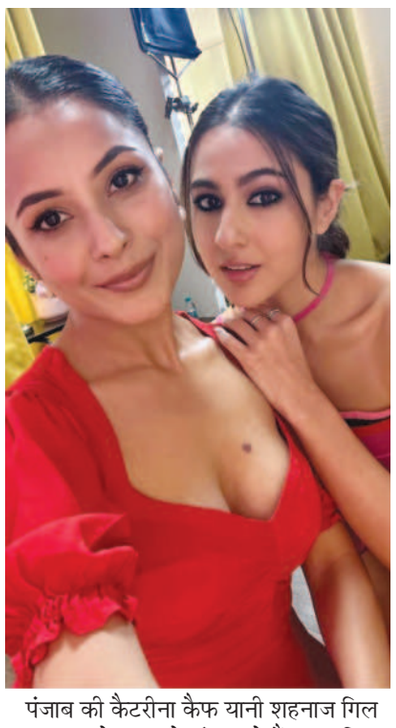

पंजाब की कैटरीना कैफ यानी शहनाज गिल अक्सर अपने चुलबुले अंदाज से फैंस का दिल जीत ही लेती हैं। इन दिनों वह अपना शो 'देसी वाइब्स विद शहनाज गिल' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। उनके इस शो में कई बड़ी हस्तियां शामिल हो चुकी हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस सारा अली खान भी उनके शो में मेहमान बनकर पहुंची हैं, जिससे जुड़ा एक वीडियो शहनाज ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है ।

मस्ती के मूड में दिखी शहनाज- सारा

इस वीडियो में सारा और शहनाज मस्ती भरे अंदाज में नजर आईं। वीडियो की शुरुआत में शहनाज कहती हैं, 'नॉक नॉक' जिस पर पर्दे के पीछे से सारा अली खान निकल कर गाती हैं 'कुंडी मत खड़काओ राजा, सीधा अंदर आओ राजा'। इसके बाद सारा और शहनाज दोनों पर्दे के पीछे चली जाती हैं। फिर सारा बाहर आकर कहती हैं कि चित्रांगदा मैम के गाने पर गर्मी कर दी। शहनाज हंसते हुए बोलती हैं, 'मेरी तो सारी लिपस्टिक ही हट गई'। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

गैसलाइट का प्रमोशन करने पहुंचीं सारा

बता दें सारा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म गैस लाइट का प्रमोशन करने पहुंची हैं। ये एक हॉरर थ्रिलर फिल्म है, हाल ही में गैस लाइट का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 31 मार्च को रिलीज होने वाली है। वहीं इस फिल्म में सारा के साथ एक्ट्रेस चित्रांगदा और विक्रांत मैसी नजर आएंगे।

एक्टर दीपक तिजोरी के साथ करोड़ों की ठगी

फिल्म मेकिंग के लिए प्रोड्यूसर को दिए थे 2.6 करोड़, अब वापस लौटाने में कर रहा आनाकानी

जो जीता वही सिकंदर और आशिकी जैसी फिल्मों से पॉपुलैरिटी पाने वाले एक्टर दीपक तिजोरी के साथ करोड़ों रुपये की ठगी हो गई है। उन्होंने प्रोड्यूसर मोहन नादर के खिलाफ मुंबई पुलिस में FIR दर्ज करवाई है।

दीपक का आरोप है कि मोहन नादर ने उनके साथ 2 करोड़ 60 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। दरअसल दोनों मिलकर एक थ्रिलर फिल्म प्रोड्यूस कर रहे थे। मोहन नादर ने फिल्म की शूटिंग के नाम पर दीपक से पैसे लिए थे।

फिल्म की शूटिंग के लिए 2.6 करोड़ लिए

मुंबई की अंबोली पुलिस ने नादर के खिलाफ IPC की धारा 420 और 406 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। ईटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दीपक तिजोरी ने पुलिस में मोहन नादर के खिलाफ लिखित में कंप्लेन दर्ज कराई थी। कंप्लेन में कहा गया था कि मोहन नादर ने फिल्म की शूटिंग लोकेशन के खर्चे के लिए 2.6 करोड़ रुपए लिए लेकिन लौटाने में आनाकानी कर रहे हैं।

न प्रोजेक्ट पूरा हुआ और न ही पैसे मिले

मोहन नादर पर आरोप है कि उसने दीपक से 2019 में फिल्म 'टिप्सी' के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया। फिल्म की मेकिंग के लिए मोहन ने दीपक से 2.6 करोड़ रुपए लिए। बाद में जब दीपक ने अपने पैसे मांगे तो मोहन ने उन्हें चेक दे दिया लेकिन वो बाउंस करता गया।

दीपक का कहना है कि मोहन ने न तो फिल्म कंप्लीट की और न ही उनके पैसे लौटाए। इस मामले में अंबोली पुलिस के सीनियर ऑफिसर बंदोपंत बंसोडे ने कहा कि फिलहाल इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस अभी मामले की जांच कर रही है।

फिल्मों में कमबैक करने जा रहे हैं दीपक

दीपक तिजोरी ने कुछ दिन पहले अनाउंसमेंट की थी कि वो वो रोमांटिक फिल्म 'इत्तर' से कमबैक करने जा रहे हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर वीणा बख्शी कर रही हैं। रितुपर्णा सेनगुप्ता फिल्म की लीड एक्ट्रेस होंगी। हालांकि फिल्म कब रिलीज होगी इसकी कोई जानकारी नहीं है।

13 साल की उम्र में दीपक की बेटी किडनैप हो चुकी है

दीपक तिजोरी ने अपनी डिजाइनर गर्लफ्रेंड शिवानी तनेजा से शादी की थी। दीपक और शिवानी के दो बच्चे हैं। दीपक की बेटी जब 13 साल की थी तो उसे कुछ घंटों के लिए किडनैप कर लिया गया था।

10 मई, 2009 को हुए इस हादसे के बारे में दीपक तिजोरी ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनकी बेटी समारा उस दिन शाम चार बजे घर से बाहर निकली थी। लोखंडवाला की सड़क पर कुछ लोगों ने उसे ऑटो में खींच लिया और होटल में ले गए थे। हालांकि उनकी बेटी किसी तरह करके उनके चंगुल से बाहर निकल कर घर आ गई थी।

नेगेटिव रोल करके फेमस हुए दीपक

दीपक ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म तेरा नाम मेरा नाम (1988) से की थी। उन्हें असली पॉपुलैरिटी फिल्म आशिकी से मिली। इसके अलावा उन्होंने जो जीता वही सिकंदर, अंजाम और गुलाम जैसी फिल्मों में काम किया। एक समय पर उनकी गिनती इंडस्ट्री के टॉप एक्टर्स में होती थी।

प्रभुदेवा ने फिल्म के सेट पर पूरे क्रू के साथ 'नाटू-नाटू- गाने पर डांस

आरआरआर के बाद राम चरण अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट 'आरसी 15' पर काम कर रहे हैं। ऑस्कर जीतकर लौटने के बाद अब राम चरण ने डायरेक्टर शंकर की फिल्म 'आरसी 15' की शूटिंग शुरू कर दी है। रविवार को राम चरण ने सोशल मीडिया पर एक डांस वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में सुपर स्टार प्रभु देवा फिल्म 'आरसी 15' के सेट पर राम चरण का वेलकम करते हुए 'नाटू-नाटू' गाने पर डांस कर रहे हैं।

प्रभुदेवा ने फिल्म के सेट पर पूरे क्रू के साथ 'नाटू-नाटू- गाने पर डांस किया। राम चरण ने ये वीडियो शेयर करते हुए लिखा- मैं इस वॉर्म वेलकम के लिए कभी आप सब का शुक्रिया अदा नहीं कर सकता। हमारे ग्रैंडमास्टर प्रभुदेवा सर, इतना प्यारा सरप्राइज देने के लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। फिल्म के सेट पर वापस काम शुरू करने के लिए एक्साइटेड हूं।

प्रोड्यूसर दिल राजू ने ग्रेट आंध्र को दिए इंटरव्यू में बताया कि फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर और टाइटल जल्द ही रिलीज होने वाला है। उम्मीद है की 27 मार्च को आप फिल्म का फर्स्ट पोस्टर देख सकेंगे। शंकर फर्स्ट लुक पोस्टर के लिए कुछ स्पेशल प्लान कर रहे हैं। फिल्म का टाइटल राम चरण के बर्थडे पर रिलीज किया जाएगा।

एक्ट्रेस सुंबुल खान ने तोड़ा काले रंग से जुड़ा स्टीरियोटाइप

बोलीं- मैं बहुत रोती थी, लोग कहते थे- इतनी काली लड़की को क्यों कास्ट किया

हाल ही में बिग बॉस 16 में सबका दिल जीतने वाली एक्ट्रेस सुंबुल तौकीर खान ने शेयर किया है कि उनके स्किन कॉम्प्लेक्शन की वजह से उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ा। टीवी सीरियल 'इमली' में एक्ट्रेस ने गांव में रहने वाली लड़की का रोल किया था। एक्ट्रेस ने बताया कि इस सीरियल की शूटिंग के दौरान उन्हें स्किन टोन की वजह से काफी कुछ सुनना पड़ा।

सुंबुल ने बताया कि जब उन्हें इस रोल के लिए चुना गया तो लोग उनसे कहते थे- "अरे! कैसी काली लड़की को कास्ट कर लिया है।" उन्होंने कहा की मैं ऐसी बातें सुनकर बहुत रोती थी। लेकिन, फिर चीजें बदलने लगीं। जब हमारा सीरियल टीआरपी चार्ट में टॉप पर पहुंच गया, उसके बाद ही शायद लोग भूल पाए कि मैं कैसी दिखती हूं। हमारे सीरियल ने 2.2 की टीआरपी से ओपनिंग की थी और इसके बाद हमारे शो की टीआरपी सिर्फ ऊपर गई। सुंबुल ने ये भी बताया कि उन्होंने पहले खुद ही 'इमली' को रिजेक्ट कर दिया था। उन्होंने

कहा- मुझे ऐसा लगता था कि मैं क्या लीड रोल करूंगी।जब मुझे 'इमली' ऑफर की गई तो मुझे इस बात का पूरा भरोसा था कि मुझे लीड रोल कभी नहीं मिलेगा। शुरुआत में मैंने खुद ही ऑफर से इंकार कर दिया था। मैंने अब तक जितने ऑडिशन दिए हैं उनमें से सबसे बुरा ऑडिशन इमिली में हुआ था। मैं ये मानने लगी थी कि मैं इस स्किन टोन के साथ कभी हीरोइन नहीं बन पाउंगी। जब मुझे लीड रोल ऑफर किया गया तब मैंने ब्राउन स्किन के साथ जुड़ा ये स्टीरियोटाइप टूट गया।

किसी का भाई किसी की जान के गाने को सलमान खान ने दी आवाज

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के दो गाने रिलीज हो चुके हैं और अब तीसरा गाना 'जी रहे थे हम' का रिलीज कर दिया गया, जिसका वीडियो भाईजान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। खास बात ये है की इस गाने को खुद सलमान खान ने गाया है। इससे पहले भी सलमान ने 'मैं हूं हीरो तेरा' में अपनी शानदार आवाज से फैन्स को अपना दीवाना बना दिया था। इस टीजर वीडियो में आप देख सकते हैं कि लंबे बालों में सलमान खान का लुक एक दम कमाल का दिख रहा है। गाने में सलमान के डांस मूव्स भी कमाल के हैं। वहीं गाने में सलमान और पूजा के बीच की जोरदार कैमिस्ट्री देखने को मिल रही है।

सलमान खान द्वारा निर्मित फिल्म में उनके अलावा पूजा हेगड़े, वेंकटेश दग्गुबाती, जगपति बाबू, भूमिका चावला, अभिमन्यू सिंह, शहनाज गिल, जस्सी गिल, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, पलक तिवारी नजर आएंगे। ये फिल्म ईद 2023 पर रिलीज होने वाली है। बता दें कि किसी का भाई किसी की जान 2014 में आई तमिल फिल्म वीरम की रीमेक है। इससे पहले सलमान ने शाहरुख खान स्टारर पठान में कैमियो किया था, वहीं जल्द ही सलमान टाइगर 3 में नजर आएंगे।

किडनी स्टोन के ये लक्षण नजर आए तो डॉक्टर से मिलने में न करें देर

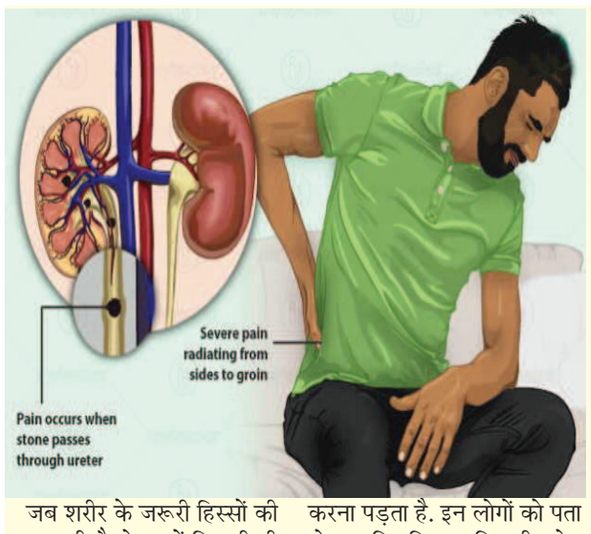

जब शरीर के जरूरी हिस्सों की बात आती है तो उनमें किडनी भी शामिल है. जी हां, किडनी हमारे शरीर के जरूरी हिस्सों में से एक है. ऐसे में व्यक्ति को किडनी स्टोन की समस्या हो जाए तो काफी दर्दनाक स्थिति का सामना करना पड़ता है. इन लोगों को पता होना चाहिए कि जब किडनी स्टोन की समस्या होती है तो लक्षणों के रूप में कौन-कौन सी समस्याएं नजर आ सकती हैं. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि किडनी की समस्या होने पर कौन से लक्षण नजर आ सकते हैं.

किडनी स्टोन के लक्षण

जब व्यक्ति को किडनी स्टोन की समस्या होती है तो उससे पेशाब करने में दिक्कत महसूस होती है. यह स्थिति डिसुरिया कहलाती है. बता दें कि किडनी स्टोन के दौरान व्यक्ति को पेशाब करने में दर्द महसूस होता है. ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

जब स्थिति ज्यादा गंभीर हो जाती है तो व्यक्ति को पेशाब से खून भी आ जाता है. खासतौर पर गुर्दे की पथरी के दौरान व्यक्ति को पेशाब में खून आने की समस्या हो जाती है. इस समस्या को हेमट्यूरिया भी कहते हैं. ऐसे में पेशाब करने में दर्द महसूस हो या पेशाब करने के दौरान खून आए तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

यदि व्यक्ति को अपने पेशाब में बदबू महसूस हो तो या तीखी गंध महसूस हो तो यह भी गुर्दे या मूत्र पथ के संक्रमण का संकेत दे सकते हैं. ऐसे में व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

यदि व्यक्ति को गुर्दे की पथरी हो जाए तो ऐसे में पीठ में दर्द, पेट में दर्द, बाजू में दर्द की शिकायत हो सकती है. ऐसा तब होता है जब पथरी मूत्रवाहिनी में चली जाती है, जिसके कारण पेशाब करने में रुकावट महसूस होती है.

इसके अलावा जब व्यक्ति को गुर्दे में दबाव महसूस होता है तब भी पीठ में, पेट में, बाजू में दर्द हो सकता है. ऐसे में यह समस्या होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

न्यूट्रिशन के लिए कहीं आप भी तो नहीं कर रहे इन चीजों का अधिक सेवन, फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

पोषक तत्वों वाले आहार का सेवन

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए रोजाना आहार के माध्यम से पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। पोषक तत्वों की विस्तृत श्रृंखला शरीर के अंगों को स्वस्थ रखते हुए, ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने और आपको कई प्रकार की बीमारियों के खतरे से बचाने में लाभदायक मानी जाती है।

यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को रोजाना आहार में फलों-सब्जियों और नट्स को शामिल करने की सलाह देते हैं। हालांकि हमेशा इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि चीजों का संयमित मात्रा में ही सेवन शरीर के लिए फायदेमंद होता है, इसकी अधिकता आपमें कई प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकती है।

अधिक कॉफी के नुकसान

कॉफी को कई अध्ययनों में सेहत के लिए फायदेमंद बताया गया है, इसमें एंटीऑक्सिडेंट और अन्य सक्रिय यौगिकों की अधिकता होती है जिससे शरीर को कई प्रकार से लाभ हो सकता है। कॉफी में सक्रिय संघटक कैफीन होता है जो आपको रिफ्रेश रखने और कुछ अध्ययनों में इसे कई प्रकार की बीमारियों के लक्षणों को कम करने वाला भी बताया गया है। हालांकि इसका अधिक मात्रा में सेवन करना (प्रतिदिन 500-600 मिलीग्राम) तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर सकता है, जिससे अनिद्रा, घबराहट, चिड़चिड़ापन, पेट में ऐंठन, दिल के धड़कन में अनियमितता की समस्या हो सकती है।

जायफल के लाभ और नुकसान

जायफल के अधिक सेवन से नुकसान

जायफल हर घर में मसालों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाली औषधि है, इसे भोजन के स्वाद को बढ़ाने के साथ कई प्रकार की समस्याओं के घरेलू उपचार के तौर पर भी प्रयोग में लाया जाता रहा है। जायफल में मिरिस्टिसिन नामक यौगिक होता है, जो एक मनो-एक्टिव पदार्थ है। कम मात्रा में जायफल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है पर इसकी अधिकता मिरिस्टिसिन विषाक्तता का कारण बन सकती है। इस स्थिति में हृदय गति में अनियमितता, मतली, चक्कर आने, दर्द और मतिभ्रम जैसी समस्याओं का खतरा हो सकता है।

रेड मीट का अधिक सेवन नुकसानदायक

पशुओं पर आधारित चीजें जैसे मछली, अंडा, डेयरी उत्पाद, चिकन शरीर के लिए आसानी से कई प्रकार के पोषक तत्वों की पूर्ति कर सकते हैं, लेकिन अधिक मात्रा में यह हानिकारक हो सकता है। विशेषकर रेड मीट के अधिक सेवन को अध्ययनों में कई प्रकार से नुकसानदायक बताया गया है। शोध से पता चला है कि नियमित रूप से रेड मीट या प्रोसेस्ड मीट खाने से टाइप-2 डायबिटीज, कोरोनरी हृदय रोग, स्ट्रोक और कुछ प्रकार के कैंसर, विशेष रूप से कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

नमक का सेवन कम मात्रा में करें

नमक शरीर के लिए अति आवश्यक है, इसमें मौजूद सोडियम शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करते रहने में सहायक है। हृदय की लय को बनाए रखने, तंत्रिका आवेगों का संचालन करने और रक्तचाप के लिए भी इसे आवश्यक माना जाता है। हालांकि ध्यान रखें अधिक मात्रा में नमक का सेवन उच्च रक्तचाप का कारण बन सकता है। हाई सोडियम वाले खाद्य पदार्थों का लगातार सेवन हृदय की समस्याओं का कारण बनता है, इसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहना चाहिए।

संक्रमण होने पर किन चीजों का करें सेवन?

योनि में संक्रमण आमतौर पर 18-50 आयु वर्ग की महिलाओं में देखा जाता है, ऐसा मानसून और गर्मी के दौरान अधिक होता है. इसके लक्षणों में योनि स्राव, खुजली, जलन और बेचैनी आदि शामिल हैं. योनि में मुख्य रूप से स्वस्थ माइक्रोबायोटा होता है, जब अस्वस्थ माइक्रोबायोटा की स्वस्थ स्वस्थ बैक्टीरिया से अधिक होती है तो महिलाओं को योनि संक्रमण हो जाता है. मूत्रमार्ग और गुदा से योनि का मार्ग निकट होने की वजह से संक्रमण बढने की संभावना अधिक बढ़ जाती है. ऐसे में तनाव, धूम्रपान, योनि की ठीक से सफाई ना होना आदि इस समस्या और बढ़ा सकते हैं. ऐसे में इस समस्या के दौरान कौन-सा आहार लेना चाहिए, ये पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि संक्रमण के दौरान किन चीजों का सेवन न करें. इसके लिए हमने मसिना हॉस्पिटल, मुंबई की कन्सल्टेंट ऑब्सटेट्रिशियन, स्त्री रोग आणि प्रजनन विशेषज्ञ डॉ.श्रीमती. मंझर अल्तमश शेख बात की है.

किस तरह का आहार आपको लेना चाहिए?

वसा(फैट) से भरपूर आहार बीवी और गंभीर बीवी के बढ़ते जोखिमों से जुड़ा हुआ है. आहार वसा योनि के पीएच को बढ़ा सकती है और इस प्रकार बीवी की संभावना को बढ़ा सकती है. सैचुरेटेड फैट आंत की प्रतिरक्षा को कम करके भी कार्य कर सकता है. यह सीधे योनि को प्रभावित कर सकता है या फिर आंत माइक्रोबायोटा के माध्यम से प्रभावित कर सकता है.

फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर एक संतुलित, स्वस्थ आहार, संतृप्त वसा योनि के पीएच और म्यूकोसल प्रतिरक्षा को बनाए रखने में मदद कर सकता है

प्रीबायोटिक्स से भरपूर विभिन्न खाद्य पदार्थः बिना फैट वाले डेयरी उत्पाद दही, पनीर, प्याज, लीक, शतावरी, लहसुन और सोयाबीन आदि.

अच्छी तरह से पका हुआ चिकन, मांस या मछली, ताजे फल और सूखे मेवे का सेवन किया जा सकता है. हरी पत्तेदार सब्जी, ताजी सब्जियों का खूब सेवन करें.

जिन खाद्य पदार्थों से योनि में संक्रमण की संभावना बढ़ सकती है, उनमें फूल फैट वाले डेयरी उत्पाद, पनीर आदि शामिल होते हैं इसलिए इनसे बचना चाहिए. ऐसे फल और सब्जियां, जिन्हें ठीक से धोया और साफ नहीं किया जाता है उन से बचना चाहिए.

अपने चेहरे पर भूलकर भी न लगाएं ये चीजें, बनने लगेंगे काले निशान

सुंदर बनने की इच्छा सभी को होती है. ऐसे में वे हर मुमकिन कोशिश करते हैं. लोग घरेलू नुस्खे अप्लाई करते हैं या महंगी -महंगी ट्रीटमेंट्स लेते हैं. लेकिन बता दें कि इन लोगों को पता होना चाहिए कि अपने चेहरे पर किन चीजों को नहीं लगाना चाहिए. गलत जानकारी के कारण यदि त्वचा पर कुछ चीजें लगाई जाएं तो इससे त्वचा से संबंधित कई समस्याएं हो सकती हैं. ऐसे में लोगों को इन चीजों के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि आप अपने चेहरे पर किन चीजों को ना लगाएं.

भूलकर भी ना लगाएं ये चीजें

व्यक्ति को अपनी त्वचा पर नींबू नहीं लगाना चाहिए. नींबू एक तरीके का ब्लीचिंग एजेंट होता है. ऐसे में नींबू को हमेशा किसी के साथ मिलाकर लगाना चाहिए. डायरेक्ट स्किन पर नींबू लगाने से बचें.

व्यक्ति को बेकिंग सोडा भी डायरेक्ट नहीं लगाना चाहिए. इसके कारण न केवल जलन की समस्या हो सकती है बल्कि डायरेक्ट बेकिंग सोडा यदि चेहरे पर लगाया जाए तो काले काले निशान भी बनने शुरू हो जाते हैं.

व्यक्ति को अपनी त्वचा पर गर्म पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. इसके कारण स्किन के सेल्स को नुकसान पहुंच सकता है. साथ ही चेहरे पर काले निशान बन सकते हैं.

व्यक्ति को टूथपेस्ट अपनी त्वचा पर नहीं लगाना चाहिए. टूथपेस्ट न केवल जलन की समस्या पैदा कर सकता है बल्कि समस्या भी हो सकती है.

नमक और चीनी का इस्तेमाल व्यक्ति को अपनी त्वचा पर नहीं करना चाहिए. यह दोनों मिलाकर लगाने से स्किन छिल सकती है. ऐसे में लगाने से बचें.

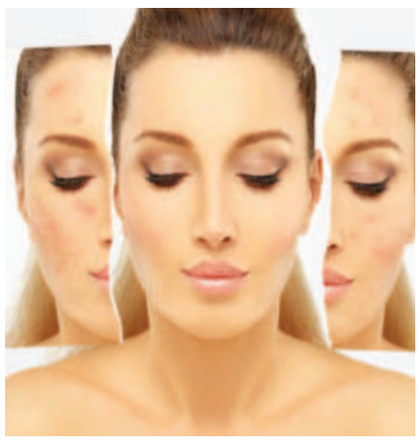

क्या आपकी आंखों में जलन व खाज होती है?

प्रश्न : मेरी आंखों की पलकों में सूजन, आंखों में जलन और खाज आने लगी है। ऐसा मस्कारा और नेत्र पेंसिल के प्रयोग के बाद हुआ है। क्या यह रिएक्शन है? क्या इसका आयुर्वेद में उपचार है?

- श्रीमती विष्णुप्रिया विजयवाड़ा

उत्तर : आंखों की पलकों में सूजन, दिखाई देने में धुंधलापन, आंखों में खाज और जलन निश्चित रूप से आपके द्वारा प्रयुक्त मस्कारे और दूसरे प्रसाधन सामग्री के प्रयोग का ही एलर्जिक रिएक्शन है। आप तुरंत ऐसी प्रसाधन सामग्री का प्रयोग बंद करें। आंखों में आईटोन आई ड्रॉप्स डालें। औरा की एलेक्झी टैबलेट्स दो-दो गोली दिन में तीन बार लेवें। एलेक्झी सिरप का भी प्रयोग किया जा सकता है। बृहद हरिद्रा खंड 3-3 ग्राम भोजन के पूर्व गुनगुने पानी से लेवें।

यदि कष्ट बढ़ता नजर आए तब तुरंत ही नेत्र चिकित्सालय पहुंचे। किसी भी तरह की नेत्र प्रसाधन सामग्री, कॉस्मेटिक्स के प्रयोग को पूरा बंद कर दें।

प्रश्न : मेरी 9 साल की बेटी के टॉन्सिल अक्सर बड़े हो जाते हैं। डॉक्टर इसे ऑपरेशन से निकाल देने की सलाह देते हैं । क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है? कृपया कर बताएं।

- ए प्रभाकर रेड्डी, मेडचल

उत्तर : टॉन्सिल ग्रंथि हमारे पाचन तंत्र की पहली सुरक्षा कड़ी है। भोजन या किसी भी पेय में जो हानिकारक जैव तत्व होते हैं - टांसिल या तुंडीकेरी ग्रंथि उसे पहले ही खत्म कर देती हैं। आज पाश्चात्य चिकित्सा विज्ञान के दिग्गज शल्य चिकित्सक भी एकमत से स्वीकार करते हैं कि टांसिल को जहां तक हो सके बचाना चाहिए, उसे निकालना या टांसिलेक्टमी को जहां तक हो सके टालना या नहीं करना चाहिए। कंठशोध, गलग्रंथिशोथ या टुंडीकेरिशोथ का आयुर्वेद में उपचार है।

ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस की 25 टिकिया, सितोपलादि चूर्ण 100 ग्राम, अभ्रक भस्म 1000 पुटी एक ग्राम, गिलोय सत्व 100 ग्राम, यष्टिमधु चूर्ण 100 ग्राम, श्रृंग भस्म 10 ग्राम को पूरा मिलाकर एक जीव कर लें। इसे सुरक्षित डब्बी में भर लें। इसे 3 ग्राम की मात्रा में सुबह -दोपहर-शाम भोजन के पहले शहद में मिलाकर चटाएं। भोजन के बाद औरा एलेक्झी टिकिया, ऊंझा कांचनार गुग्गुलु एवं ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी गुनगुने पानी से दें। हर बार भोजन या कोई भी पेय लेने पर गरारे या कुल्ली करें। हर प्रकार के मीठे, मिठाई, गुड़, शक्कर आदि से बने पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी मलाई, ठंडे पेय एवं बहुत ज्यादा पके मीठे फल से पूरा परहेज करें। बासी भोजन, फ्रिज में रखे भोजन, ठंडे पानी, दही से भी परहेज करें। चिकित्सा योग्य वैद्य के संरक्षण में कम से कम तीन से चार माह चिकित्सा चालू रखें। ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

प्रश्न : मेरी उम्र 35 वर्ष है। पिछले एक महीने से मेरे पैरों एवं हाथों की उंगलियों में दर्द व जलन होने लगी है । आयुर्वेद में इलाज बताएं। -

सांबशिव राव, मेदक

उत्तर : आपके लक्षणों से लगता है आपको वातरक्त याने गठिया का प्रकोप हुआ है। इसे ही रुगाउटर नाम से भी जाना जाता है। इसमें हाथ पैर की उंगलियों और संधियों में तीव्र पीड़ा व जलन होती है। इसमें स्पर्श असह्य हो जाता है। शून्यता (नंबनेस) और त्वक वैवर्ण्य भी प्रमुख लक्षणों के रूप में सामने आते हैं। इसकी विशेष जांच के लिए और विभेदक निदान के लिए रक्त में यूरिक एसिड के स्तर की जांच की जाती है। यदि यूरिक अम्ल का स्तर 6 के ऊपर जाता है तो यह रोग निश्चित रूप से वातरक्त ही है। आयुर्वेद में इसका उपचार है । एकौषधि में गुडूची क्वाथ, शुद्ध गुग्गुलु व वासा स्वरस का प्रयोग वांछित फल देता है। मिश्रित प्रयोगों में ऊंझा कैशोर गुग्गुलु, पुनर्नवादी गुग्गुलु या औरा अमृता गुग्गुलु विशेष रूप से उपयोगी साबित हुए हैं। पीड़ा के स्थान पर पिंड तेल की मालिश बेहतर नतीजे देती है। ऊंझा महारास्नादि क्वाथ को 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने जल के साथ मिलाकर, सुबह-शाम भोजन के बाद पीने से आराम मिलता है।

पथ्य में - सभी दालें, प्रोटीन युक्त पदार्थ कम से कम करें। उड़द, कुलथी, गन्ने का रस, दही आदि बंद करें। दिन में सोना, धूप का सेवन, अधिक व्यायाम, मैथुन आदि कर्म को त्यागना चाहिए।

डॉ च पुरुषोत्तम बिदादा

Email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य चिपकाएं।

आयुर्वेदिक प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396 लोअर टैंकबंड, हैदराबाद-80

इन वजहों से गॉलब्लैडर स्टोन का खतरा

शरीर में विषाक्त पदार्थ और अपशिष्टों का जमा होना कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकता है। पथरी बनना ऐसी ही एक समस्या है। स्टोन की समस्या मुख्यरूप से शरीर के दो हिस्सों-किडनी या पित्त की थैली में बन सकती है। किडनी में बनने वाले स्टोन को दवाइयों और घरेलू उपायों के माध्मय से निकालना आसान होता है जबकि पित्त की थैली, चूंकि एक बंद थैली नुमा अंग है ऐसे में इसमें होने वाले स्टोन को निकालने के लिए ज्यादातर मामलों में सर्जरी को ही एक विकल्प माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक हमारे खान-पान की गड़बड़ आदतें गॉलब्लैडर स्टोन का कारण बन सकती हैं।

पाचन तरल पदार्थों के अपशिष्टों के जमा होने के कारण पित्ताशय की थैली में पथरी बनती है। पित्ताशय या गॉलब्लेडर, पेट के दाहिने ओर लिवर के ठीक नीचे एक छोटा नाशपाती के आकार का अंग होता है। पित्ताशय की थैली में पित्त नामक एक पाचक द्रव होता है जो छोटी आंत में स्रावित होता रहता है, यह पाचन के लिए आवश्यक माना जाता है। गॉलब्लेडर स्टोन की स्थिति में पेट में तेज दर्द की समस्या होती है, इससे बचाव के लिए जीवनशैली और आहार का ठीक रखना बहुत आवश्यक माना जाता है। आइए जानते हैं कि किन वजहों से पित्ताशय में पथरी बन सकती है?

कोलेस्ट्रॉल की अधिकता

पित्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत अधिक होती है। आमतौर पर पित्त में कोलेस्ट्रॉल को खत्म करने के लिए पर्याप्त मात्रा में रसायन होते हैं, हालांकि अगर लिवर पित्त की तुलना में अधिक कोलेस्ट्रॉल का उत्सर्जन करने लगता है तो इसे कम करना कठिन हो जाता है। इस स्थिति में अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल, क्रिस्टल के रूप में पित्त की थैली में जमा होने लगता है। यही जमाव गॉलब्लैडर स्टोन का कारण बन सकती है।

बिलीरुबिन की मात्रा का बढ़ना

पित्त में बिलीरुबिन की भी अधिकता होती है। बिलीरुबिन एक रसायन है जो लाल रक्त कोशिकाओं के ब्रेक डाउन के समय उत्पन्न होता है। कुछ स्थितियों के कारण जब आपका लिवर बहुत अधिक मात्रा में बिलीरुबिन बनाने लगता है तो इससे लिवर सिरोसिस, पित्त पथ में संक्रमण, पीलिया और कुछ रक्त विकार हो सकते हैं। अतिरिक्त बिलीरुबिन के कारण भी पित्त की थैली में पथरी बन सकती है।

पित्ताशय का ठीक से खाली न होना

अगर आपका पित्ताशय ठीक से खाली नहीं हो रहा तो इस स्थिति में भी पित्त का अधिक जमाव हो सकता है जिसके कारण पित्त की थैली में पथरी का निर्माण होने लगता है। पित्ताशय के ठीक तरीके से खाली ने होने की शारीरिक रूप से कई वजहें हो सकती हैं।

गॉलब्लेडर स्टोन का कारण बनने वाली स्थितियां

मोटापा या अधिक वजन होने से भी पित्त की थैली में पथरी होने का खतरा बढ़ जाता है।

जिन लोगों के आहार में फाइबर वाली चीजों की मात्रा कम होती है उनमें भी गॉलब्लैडर स्टोन का खतरा रहता है।

भोजन छोड़ना या अक्सर उपवास करना भी पित्त की पथरी के खतरे को बढ़ा सकता है।

कोयले के भाव बढ़ाने के 'मजबूत आधार'

कोल इंडिया के चेयरमैन बोले- जल्द बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां)। कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि कोयले की कीमतें बढ़ाने के लिए फिलहाल 'मजबूत आधार' माजूद हैं और यह वृद्धि 'बहुत जल्द' की जा सकती है।

हितधारकों के साथ इसकी चर्चा चल रही है। अग्रवाल ने यह भी कहा कि उन्हें विश्वास है कि खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी 2025-26 तक एक अरब टन के अपने उत्पादन लक्ष्य को हासिल कर लेगी। उन्होंने कहा, 'कोयले की कीमतें बढ़ाने का मजबूत आधार है, क्योंकि पिछले पांच साल में ऐसा नहीं हुआ है। इस साल वेतन पर बातचीत भी हुई है, जिसका असर सीआईएल की वित्तीय स्थिति पर पड़ेगा, खासकर कुछ सहायक कंपनियों पर इसका असर पड़ेगा जहां श्रमशक्ति लागत बहुत अधिक है।उन्होंने कहा, 'अगर कीमतें नहीं बढ़ाई गईं तो कई समस्याएं होंगी। इस पर हितधारकों के साथ चर्चा चल रही है।' अग्रवाल ने कोलकाता में एमजंक्शन की ओर से आयोजित भारतीय कोयला बाजार सम्मेलन के दौरान कहा, 'यह बहुत जल्दी होगा।' एक अरब टन उत्पादन लक्ष्य के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि हालांकि कोल इंडिया 2025-26 तक इसे हासिल करने की राह पर है, लेकिन यह देश की जरूरत और निजी क्षेत्र की वृद्धि जैसे कारकों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, जो महत्वपूर्ण है वह है उत्पादन करने की तत्परता है। कोल इंडिया के चेयरमैन ने कहा कि कोई भी देश तब तक विकास नहीं कर सकता जब तक कि उसके ऊर्जा संसाधन सुरक्षित नहीं हो जाते। उन्होंने कहा, इसलिए हमें उत्पादन करने के लिए तैयार रहना चाहिए यदि इसकी आवश्यकता है। उत्पादन को उसी अनुसार समायोजित किया जा सकता है। कोल इंडिया के प्रमुख ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य 2030 तक भूमिगत कोयला उत्पादन को मौजूदा 25-30 करोड़ टन उत्पादन को बढ़ाकर 100 करोड़ टन करना है।

अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद के बीच एनएसई का बड़ा बयान

कहा- हमारी सभी निगरानी कार्रवाई पारदर्शी

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां)। अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद के बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपनी निगरानी कार्रवाइयों के बारे में एक बयान जारी किया। देश के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज ने जोर देकर कहा कि सभी व्यक्तिगत शेयरों पर इसका निगरानी तंत्र पूरी तरह से पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त है। एनएसई ने रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि अतिरिक्त निगरानी उपायों (एएसएम) और अन्य व्यापारिक गतिविधि-आधारित विशिष्ट नियमों जैसे मूल्य बैंड, व्यापार के लिए व्यापार (टी 2 टी) और अन्य के तहत स्टॉक्स को जोड़ने और बाहर करने की प्रक्रिया उन मापदंडों पर आधारित है जो मूल्य अस्थिरता, मात्रा, बाजार पूंजीकरण, ग्राहक एकाग्रता और तरलता मापदंडों पर संचालित होते हैं। एनएसई की ओर से जारी बयान में कहा गया है, 'आवेदन की अवधि के साथ सटीक मापदंड सार्वजनिक डोमेन में रहे हैं और लगातार लागू किए गए हैं।' उन्होंने कहा, 'एक्सचेंजों में आम बात है कि ये नियम स्वतः लागू होते हैं और इनपर किसी भी मानवीय दखल की गुंजाइश नहीं है। साथ ही ये नियम और समीक्षा अवधि भी बाजार के लिए पूर्व-घोषित होते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव एक्सचेंज है एनएसई

दुनिया के सबसे बड़े डेरिवेटिव एक्सचेंज का यह बयान अदाणी समूह के तीन शेयरों को एएसएम तंत्र से हटाए जाने के दो दिन बाद आया है। इसमें अदाणी एंटरप्राइजेज, अडानी ग्रीन एनर्जी और नई दिल्ली टेलीविजन (एनडीटीवी) के शेयर शामिल हैं। एएसएम सेबी और एक्सचेंजों की एक पहल है जिसमें निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिभूतियों को अल्पकालिक या दीर्घकालिक ढांचे में स्थानांतरित किया जाता है। दूसरी ओर, स्टॉक एक्सचेंजों के अनुसार अदाणी समूह के दो शेयरों को सोमवार, 20 मार्च, 2023 से दीर्घकालिक अतिरिक्त निगरानी उपायों (एएसएम) के पहले चरण में रखा जाएगा। बीएसई और एनएसई ने अपने परिपत्रों में कहा कि दोनों प्रतिभूतियों को 20 मार्च से दीर्घकालिक एएसएम फ्रेमवर्क में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

उच्च अस्थिरता के कारण अदाणी समूह के शेयरों को रखा गया था एएसएम ढांचे के तहत

हालांकि एनएसई ने अपने बयान में किसी खास समूह या कंपनी के नाम का उल्लेख नहीं किया है। उच्च अस्थिरता के बीच निवेशकों की सुरक्षा के लिए एक्सचेंजों की ओर से शेयरों को अतिरिक्त निगरानी ढांचे के तहत रखा जाता है। दिलचस्प बात यह है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद उच्च अस्थिरता के कारण अदाणी समूह के शेयरों को एएसएम ढांचे के तहत रखा गया है।

इस पूरे ढांचे का समय-परीक्षण किया गया है। एक्सचेंज ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि नए नियमों के आधार पर भविष्य में कोई कार्रवाई लागू होने से पहले उक्त नियमों में किसी भी बदलाव की घोषणा एक्सचेंज की ओर से पहले ही कर दी जाती है।

सभी रिकॉर्ड टूट गए, पहली बार सोना 60,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंचा

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां)। सोने के दाम पहली बार ऐतिहासिक लेवल 60,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार जा पहुंचा है।सोमवार 20 मार्च 2023 को एमसीएक्स पर दिन के कारोबार के दौरान सोना 60,065 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड लेवल पर जा पहुंचा।शेयर बाजार और दूसरे कमोडिटी में निवेशकों की भारी बिकवाली के बाद निवेशक अपनी गाढ़ी निवेशक को सुरक्षित करने के लिए सोने में निवेश कर रहे है।सोने में बढ़ती खरीदारी के चलते सोना नए ऐतिहासिक रिकॉर्ड लेवल पर ट्रेड कर रहा है।

60,418 रुपये पर सोना

एमसीएक्स पर सोना सुबह 59,418 रुपये पर खुला था।लेकिन दिन बढ़ने के साथ सोना पहले 60,000 के पार गया फिर 60,418 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल पर जा पहुंचा।यानि आज के कारोबार में सोने के दामों में करीब 1000 रुपये प्रति 10 ग्राम का उछाल देखा जा रहा है।सोना ही नहीं बल्कि चांदी के दामों में भी तेजी देखी जा रही है।चांदी 69,000 रुपये किलो के पार जा पहुंचा है और फिलहाल 69,100 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रहा है।

क्यों आया दामों में उछाल

अमेरिका में सिलिकन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के क्राइसिस के बाद दिग्गज स्विक इंवेस्टमेंट बैंक क्रडिट सुइस में भी संकट देखने को मिला।बैंकिंग क्राइसिस के चलते दुनियाभर के शेयर बाजारों में भारी बिकवाली देखी जा रही है जिसमें भारतीय बाजार भी शामिल है।निवेशक स्टॉक्स बेचकर सोना में निवेश बढ़ा रहे हैं। मौजूदा वैश्विक हालात के मद्देनजर सोने में निवेश को सबसे सुरक्षित माना जा रहा है।अमेरिका में बॉन्ड रेट गिर रहा है तो डॉलर इंडेक्स में भी गिरावट है।वहीं 22 मार्च को अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लेकर फैसला लेने वाला है जिसमें एक चौथाई फीसदी ब्याज दरें में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है।

ऐसे में सिक्योरिटिज मार्केट से निवेशक बेचकर निकल सकते हैं तो सोना में निवेश को बढ़ा सकते हैं।इन उम्मीदों के चलते भी सोने के दामों में तेजी देखी जा रही है।

ट्रेडमार्क को समझें, अपनी कंपनी और प्रोडक्ट को प्रोटेक्ट करें

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां)। फाउंडर के लिए बिज़नस/स्टार्टअप एक बच्चे की तरह होता है, एक बच्चे को पालने और बड़ा करने में जितनी मेहनत और केयर की जरूरत होती है, वहीं ये भी जरुरी होता है कि उससे बाहर की प्रोब्लम्स और बीमारियों से कैसे बचाएं।ये प्रॉब्लम और बीमारियां जैसे शरीर को कमजोर कर देती हैं, वैसे ही कंपनी और स्टार्टअप को भी कमजोर कर देती हैं।बहुत से फाउंडर्स इस बात को तब समझ पाते है जब देर हो चुकी होती है, तो चलिए आज इसी लीगल वैक्सीन यानी ट्रेडमार्क को समझते हैं, कि किस तरह से एक ट्रेडमार्क आपके बिज़नेस की इम्युनिटी को बचाता है और आपको आने वाली समस्याओं से प्रोटेक्ट करता है।

कोई भी बिज़नस बहुत मेहनत से बनता है, उसके नाम, लोगो, टैगलाइन, कलर कॉम्बिनेशन, प्रोडक्ट, पैकिंग को बनाने में महीनों लग जाते हैं, सोचिये आपने महीनों तक मेहनत करके ये सब कुछ बनाया और और आपका बिज़नस चल निकला, अचानक आपने किसी शॉप पर, या कहीं पर अपने ही नाम का एक नया प्रोडक्ट/लोगो देख लिया जो आपका नहीं है, लेकिन आपके जैसे ही नाम को यूज करके बिज़नेस कर रहा है, तो बहुत बुरा लगेगा ना ? जी हां, बहुत लेकिन अगर आपने अपने बिज़नेस ट्रेडमार्क के अन्दर प्रोटेक्ट नही कर रखा है तो कुछ नहीं हो सकता, ट्रेडमार्क आपके इन्हीं जरूरतों को लीगल तौर पर आपका बना देता है, जिससे कि आपके ब्रांड को कोई कॉपी ना कर सके, और आप बिना डरे बिज़नेस कर सकें.इतना ही नहीं, इसका दूसरा साइड भी है, सोचिये आपने एक नाम से बिज़नेस शुरू कर दिया लेकिन बाद में पता चलता है कि ऐसा ही नाम किसी और ने बहुत पहले ही रजिस्टर करा रखा है, तो आप लीगल झमेले में आ सकते हैं और आपको अपना बिज़नेस केवल बंद ही नहीं बल्कि फ़ाइन भी देना पड़ सकता है।तो एक स्टार्टअप फाउंडर के रूप में मेरी यही सलाह है कि ट्रेडमार्क को हल्के में न लें, इसे जरूर करा लेना।

900 अंकों तक फिसलने के बाद बाजार में निचले लेवल से सुधार,360 अंक गिरकर सेंसेक्स हुआ बंद

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका यूरोप के बैंकिंग क्राइसिस का खामियाजा भारतीय शेयर बाजार को उठाना पड़ा है।हफ्ते के पहले कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।निवेशकों के मुनाफावसीली के चलते सेंसेक्स दिन के दौरान 900 तो निफ्टी 270 अंकों नीचे जा लुढ़का था।

हालांकि निचले लेवल से बाजार में रिकवरी लौटी।इसके बावजूद बीएसई सेंसेक्स 300 अंकों की गिरावट के साथ 57,689 अंकों पर तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 100 अंकों की गिरावट के साथ 17001 पर बंद हुआ है।

सेक्टरोल अपडेट

आज के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, मेटल्स, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है।जबकि एफएमसीजी, मीडिया सेक्टर के शेयर में तेजी रही।मिडकै और स्मॉल कैप इंडेक्स भी गिरकर बंद हुआ है।सेंसेक्स के 30 शेयरों में 5 स्टॉक्स हरे निशान में और 25 लाल निशान में बंद हुआ है।निफ्टी के 50 शेयरों में 13 में तेजी रही जबकि 37 शेयर गिरकर बंद हुए।

चढ़ने - गिरने वाले शेयर

आज के ट्रेड में एचयूएल 2.61 फीसदी, बीपीसीएल 2.35 फीसदी, आईटीसी 0.87 फीसदी, ग्रासिम 0.48 फीसदी, नेस्ले 0य42 फीसदी, कोटक महिंद्रा 0.39 फीसदी, सन फार्मा 0.37 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।गिरने वाले शेयरों पर नजर डालें तो बजाज फिनसर्व 4.33 फीसदी, अडानी इंटरप्राइजेज 3.82 फीसदी, बजाज फाइनैंस 3.17 फीसदी, हिंडाल्को 2.76 फीसदी और विप्रो 2.48 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

निवेशकों की संपत्ति में गिरावट

निवेशकों की संपत्ति में गिरावट देखने को मिली है।शेयर बाजार बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 255.64 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है जो शुक्रवार को 257.59 लाख करोड़ रुपये था।यानि आज के ट्रेडिंग सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.95 लाख करोड़ रुपये की सेंध लगी है।

महंगाई का झटका: दूध के दाम को लेकर आई ऐसी खबर जो बढ़ा देगी आपकी चिंता, क्या फिर बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां)। देश के लोगों के लिए इस समय महंगाई के झटके बदस्तूर जारी हैं।जहां रोजमर्रा के खाने-पीने के सामान लगातार महंगे होते जा रहे हैं वहीं इनके दाम आगे चलकर कम होंगे-ऐसे आसार भी कम नजर आ रहे हैं।अब दूध की कीमतों को लेकर ऐसी रिपोर्ट आई है जो आपकी चिंता और बढ़ा सकती है।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में बताई गई बड़ी बात

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले छह महीनों में दूध की कीमतों में काफी तेजी देखी गई है और पीक डिमांड सीजन में दूध की कमी के कारण कीमतों का बढ़ना जारी रहेगा।रिपोर्ट में कहा गया है कि दूध और दुग्ध उत्पादों में पिछले 12 महीनों में सालाना आधार पर 6.5 फीसदी की औसत महंगाई दर देखी गई है।

पिछले पांच महीनों में दूध की कीमतें 8.1 फीसदी बढ़ीं

अगर हम पिछले पांच महीनों को देखें तो यह बढ़कर 8.1 फीसदी हो जाती है।पिछले वर्ष की तुलना में मासिक गति 0.8 फीसदी रही है।0.3 फीसदी के पूर्व-महामारी के पांच साल के औसत से दोगुने से भी अधिक, जबकि समग्र हेडलाइन महंगाई दर में इसका योगदान 6 फीसदी तक महामारी के बाद टिक गया है।इसके अतिरिक्त, घरेलू कमी को जोड़ते

हुए, पिछले तीन सालों में भारत के डेयरी उत्पादों के निर्यात में भी काफी वृद्धि हुई है।डेयरी निर्यात वित्तीय वर्ष 21 से वित्तीय वर्ष 22 तक दोगुना हो गया, मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बढ़ोतरी के कारण, और वित्तीय वर्ष 23 में और बढ़ने की गति पर है।

दूध के दाम क्यों बढ़ रहे हैं

दूध की कीमतों में जारी तेजी के कई कारक हैं, जो बढ़ती लागत लागत, महामारी के कारण व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय कीमतों से जुड़े हैं।रिपोर्ट के अनुसार, सबसे बड़े कारकों में से पशु चारे की कीमतों में तेज वृद्धि रही है।

फरवरी 2022 से चारे की कीमतें दो अंकों की दर से बढ़ रही हैं, और वास्तव में मई के बाद से साल-दर-साल कीमतों में बदलाव 20 फीसदी से नीचे नहीं आया है।पिछले तीन महीनों में पशु चारे की कीमतों में कुछ कमी आई है, लेकिन पिछले वर्ष से औसतन 6 फीसदी से अधिक रही है।

मौत के बाद डी-एक्टिवेट हो सकेगा आधार

डेथ सर्टिफिकेट जारी होने के बाद बंद होगा नंबर, परिवार की मंजूरी जरूरी होगी

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां)। किसी व्यक्ति की मौत के बाद उसका आधार कार्ड डी-एक्टिवेट किया जा सकेगा। यूनीक आईडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया और रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया इसके लिए एक मैकेनिज्म बनाने और उसे शुरू करने पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में सरकार के सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि डेथ सर्टिफिकेट जारी किए जाने के बाद मृतक के परिवार को आधार नंबर बंद करने के लिए दस्तावेज भेजा जाएगा। परिवार की मंजूरी मिलने के बाद आधार नंबर को बंद कर दिया जाएगा। परिजनों को डेथ सर्टिफिकेट जारी किए जाने के बाद आधार नंबर दिखाना होगा। यह प्रक्रिया राज्य सरकारों को लागू करनी है इसलिए उनसे भी इस बारे में चर्चा अभी की जा रही है।किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसका आधार डिएक्टिवेट नहीं होता, क्योंकि अभी ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। केंद्र सरकार ने लोकसभा में कहा था कि मौजूदा समय में किसी मृत व्यक्ति के आधार नंबर को कैंसिल करने की कोई व्यवस्था नहीं है। सरकार ने रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 में संशोधन के ड्रॉफ्ट पर यूआईडीएआई से सुझाव मांगे थे। इसमें इस बात का जिक्र था कि मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करते समय मृतक का आधार लिया जा सके। अभी ऐसा नहीं होता। सुझाव मांगने के साथ ही प्रक्रिया पर बातचीत शुरू हुई।जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार और यूआईडीएआई के बीच मृत्यु के बाद आधार नंबर लेने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है तो उसका गलत इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा सरकार पूरे देश में बर्थ सर्टिफिकेट के साथ ही आधार नंबर अलॉट करने की योजना पर भी काम कर रही है। अभी 20 राज्य इस सिस्टम को लागू कर चुके हैं। इसमें 5 साल तक के बच्चों का कोई बायोमेट्रिक्स नहीं लिया जाता है। उनके उनके माता-पिता जानकारियों के आधार पर जारी कर दिया जाता है। बच्चे के 5 और 15 साल के हो जाने पर (दस उगुलियों और चेहरे की तस्वीर) बायोमेट्रिक्स लिया जाता है।

क्रेडिट सुईस के बिकने से सरकारों को राहत

पर इन हजारों लोगों की नौकरियों पर सांसत

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां)। यूरोप के सबसे पुराने बैंकों में से एक क्रेडिट सुईस अब बिक चुका है।इसे स्विट्जरलैंड के ही एक अन्य प्रमुख बैंक यूबीएस ने 3.25 बिलियन डॉलर में खरीद लिया है।कई दिनों से चल रही बातचीत के बात रविवार देर शाम इस सौदे पर हस्ताक्षर हो गए।इस डील को मौजूदा बैंकिंग संकट के परिप्रेक्ष्य में बड़ा डेवलपमेंट माना जा रहा है।हालांकि यह सौदा होते ही हजारों लोगों के सामने बेरोजगार होने का खतरा भी मंडरा रहा है.अमेरिका से शुरू हुआ मौजूदा बैंकिंग संकट पूरी दुनिया में असर दिखा रहा है।अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक, सिग्नेचर बैंक, फर्स्ट रिपब्लिक बैंक, वेस्टर्न पैसिफिक बैंक आदि मौजूदा संकट के शिकार बन चुके हैं।हालांकि क्रेडिट सुईस इस संकट का शिकार होने वाला सबसे बड़ा नाम है।167 साल पहले शुरू हुए इस बैंक को बैंकिंग की दुनिया में बड़ा प्रतिष्ठित नाम माना जाता रहा था।यही कारण है कि क्रेडिट सुईस के संकट में फंसने से न सिर्फ स्विट्जरलैंड की सरकार को चिंता हो गई, बल्कि ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक भी सरकारें चौकन्नी हो गई।क्रेडिट सुईस के डूबने का असर व्यापक न हो, इसे लेकर तमाम सरकारें व प्राधिकरण हस्तक्षेप करने लगीं।इसी क्रम में स्विट्जरलैंड का ही एक अन्य प्रमुख बैंक यूबीएस इसे खरीदने के लिए आगे आया।

दैनिक पंचांग

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु- बसंत दिशाशूल- उत्तर • गुड खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस्या • **22 -52** उपरान्त प्रतिपदा
मास • चैत्र कृष्ण पक्ष , मंगलवार **Mar 21**
नक्षत्र • पूर्वभाद्रपद • **17 -25** तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग • शुभ • **12 - 40** • तक उप शुक्ल
करण- चतुष्पाद • **12 - 17** • तक उप- नाग
विशेष:- देव पितृ कार्ये भौमवती अमावस्या
व्रत -त्योहार • विक्रम सं.२०७९ पूर्णता

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन में	मीन...	06-04 बजे
चंद्र-	कुंभ में	मेष--	07-40 बजे
मंगल	मिथुन में	वृष--	09-25 बजे
बुध-	मीन में	मिथुन.	11-27 बजे
गुरु-	मीन में	कर्क...	13-37 बजे
शुक्र-	मेष में	सिंह...	15-50 बजे
शनि-	कुंभ में	कन्या..	17-57 बजे
राहु-	मेष में	तुला	20-02 बजे
केतु-	तुला में	वृश्चिक	22-11 बजे
		धनु.....	00-25 बजे
		मकर..	02-32 बजे
		कुंभ...	04-22 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 16:55 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:23 - 07:52 अशुभ	काल.	18:26 - 19:55 अशुभ
उत्पात	07:52 - 09:22 अशुभ	लाभ.	19:55 - 21:24 शुभ
चंचल	09:22 - 10:53 शुभ	उत्पात	21:24 - 22:54 अशुभ
लाभ	10:53 - 12:23 शुभ	शुभ	22:54 - 00:23 शुभ
अमृत	12:23 - 13:54 शुभ	अमृत	00:23 - 01:52 शुभ
काल.	13:54 - 15:25 अशुभ	चंचल	01:52 - 03:22 शुभ
शुभ.	15:25 - 16:55 शुभ	रोग	03:22 - 04:51 अशुभ
रोग	16:55 - 18:23 अशुभ	काल	04:51 - 06:23 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है । किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेहतर समय को याद करने लगेंगे । किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं । आज आप अपनी वर्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है । अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नहीं पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है । भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे । उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें। इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है । आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो । आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा । आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है ।अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा।आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है । आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा ।आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी । आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे ।अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेंगे ।जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

धनु ये, यों,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है ।आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे । किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा । समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालांकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिनो किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज जहा तक पैसे की बात है तो आप के लिए एक भाग्यशाली दिन है। अगर अतीत में आपने किसी को धन उधार दिया है तो आपको अपने पैसे वापस मिल सकते हैं।आपकी किस्मत चिट फंड या जुए के किसी अन्य रूप में आपको वित्तीय लाभ पंहुचा सकती है । छात्रों का करियर सही दिशा में आगे बढेगा या किसी भी परीक्षा में अगर वे बैठेंगे तो उन्हें अच्छा परिणाम मिलेगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गले की खराश के लिए गरारे फायदेमंद

नमक या बीटाडीन किससे करना है गरारे, क्या थायराइड के पेशेंट के लिए नहीं है सेफ

नई दिल्ली, 20 मार्च। (एक्सक्लूसिव डेस्क) एच3एन2 के एक लक्षण में गले में खराश भी शामिल है। कोरोना का भी यह एक लक्षण था। तब हमने इससे बचने के लिए क्या किया था।

खूब गार्गल यानी गरारा किया।

लोगों ने एक-दूसरे को नमक पानी, हल्दी पानी और बीटाडीन से भी गार्गल करने की सलाह दी।

गले में खराश के कारण क्या हो सकते हैं?

आमतौर से इन 3 वजहों से गले में खराश होते हैं

सर्दी-जुकाम

बैक्टीरियल इन्फेक्शन

वायरल इन्फेक्शन

क्या गार्गल करना सच में गले के लिए अच्छा होता है?

जनरल फिजिशियन डॉ. बाल कृष्ण श्रीवास्तव कहते हैं कि ये सिर्फ शरीर में मौजूद एसिड को न्यूट्रलाइज ही नहीं करता बल्कि गले को भी साफ करता है। माउथवॉश से भी गार्गल किया जा सकता है। इससे मुंह के बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं। बैक्टीरिया अक्सर मुंह के नैचुरल पीएच बैलेंस को डिस्टर्ब कर देते हैं जिसे मेंटेन करने में ये मदद करता है।

क्या गार्गल करने से दूसरी बीमारियां भी ठीक हो सकती हैं?

एचएन रिलायंस हॉस्पिटल मुंबई की डॉ. गौरी मार्चेंट के मुताबिक गार्गल से दूसरी कई परेशानियां भी सॉल्व होती हैं। जैसे-

एलर्जी: कई बार धूल, बदबू वाली जगहों पर जाने से एलर्जी हो जाती है। जिसकी वजह से गले में सूजन आ जाती है। ऐसे में नमक के पानी से गरारे करने से सूजन और एलर्जी दूर हो जाती है।

दांतों में कीटाणु: दांतों में कुछ फंसने की वजह से कीटाणुओं से कई तरह के इन्फेक्शन मुंह में हो जाते हैं। नमक पानी से गरारे करने से मुंह से हार्मफुल बैक्टीरिया को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इससे मसूड़े की सूजन, कैविटी का रिस्क भी कम हो जाता है।

साइनसाइटिस और रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन: कभी कदार रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन और साइनसाइटिस की वजह से गले में दर्द हो जाता है। जिससे फ्लू, जुकाम और खांसी हो जाती है। गार्गल से ये दिक्कतें काफी कम हो जाती हैं।

गार्गल करने का सही तरीका क्या है?

ऊपर लिखी तमाम बातों को ध्यान में रखकर इन टिप्स अपना सकते हैं

एक गिलास गुनगुना गर्म पानी में सेंधा नमक या सादा नमक डालकर गार्गल करें।

पानी ज्यादा गर्म नहीं होना चाहिए, इससे आपका गला जल सकता है। अब इस पानी का घूंट मुंह में लें, गर्दन पीछे झुकाएं और गार्गल करें। गार्गल करते समय पानी मुंह में दस सेकेंड से ज्यादा नहीं रखें। गार्गल के पूरे प्रोसेस को तीन से चार बार दोहराएं।

गार्गल करने के बाद सीधे खुली हवा या एसी में न जाएं।

गले को कपड़े से अच्छी तरह ढंककर रखना चाहिए।

दिन में कितनी बार गॉर्गल करना चाहिए?

अगर आपको डॉक्टर ने गार्गल करने की सलाह दी है तो उनके निर्देश के हिसाब से ही गार्गल करें। डॉक्टर आपके कान, नाक और गले को देखकर और आपकी बीमारी के लक्षण को पहचानकर यह तय करते हैं कि दिन में दो बार गार्गल करना है तीन बार या फिर चार बार।

अगर आप खुद अपनी परेशानी की वजह से गार्गल कर रहे हैं तो दिन भर में 2 बार से ज्यादा न करें।

यहीं नहीं डॉक्टर बीमारी के आधार पर ही आपको यह बताते हैं कि नमक से गार्गल करना है, बीटाडीन से या फिर डिसप्रिन से। खुद कुछ भी अजमाएं नहीं।

सुबह खाली पेट गार्गल करने से बचें।

मुंह को साफ रखने के लिए खाना खाने के बाद पानी से गार्गल करना अच्छा होता है।

आम तौर से लोग नमक पानी गार्गल करते हैं, इसके लिए नमक किस हिसाब से डालना चाहिए?

नमक के पानी से गार्गल करने के लिए आधा कप पानी में 1/4 छोटा चम्मच नमक डालना चाहिए।

इसके बाद अच्छी तरह से घोलने के बाद गार्गल करें।

क्या रोज नमक के पानी से गार्गल करना ठीक है?

नमक के पानी से गार्गल हफ्ते में तीन से चार बार किया जा सकता है। बिना कारण रोजाना करना रिस्की हो सकता है। याद रखें कि नमक में सोडियम होता है, और बहुत अधिक सोडियम आपके दांतों के इनेमल को खराब कर देता है।

नोट: जिन लोगों को ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम है, उन्हें भी नमक पानी गार्गल नहीं करना चाहिए। डॉक्टर अगर आपको इसकी सलाह दे रहा है तो फौरन उसे बता दें कि आप बीपी के पेशेंट हैं।

ओरल हेल्थ से रिलेटेड कोई प्रॉब्लम होने पर भी डेंटिस्ट माउथवॉश से गार्गल करने की सलाह देते हैं, क्या आप बता सकते हैं कि इसका सही तरीका क्या है?

रूबी हॉल क्लीनिक पूणे के प्रोस्थोडोन्टिक्स, डॉ. सचिव नंदा ओरल हेल्थ से जुड़ी कुछ टिप्स बता रहे हैं

ऐसे टूथपेस्ट को यूज करें जिसमें फ्लोराइड मिला हो। इससे ब्रश करने के बाद दो बार फ्लॉस जरूर करें। फिर साफ पानी से खुल्ला करें। इसके बाद ही माउथवॉश यूज करना चाहिए, तभी फायदा मिलेगा।

गार्गल करने के बाद के 30 मिनट खाना-पीना नहीं चाहिए।

6 साल से कम उम्र के बच्चों को माउथवॉश यूज नहीं करना चाहिए। यह बच्चे के लिए खतरनाक हो सकता है।

बेटाडीन गार्गल और माउथवॉश में 2% पोविडोन आयोडीन होता है। यह बैक्टीरिया, वायरस, फंगल आदि कीटाणुओं को मारता है इसलिए इसका इस्तेमाल हमेशा मुंह और गले में होने वाले एक्यूट इन्फेक्शन में किया जाता है। जैसे- मसूड़ों की सूजन, मुंह के छाले, दांत और मुंह की सर्जरी से पहले, उसके दौरान और बाद में मुंह को साफ करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अगर आपको पोविडोन आयोडीन से एलर्जी है तो बेटाडीन गार्गल माउथवॉश यूज न करें। थायराइड के पेशेंट और वो लोग जो डिप्रेशन के लिए लिथियम थेरेपी ले रहे हैं वो भी इसे यूज न करें। इससे आपकी बीमारी बढ़ सकती है। ऐसे लोग गुनगुने पानी से गार्गल कर सकते हैं। किसी भी माउथवॉश को निगलना नहीं चाहिए। माउथवॉश का पैक खुलने के 15 दिन बाद तक ही यूज करना चाहिए।

किसी भी तरह का माउथवॉश लगातार महीनों तक यूज न करें, 15 दिन यूज करने के बाद 15 दिन का ब्रेक लें। इसके बाद दोबारा यूज कर सकते हैं।

क्या गार्गल से कुछ नुकसान हो सकता है?

गार्गल के यूं तो फायदे ही होते हैं, लेकिन इसे जरूरत से ज्यादा कर लेने से नुकसान भी हो सकते हैं। कोरोना के दौरान लोगों ने खूब गार्गल किया था। कुछ लोगों को ऐसा भी लगता था कि तेज गर्म पानी से गार्गल करने की वजह से कोरोना नहीं होगा। इस बेवकूफी से उनकी जीभ जल गई थी। गले की परेशानी भी बढ़ गई थी। इसलिए गार्गल करने वाले नीचे लिखी बातों को याद रखें। जैसे-

1. आमतौर पर लोग नमक वाले गुनगुने पानी से गार्गल करते हैं, लेकिन अगर आप हाई ब्लड प्रेशर के पेशेंट हैं तो नमक का इस्तेमाल न करें। ऐसा इसलिए क्योंकि आपका शरीर नमक को सोखने लगता है जिससे ब्लड प्रेशर पर असर हो सकता है।

2. कुछ लोग दिन में कई बार गार्गल कर रहे हैं, जिसकी वजह से गले में सूजन भी आ सकती है। इसलिए अगर आपको इंफेक्शन नहीं है, तो हफ्ते में सिर्फ दो बार गार्गल करना काफी है।

छोटे बच्चों के लिए गार्गल करना कितना सेफ है?

पांच साल से छोटे बच्चे को गार्गल करने न दें। इसके बाद अगर बच्चा खुद पानी के गरारे कर सकता है तो उसे हल्के गुनगुने पानी में आधा चुटकी नमक डालकर गरारे करवाएं।

डिस्प्रिन टेबलेट से गार्गल क्यों किया जाता है?

डिस्प्रिन पेनकिलर है। इसको खाते हैं तो दर्द में आराम मिलता है। इस वजह से जब गले में ज्यादा दर्द होता है तब डॉक्टर इसके गार्गल करने को कहते हैं।

गार्गल करने के और भी है तरीके जान लें लेकिन आजमाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें

तुलसी

सर्दी खांसी की प्रॉबल्म को दूर करने के लिए तुलसी के पानी से गार्गल कर सकते हैं। इससे गले की खराश, सूजन और दर्द में आराम मिलता है क्योंकि तुलसी एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुणों से भरपूर होती है।

हल्दी और नमक

नमक एंटी बैक्टीरियल होता है और हल्दी एंटी इंफ्लेमेटरी होती है जो मुंह के अंदर मौजूद बैक्टीरिया को खत्म कर देता है। इसका गार्गल करने से गले की लगभग सारी परेशानी दूर हो जाती है।

त्रिफला

त्रिफला में एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं। अगर गले में सूजन है तो त्रिफला के पानी से गार्गल करना बेस्ट तरीका है। इससे टॉन्सिल्स के दर्द में भी आराम मिलेगा।

पीएम आवास योजना पर बवाल, बीजेपी का वॉकआउट

चौबे ने कहा- इन्हें बताते मैं खुद कन्फ्यूज हो गया, विपक्ष बोले- गुमराह कर रहे मंत्री

रायपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही सदन में प्रधानमंत्री आवास योजना पर बवाल हुआ। विपक्ष के सदस्यों ने आवास की संख्या पर सवाल किया। साल 2020 से अब तक के मकान बनाने का लक्ष्य और स्वीकृत घर बनाने की बात पर खूब हंगामा हुआ।

विपक्ष को केंद्र से मकान बनाने का लक्ष्य बताते हुए हंगामे के बीच मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा मैं खुद इन्हें बताते हुए कंफ्यूज हो रहा हूं, भाजपा के लोग कभी 16 लाख मकान कहते हैं कभी 38 लाख कहते हैं। इस बात का शिवरतन शर्मा, नारायण चंदेल, पुन्नू लाल मोहले ने विरोध किया। इसके बाद ये कहते हुए वॉकआउट कर दिया कि सरकार गरीबों का मकान छीन रही है, मंत्री सदन को गुमराह कर रहे हैं।

पीएम आवास को लेकर विपक्ष का सवाल

विपक्ष की ओर से शिवरतन शर्मा ने सवाल किया कि पीएम आवास के लिए राज्य सरकार ने कितना राज्यांश दिया। इस पर रविंद्र चौबे ने कहा- कोरोना काल की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण हम राज्यांश नहीं दे पाए, लेकिन देश का दुर्भाग्य है कि गरीबों के साथ केंद्र सरकार ने

अन्याय किया ।

शिवरतन शर्मा ने कहा- आप इस पर राजनीति कर रहे हैं केंद्र सरकार ने आपको योजना दी। जवाबदारी आपकी है और आपने पैसा नहीं दिया।

विपक्ष से पुन्नू लाल मोहले ने सवाल किया कि टोटल कितने लोगों का आवास वापस हुआ, उतने लोगों को आवास देंगे क्या। चौबे बोले- हमनें आवास बनाने का प्रावधान किया है। पहले आवास की योजना में 90% केंद्र देता था 10% राज्य देता था । 60-40 का दिया है। गरीबों के हक पर कुठाराघात है। नारायण चंदेल बोले- ये तो पूरे देश की पॉलिसी है।

पीएम आवास के एलॉटेड मकान के बारें चर्चा करते हुए रविंद्र चौबे बोले कि-धरमलाल कौशिक ने 13 लाख कहा शिवरतन शर्मा ने 16 लाख कहा। शिवरतन बोले- मैंने 1600000 नहीं कहा आपके उत्तर के हिसाब से ही कह रहे हैं। आप के जवाब में ही अलग-अलग आंकड़े आ रहे हैं। इस पर रविंद्र चौबे ने कहा- मैं खुद इस आंकड़ों में कंफ्यूज हूं अध्यक्ष महोदय, अब 38 लाख तक संख्या कैसे पहुंचा दूं, कहां से निकला दूं इस बारे में सोच रहा हूं। पुन्नूलाल मोहले बोले- जो जवाब दिया है उसी पर मैं बात कर रहा हूं आप अपना जवाब देख लीजिए।

जवाब से असंतुष्ट बीजेपी विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। चरणदास महंत ने शिवरतन से कहा- आप विद्वान हैं, नारायण चंदेल ने कहा- हम मंत्री के जवाब से असंतुष्ट हैं, हम सदन से वॉकआऊट करते हैं । यह कहते हुए भाजपा के विधायक सदन से बाहर चले गए।

बोधघाट परियोजना को लेकर बृजमोहन अग्रवाल ने सवाल किया। ब्लैक लिस्टेड कंपनियों को काम देने का आरोप लगाया, जवाब में रविंद्र चौबे ने कहा आपकी सरकार के समय ही इस कंपनी को 5 करोड़ के काम दिए गए। बृजमोहन ने कहा पूरा विभाग एक कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए 41 करोड़ का भुगतान करने का काम किया। ये पूरे प्रदेश को गुमराह करने की कोशिश है।

इस पर रविंद्र चौबे ने कहा- इससे बस्तर के कुछ जिलों में सिंचाई हो सकती है। बृजमोहन बोले- 4 साल से क्या कर रहे थे। शिव डहरिया ने कहा कि काम देने की शुरुआत आपने की और हम दें तो गलत। इस मामले में सवाल करते हुए हंगामा हुआ और चरणदास महंत ने प्रश्नकाल समाप्त होने की घोषणा की।

कोरोना के साथ-साथ पांव पसार रहा है एच3 एन2

रांची, 20 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में एच3 एन2 (हांगकांग फ्लू) और कोरोना के नए मरीजों के मिलने के बाद सतर्कता बढ़ा दी गई है। झारखंड में बिगड़ते मौसम के साथ लोगों की सेहत भी बिगड़ रही है। सर्दी, खांसी के साथ- साथ कई लोग हांगकांग फ्लू का शिकार हो रहे हैं। रविवार को रामगढ़ में एक मरीज कोरोना संक्रमित मिला है। राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या अब 11 पहुंच गयी है। शनिवार को भी रांची में दो समेत राज्यभर में पांच नए मरीज मिले। अगर जांच का दायरा बढ़ाया गया तो और मरीज मिलने की संभावना है। झारखंड में कोरोना के साथ- साथ एच3 एन2 (हांगकांग फ्लू) के मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। इन बीमारियों से निपटने के लिए रिम्स और सदर अस्पताल में पूरी तैयारी की जा चुकी है। राज्य में कोरोना संक्रमण के मरीजों के मिलने के बाद राज्य सरकार ने सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने राज्य के निजी जांच घरों को अब कोरोना की तरह हांगकांग फ्लू के मरीजों की भी सूचना स्वास्थ्य विभाग व आईडीएसपी को देने का आदेश दिया है। मरीजों के उपचार को लेकर जिलों में बेड सुरक्षित रखने को कहा गया है।

झारखंड में गहराता जल संकट भूजल जा रहा है नीचे

विधायक ने पूछा जल संकट से निपटने के लिए कितनी तैयार है सरकार, मंत्री बोले हमारे पास ग्राउंड वाटर बोर्ड नहीं

रांची, 20 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के कई जिलों में भूगर्भ जल नीचे चला गया है। रांची, धनबाद और रामगढ़ जिले में सबसे ज्यादा समस्या है। कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने विधानसभा में भूगर्भ में गिरते जल स्तर पर चिंता जाहिर करते हुए सवाल किया कि कई जिलों में अलर्ट है, केंद्रीय रिपोर्ट है कि अगर इससे जरा सा भी पानी निकाला तो संकट बड़ा हो जायेगा। सरकार इस जल संकट से निपटने के लिए क्या कर रही है। जल संसाधन मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा, हम इसका पूरा ध्यान रख रहे हैं भूजल का अब दोहन ना हो। हमने कई योजनाओं के माध्यम से नीलांबर पितांबर जल समृद्धि योजना लागू की है। नगर विकास विभाग की ओर से कई योजनाएं चल रही है। भूजल पर रोक हो सके इसे लेकर सरकार चिंतित है। जब हमारा खुद का बोर्ड बन जायेगा तब हम कड़े कदम उठायेगे। अभी हाल में ही ड्राफ्ट तैयार किया गया है हमारा ग्राउंड वाटर बोर्ड काम

करेगा। 33 राज्यों में 14 राज्यों में ही राज्य का भूजल बोर्ड काम कर रहा है। हम तेजी से काम करेंगे।

झारखंड में शहरीकरण और औद्योगिकीकरण का असर भूजल के स्तर पर पड़ा है। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड की रिपोर्ट में हैरान करने वाले आंकड़े सामने आये। रिपोर्ट में बताया गया कि वर्ष 2020 की तुलना में भूजल की निकासी 2.22 प्रतिशत तक बढ़ गयी है। वर्ष 2020 में जहां भूजल की निकासी 29.13 प्रतिशत थी, वह 2022 में बढ़ कर 31।35 प्रतिशत हो गया।

बोर्ड की ओर से राज्य को 263 यूनिट में बांट कर भूजल का आकलन कराया गया था। राज्य सरकार के अपनी कोई ग्राउंड वाटर बोर्ड नहीं है और ना ही सरकार के पास ऐसी कोई एजेंसी है जिससे वह इसकी जांच करा सके। राज्य की पांच यूनिट बेरमो, बलियापुर, गोलमुरी (जुगसलाई), जमशेदपुर शहरी व चितरपुर में सबसे अधिक भूजल का दोहन हो रहा है। वहीं छह यूनिट तोपचांची, धनबाद शहरी, जयनगर, रामगढ़, सिल्ली व रांची (शहरी) में भूजल की स्थिति चिंताजनक है। राज्य में धनबाद व कोडरमा में सबसे अधिक भूजल का दोहन हो रहा है। धनबाद में 75% भूजल का दोहन हो रहा है। वहीं कोडरमा में 66.10% जबकि पश्चिमी सिंहभूम में सबके कम सिर्फ 9.93 प्रतिशत भूजल का दोहन हो रहा है।

झारखंड विधानसभा में सरना धर्म कोड को लेकर प्रस्ताव पेश

केंद्र को प्रस्ताव भेजने के लिए सहमति, हेमंत सोरेन ने बताया क्यों जरूरी है सरना धर्म कोड

रांची, 20 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा में आज एक बार फिर सरना धर्म कोड की मांग को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रस्ताव पेश किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सरना धर्म कोड का महत्व और राज्य के आदिवासी समुदाय की लगातार उठती मांग का हवाला देते हुए यह, प्रस्ताव केंद्र को भेजने के लिए सदन से सहमति मांगी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज झारखंड विधानसभा में सरना धर्म के संबंध में प्रस्ताव पेश किया। हेमंत सोरेन ने कहा, हमारा राज्य आदिवासी बहुल राज्य है। आदिवासी सरना समुदाय पिछले कई वर्षों से सरना धर्म कोड की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। आज सरना धर्म कोड की मांग इसलिए भी उठी है क्योंकि वह अपनी पहचान के प्रति आश्वस्त हो सकें। आदिवासी सरना धर्म की घटती जनसंख्या बड़ा सवाल है। हेमंत सोरेन ने सदन में बताया, आदिवासियों की जनसंख्या क्यों कम हो रही है। 1931 से 2011 के आदिवासी जनसंख्या के विश्लेषण से यह पता चलता है पिछले 8 दशकों में 38.03 से घटकर 26.02 प्रतिशत हो गयी। इसमें 12 प्रतिशत की कमी आयी है, जो गंभीर सवाल है। प्रत्येक वर्ष झारखंड की आबादी की अन्य समुदाय से आदिवासी की दर काफी कम है। 1931 से 1941 के बीच आदिवासी आबादी की वृद्धि दर 13.76 है वही अन्य समुदाय की वृद्धि दर 11.13 है। सन 1951 से 1961 के आंकड़े पर गौर करें तो यह आदिवासी की वृद्धि दर 12.71 प्रतिशत है वही गैर आदिवासी की वृद्धि दर 23.62 प्रतिशत है। 1961 से 1971 के बीच आदिवासियों की वृद्धि दर 15.89 प्रतिशत है वही गैर आदिवासी की वृद्धि दर 26.01 प्रतिशत है। 1971 से 1981 के बीच आदिवासी की वृद्धि दर 16.77 प्रतिशत वही गैर आदिवासी की वृद्धि दर 27.11 प्रतिशत 1981 से 1991 के बीच आदिवासी की वृद्धि दर 13.41 वही गैर आदिवासी समुदाय की वृद्धि दर 28.67 प्रतिशत है। 1991 से 2001 के बीच आदिवासी की वृद्धि दर 17.19 वही गैर आदिवासी की वृद्धि दर 25.65 प्रतिशत है।

'भाजपा का मकसद आरक्षण नहीं, राजनीति'

मंत्री भगत बोले- आदिवासियों को आगे कर प्रदर्शन करते थे, अब मुंह पर ताला

राजनांदगांव, 20 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने आरक्षण को लेकर भाजपा पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि, जब तक आरक्षण पारित नहीं हुआ था, भाजपाई तब तक आदिवासियों को आगे कर कलेक्टर का घेराव और सभा करते थे। जब से विधानसभा में पारित हुआ है, तब से इनके मुंह पर ताला बंद हो गया है। ये न राज्यपाल से मिलते हैं, न स्टेटमेंट देते हैं, न ज्ञापन देते हैं, न कोई प्रदर्शन करते हैं। कहा कि, इनकी असलियत खुल कर सामने आ गई है। ये आरक्षण का लाभ दिलाना नहीं, बल्कि पूरे मामले में राजनीति कर रहे हैं। मंत्री भगत सोमवार को डोंगरगढ़ दौरे पर पहुंचे हैं।

मीडिया से बात करते हुए मंत्री भगत ने पिछले दिनों चुनाव हारने पर अपनी मूंछ मुड़वाने वाले

बयान पर भी बात की। कहा कि, इस बयान के पीछे लॉजिक भी है। उन्होंने कहा कि, जितना काम प्रदेश में कांग्रेस के शासन में हुआ है, उतना देश में कहीं नहीं हुआ। यहां किसानों, नौजवानों, आदिवासियों, महिलाओं को आर्थिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में बड़ा काम हर ओर से किया गया है। जनता सब जानती है और उसे पता है। यही लॉजिक है कि चुनाव हारने पर मूंछ मुंड़वाने की बात कही। कांग्रेस अगली बार फिर जीत रही है। हमारी सरकार ने निचले स्तर तक हर व्यक्ति के लिए काम किया है।

एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने भाजपा को आड़े हाथों लिया और जमकर निशाना साधा। इसके साथ ही विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की।

पुलिस मूवमेंट की सूचना साथियों तक पहुंचाने वाला नक्सली गिरफ्तार

ठेकेदारों से लेवी वूसलने की तैयारी में था नक्सली, पुलिस ने जंगल में खदेड़ कर पकड़ा

खूंटी, 20 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस की हर गतिविधि की सूचना नक्सलियों तक पहुंचाने वाला नक्सली मुकेश ओड़ेया उर्फ एतवा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे दौड़ा कर पकड़ा क्योंकि जैसे ही उसने पुलिस को निकलते देखा वह भागने लगा। इस गिरफ्तारी से पुलिस ने नक्सली को सूचना देने वाले अहम कड़ी को तोड़ दिया है।

झारखंड में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे नक्सली अभियान का फायदा सुरक्षा बलों को मिलने लगा है। कई जिलों से नक्सली या तो खुद सरेंडर कर रहे हैं या पुलिस छापेमारी दल का गठन कर नक्सलियों को गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ कर रही है। खूंटी जिला के अड़की थाना क्षेत्र में पुलिस को ऐसी ही सफलता मिली है। पुलिस को यह सफलता कोरवा घाटी के पास मिली। भाकपा माओवादी के सक्रिय सदस्य मुकेश ओड़ेया उर्फ एतवा के पास से पुलिस को एक पिस्टल मिला है।

मुकेश ओड़ेया तोतकोरा टोला के रोलापीड़ी का रहनेवाला है। पुलिस ने गिरफ्तार माओवादी को रविवार को जेल भेज दिया है। पुलिस की यह बड़ी सफलता मानी जा रही है क्योंकि इससे जंगल में घिरे नक्सलियों का अहम कनेक्शन जो बाहर रहकर उन तक सूचनाएं पहुंचाता था टूट गया है।

भारत की फटकार के बाद जागे ब्रिटेन के अफसर

उच्चायोग में खालिस्तानी उपद्रव की निंदा की, बोले- बर्दाश्त के बाहर

लंदन, 21 मार्च (एजेंसियां)। लंदन में स्थित भारतीय उच्चायोग पर तिरंगा का अपमान करने और तोड़फोड़ की घटना की ब्रिटेन के अधिकारियों ने निंदा की है। भारत सरकार की तरफ से कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद ब्रिटेन के अधिकारी सतर्क हो गए हैं। अधिकारियों ने कहा है कि भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को गंभीरता से लिया जाएगा। मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

बता दें कि भारत में खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के खिलाफ कार्रवाई चल रही है। इससे खालिस्तान समर्थक तमतमाए हुए हैं और उनके द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। लंदन में भारतीय उच्चायोग में हुए विरोध प्रदर्शन भी इन्हीं विरोध प्रदर्शनों का हिस्सा था। यहां खालिस्तानी समर्थकों ने उच्चायोग पर लगे तिरंगा को उतार दिया। खालिस्तानी झंडा फहराने लगे। हालांकि, तुरंत उच्चायोग के एक भारतीय अधिकारी ने खालिस्तानी समर्थकों को ऐसा करने से रोक दिया। बताया जाता है कि खालिस्तानी समर्थकों ने इस दौरान तोड़फोड़ भी की। इस मामले में ब्रिटिश पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है।

ब्रिटेन के अधिकारियों ने क्या कहा?

इस घटना के बाद शीर्ष ब्रिटिश अधिकारियों ने कहा है कि ब्रिटेन सरकार यहां भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को 'गंभीरता' से लेगी। अधिकारियों ने उच्चायोग में तोड़फोड़ को अपमानजनक और पूरी तरह से अस्वीकार्य करार दिया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि सुरक्षा कर्मचारियों के दो सदस्यों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें अस्पताल में इलाज की आवश्यकता नहीं है। मामले की जांच शुरू हो गई है। उधर, लंदन के मेयर सादिक खान ने इस पूरे घटना की निंदा की। उन्होंने ट्वीट किया, 'इस तरह के व्यवहार के लिए हमारे शहर में कोई जगह नहीं है।' भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने भी इस घटना को 'अपमानजनक' बताया। विंबलडन के विदेश कार्यालय मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद ने कहा कि वह हैरान हैं और सरकार भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को ₹गंभीरता से₹ लेगी। उन्होंने ट्वीट किया, 'यह उच्चायोग और उसके कर्मचारियों की अखंडता के खिलाफ पूरी तरह से अस्वीकार्य कार्रवाई है।'

सरकार ने ब्रिटिश उच्चायुक्त को किया तलब

लंदन में हुई घटना के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने ब्रिटेन की उच्चायुक्त को तलब किया है और लंदन में हुई घटना पर नाराजगी जाहिर की है। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि जिस वक्त भारतीय उच्चायोग परिसर में यह घटना हुई, उस वक्त वहां से सुरक्षाकर्मी पूरी तरह से नदारद थे। इसे लेकर ब्रिटिश उच्चायुक्त से स्पष्टीकरण मांगा गया है। सरकार ने कहा है कि यह विएना कन्वेंशन का भी उल्लंघन है। सरकार ने ब्रिटिश उच्चायुक्त से घटना के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

खालिस्तानी समर्थकों को भारतीय उच्चायोग ने ऐसे दिया जवाब

लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने खालिस्तानियों को कड़ा जवाब देते हुए एक विशाल तिरंगा उच्चायोग पर लहरा दिया है। बता दें कि रविवार को कुछ खालिस्तान समर्थकों ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग से भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को उतारने की कोशिश की और खालिस्तान के समर्थन में नारेबाजी की। हालांकि भारतीय उच्चायोग के एक अधिकारी ने गजब की हिम्मत दिखाते हुए खालिस्तानियों का विरोध किया और खालिस्तानी झंडे को फहराने की कोशिश कर रहे युवक से खालिस्तानी झंडा लेकर फेंक दिया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है और लोग भारतीय उच्चायोग के अधिकारी की हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं। वहीं घटना के बाद खालिस्तानियों को कड़ा जवाब देते हुए भारतीय उच्चायोग पर एक विशाल तिरंगा झंडा फहराया गया है।

इक्वाडोर में 6.8 तीव्रता का भूकंप 16 की मौत, 381 घायल

क्विटो, 21 मार्च (एजेंसियां)। साउथ अमेरिकी देश इक्वाडोर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.8 रही। इस भूकंप के चलते 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 381 लोगों के घायल होने की खबर है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप का सबसे ज्यादा असर गुयास में हुआ। ये कोस्टल इलाका है। भूकंप का केंद्र यहां से 80 किलोमीटर दूर ग्वायाक्विल शहर में था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। भूकंप इतना तेज था कि इसके झटके पड़ोसी देश पेरू में भी महसूस किए गए। कई घर तबाह हो गए। लोगों ने सोशल मीडिया पर भूकंप के बाद की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। इनमें भारी नुकसान देखा जा सकता है।

2017 में ईरान-इराक में क्रॉस-बॉर्डर भूकंप आया था। इराक के कुर्दिश शहर हलाबजा से इरान के कर्मानशाह प्रांत में झटके महसूस किए गए थे। इसमें 630 लोगों की मौत हुई थी।

8 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए थे। 6 फरवरी 2023 को भी तुर्किये-सीरिया में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। दोनों देशों में भारी तबाही हुई। तुर्किये में 44,374 लोगों की जान गई।

पीएम प्रचंड ने पास की अग्नि परीक्षा

विश्वास मत हासिल किया

काठमांडू, 21 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की सरकार को फिलहाल कोई खतरा नहीं है। प्रचंड की पीएम की कुर्सी भी सही सलामत है। उन्होंने सोमवार को संसद में विश्वास मत हासिल कर लिया। सदन में उपस्थित कुल 262 सदस्यों में से नेपाल के पीएम के समर्थन में 172 वोट पड़े। 89 ने उनके विरोध में वोट किया और एक ने मतदान में भाग नहीं लिया।

नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (एमाले) और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) के सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के बाद दहल को बहुमत साबित करना पड़ा। दहल के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार को नेपाली कांग्रेस, माओवादी केंद्र, एकीकृत समाजवादी सहित 10 राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त है।

नेपाली कांग्रेस समर्थन में

इससे पहले नेपाली कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल को विश्वास मत देने के लिए प्रतिनिधि सभा के सदस्यों के लिए व्हिप जारी किया था। कांग्रेस संसदीय दल के रविवार को हुए फैसले के मुताबिक, सांसदों को प्रधानमंत्री दहल के पक्ष में विश्वास मत देने और सरकार में भाग लेने के लिए व्हिप जारी किया गया। कांग्रेस के मुख्य सचेतक रमेश लेखक ने बताया कि नेपाल के संविधान के अनुसार, नेपाली कांग्रेस ने सरकार के समर्थन में प्रधानमंत्री के पक्ष में है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी साथ आई

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) ने दहल को विश्वास समर्थन देने का फैसला लिया। वहीं, लोकतांत्रिक सामाजवादी पार्टी ने भी प्रधानमंत्री दहाल को विश्वास मत देने का फैसला किया। संसदीय दल की बैठक में विश्वास मत के समर्थन का निर्णय हुआ।

आईसीयू में मरीज को बीड़ी पीने से रोका तो परिजनों ने इंटर्न को पीटा

जगदलपुर/राजनांदगांव, 21 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सोमवार सुबह एक इंटर्न की मरीज के परिजनों ने पिटाई कर दी। इंटर्न की गलती सिर्फ इतनी थी कि उसने आईसीयू में भर्ती हार्ट पेशेंट को बीड़ी पीने से मना किया था। इसके बाद इंटर्न की ओर से अधीक्षक को लिखित शिकायत दी गई है। वहीं मामला सामने आने के बाद डॉक्टरों ने विरोध शुरू कर दिया है।

जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने हाथ में पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। साथ ही डॉक्टरों पर हो रही हिंसा को रोक लगाने की मांग की है। जानकारी के मुताबिक, राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में सोमवार सुबह करीब 7 बजे जूनियर डॉक्टर ड्यूटी पर थे। इसी में एक इंटर्न की भी कार्डियक आईसीयू में ड्यूटी लगी थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान वहां भर्ती एक मरीज बीड़ी पीने लगा।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मॉस्को दौरे से उत्साहित पुतिन

यूक्रेन संकट का निकल सकता है हल?

मास्को, 21 मार्च (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीन की उस पहल का स्वागत किया है, जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यूक्रेन संकट का हल निकालने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाने की बात कही है। बता दें कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग रूस के दौरे पर जाने वाले हैं और इस दौरे पर दुनियाभर की नजरें लगी हुई हैं। दरअसल चीन रूस यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता करने की पेशकश कर चुका है। शी जिनपिंग के मॉस्को दौरे से पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीन के एक अखबार में एक लेख लिखा है। इस लेख मे पुतिन ने लिखा है कि मॉस्को और बीजिंग के संबंध शीत युद्ध के समय के दोनों देशों के संबंधों से भी ज्यादा मजबूत हैं। पुतिन ने ये भी लिखा कि उन्हें चीनी राष्ट्रपति के साथ होने वाली मुलाकात से काफी उम्मीदें हैं। पुतिन ने लिखा कि हमें इस बात में कोई शक नहीं है कि चीनी राष्ट्रपति दोनों देशों के संबंधों को एक नए स्तर पर लेकर जाएंगे। पुतिन ने यूक्रेन मामले को सुलझाने के लिए चीन की मध्यस्थता की इच्छा की भी तारीफ की।

यूक्रेन संकट की मध्यस्थता कर सकता है चीन

पुतिन ने यूक्रेन मामले में चीन के संतुलित स्टैंड की भी तारीफ की और कहा कि चीन इस युद्ध की पीछे की कहानी और असल कारण को भी समझता है। पुतिन ने कहा कि रूस यूक्रेन संकट को राजनैतिक और कूटनीतिक तरीकों से खत्म करने के लिए तैयार है लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि यूक्रेन को नई भौगोलिक सच्चाई को भी स्वीकार करना पड़ेगा। गौरतलब है कि रूस ने यूक्रेन के चार प्रांतों पर कब्जा कर लिया है और उन्हें अपनी सीमा में शामिल कर लिया है। उल्लेखनीय है कि शी जिनपिंग हाल ही में लगातार तीसरी बार चीन के राष्ट्रपति चुने गए हैं। शी जिनपिंग अब वैश्विक स्तर पर चीन के प्रभाव को बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हैं। यूक्रेन संकट की मध्यस्थता की पेशकश भी शी जिनपिंग की इन्हीं कोशिशों का हिस्सा है। इससे पहले सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंधों को फिर से बहाल करने में भी चीन ने अहम भूमिका निभाई थी।

क्वीन एलिजाबेथ के बिना रॉयल फैमिली का पहला मदर्स डे

लंदन, 21 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन में रविवार को मदर्स डे मनाया गया। क्वीन एलिजाबेथ की मौत के बाद पहली बार रॉयल फैमिली ने इस त्योहार को मनाया। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर कीं। रॉयल फैमिली ने अपने ट्विटर अकाउंट पर किंग चार्ल्स की क्वीन एलिजाबेथ के साथ बचपन की फोटो पोस्ट की। साथ ही एक और फोटो में क्वीन कंसोर्ट कैमिला अपनी मां के साथ नजर आईं।

मदर्स डे पर ट्वीट में रॉयल फैमिली ने लिखा- ये दिन सभी माताओं के लिए है। साथ ही ये उन लोगों के लिए है जो अपनी मां को याद कर रहे हैं। हम आपके साथ हैं और आपको एक स्पेशल मदर्स डे की शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसके अलावा प्रिंस ऑफ वेल्स विलियम और उनकी पत्नी प्रिंसेज ऑफ वेल्स केट मिडलटन ने भी 2 तस्वीरें ट्वीट कीं। पहली फोटो में केट अपने तीनों बच्चों के साथ एक पेड़ पर बैठी नजर आ रही हैं। वहीं दूसरी फोटो में केट ने अपने बेटे लुइस को गोद में खिलाती दिख रही हैं। पोस्ट पर लिखा गया- हमारे परिवार की तरफ से आपके परिवार को मदर्स डे की शुभकामनाएं। इस पोस्ट पर आधे घंटे में करीब साढ़े तीन लाख लाइक्स आए। फैन्स ने पोस्ट पर कई भावनात्मक कमेंट्स भी किए। 8 सितंबर 2022 को महारानी क्वीन एलिजाबेथ ने आखिरी सांस ली थी। वे स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में रह रही थीं। वे सबसे ज्यादा सालों (70 साल) तक ब्रिटेन की महारानी रहीं। उनके बाद चार्ल्स सिंहासन के उत्तराधिकारी बनाए गए। 6 मई को किंग चार्ल्स की बतौर महाराज ताजपोशी होगी।

इमरान खान की पार्टी पर बैन का खतरा

पूर्व पीएम पर आतंकवाद फैलाने का केस दर्ज बुधवार को मीनार-ए-पाकिस्तान पर रैली करेंगे

लाहौर, 21 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर शिकंजा कसता जा रहा है। शनिवार को इस्लामाबाद ज्यूडिशियल कॉम्पलेक्स में जबरदस्त हिंसा और पुलिस पर हमले के आरोप में खान और उनके कुछ समर्थकों पर आतंकवाद फैलाने की धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है।

होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा- सरकार अपने लीगल एडवाइजर्स से सलाह ले रही है। बहुत जल्द इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को कानूनी तौर पर बैन किया जाएगा।

एक और बेहद जरूरी अपडेट इमरान की तरफ से रविवार शाम आया। उन्होंने कहा- मैं बुधवार को लाहौर के ऐतिहासिक मीनार-ए-पाकिस्तान में करूंगा। अगर सरकार में हिम्मत है तो इसे रोककर दिखाए।

पीटीआई पर बैन का खतरा

होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने रविवार को कहा- हम अब तक यह नहीं समझ पाए हैं कि इमरान को देश की अदालतें इतनी राहत क्यों और किस बात के लिए दे रही हैं। ऐसे में तो कानून का राज ही खत्म हो जाएगा। इस्लामाबाद में ज्यूडिशियल कॉम्पलेक्स में सुप्रीम कोर्ट की नाक के नीचे पीटीआई ने जबरदस्त हिंसा की और पुलिस का खून बहाया।

राणा ने आगे कहा- अब इस मामले में सख्त एक्शन होगा। इसलिए ये तय है कि खान के खिलाफ टेरेरिज्म के आरोप में केस चलेगा और उन्हें गिरफ्तार भी किया जाएगा। पीटीआई को बैन किए जाने का काम शुरू हो गया है। हमारे लिए मुल्क से बढ़कर कुछ नहीं है, इमरान को बस सत्ता चाहिए।

दूसरी तरफ, इमरान ने रविवार को साफ कर दिया कि वो सरकार और सिक्योरिटी एजेंसियों से टकराने के लिए तैयार हैं। खान ने कहा- 2013 में हमने मीनार-ए-पाकिस्तान से ही अपना सियासी सफर शुरू किया था। अब हम फिर यहां रैली करने जा रहे हैं। सरकार में दम है तो हमें रोककर दिखाए।

खान ने यूट्यूब पर जारी वीडियो मैसेज में कहा- अब पाकिस्तान और दुनिया देख लेगी कि लोग या अवाम किसके साथ हैं। ये चोरों की हुकूमत और उसको चलाने वालों को मैं एक्सपोज करके रहूंगा। देखते हैं वो और क्या करते हैं।

इस्लामाबाद जाने से पहले एक इंटरव्यू में पूर्व पीएम ने अपनी गिरफ्तारी की आशंका जताई थी। इमरान ने कहा था- अगर मुझे गिरफ्तार किया जाता है, तो (पीटीआई) को संभालने के लिए मैंने एक कमेटी बना दी है।

इमरान की तरह ट्रम्प ने भी छिपाए फॉरेन गिफ्ट्स

117 तोहफों की जानकारी नहीं दी, 2.47 करोड़ रुपए कीमत, 17 भारत से मिले थे

वॉशिंगटन, 21 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रेजरी डिपार्टमेंट को दूसरे देशों से मिले 3 लाख डॉलर (करीब 2.47 करोड़ रुपए) कीमत वाले तोहफों की जानकारी नहीं दी थी। ये कुल 117 गिफ्ट्स थे। खास बात यह है कि इनमें से 17 ट्रम्प और उनकी फैमिली को भारत से मिले थे।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर भी बिल्कुल इसी तरह के आरोपों में केस दर्ज हुए हैं। इमरान के खिलाफ तो गिरफ्तारी वॉरंट तक जारी हो चुके हैं। इस मसले पर पाकिस्तान में कई दिन से बवाल चल रहा है।

डेमोक्रेट पार्टी ने जारी की रिपोर्ट

राष्ट्रपति जो बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी ने ट्रम्प की इस हरकत के बारे में जांच की। इसके लिए एक ओवरसाइट कमेटी बनाई गई थी। जांच में इसने पाया कि ट्रम्प और उनकी फैमिली ने कुल 117 गिफ्ट्स की जानकारी छिपाई। इनकी कीमत अब के हिसाब से करीब 3 लाख डॉलर (इंडियन करंसी में करीब 2.47 करोड़ रुपए) है। रिपोर्ट के मुताबिक, 117 में से 17 गिफ्ट्स ट्रम्प और फैमिली को भारत की तरफ से दिए गए थे। इनकी कीमत करीब 50 हजार डॉलर है। इनमें ताज महल का एक मॉडल भी है। इसकी कीमत करीब 4,600 डॉलर है जो इंडियन करंसी में करीब 3.8 लाख रुपए होते हैं। इसी तरह कफ लिंक्स का एक सेट भी भारत से उन्हें बतौर तोहफा मिला। इसकी कीमत करीब 8,500 डॉलर है। ये भारतीय मुद्रा में करीब 7 लाख रुपए होते हैं।

भारत से कब मिले गिफ्ट्स

कफ लिंक्स का सेट प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रम्प को 2021 में दिया था। ताज महल का मॉडल पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गिफ्ट किया था।

मोदी ने 2019 में एक ब्लैक मार्बल का टेबल भी ट्रम्प को भेंट किया था। इसके अलावा इवांका ट्रम्प को 2021 में एक गोल्ड ब्रेसलेट गिफ्ट किया गया। ट्रम्प की पत्नी मेलानिया को 2021 में एक ब्रेसलेट भारत से मिला था। ट्रम्प ने भारत से मिले जिन तोहफों का खुलासा नहीं किया, उनमें सबसे कीमती फ्लॉवर बेस था। यह मरकाना मार्बल से बना था। ये गिफ्ट उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्रम्प को 2021 में दिया था। हालांकि, इसकी कीमत का खुलासा रिपोर्ट में नहीं किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक- ट्रम्प को जापान और सऊदी अरब से भी महंगे गिफ्ट्स मिले थे। इनकी कुल कीमत करीब 2 लाख 50 हजार डॉलर है। ये तोहफे भी ट्रेजरी में मौजूद नहीं हैं।इनमें एक बेशकीमती पेंटिंग भी शामिल है। ये अल साल्वाडोर की तरफ से उन्हें मिली थी। इसके अलावा गोल्फ स्टिक जापान से मिली थी। रिपोर्ट में कहा गया है- इस मामले में ट्रम्प के खिलाफ केस दर्ज किया जा सकता है।

'परमाणु हमले की तैयारी करो'

किम जोंग ने सेना को आदेश दिया, अमेरिका और दक्षिण कोरिया को दी धमकी

सिओल, 21 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और दक्षिण कोरिया एकसाथ मिलकर युद्ध अभ्यास कर रहे हैं। इस बीच, उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने दोनों देशों को बड़ी धमकी दे डाली है। किम ने अपनी सेना को आदेश दिया है कि वह परमाणु हमले के लिए तैयार रहें। कभी भी इसकी जरूरत पड़ सकती है।

राज्य मीडिया केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को किम ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर अमेरिकी परमाणु संपत्ति से जुड़े संयुक्त सैन्य अभ्यास का विस्तार करने का आरोप लगाते हुए युद्ध को रोकने के लिए किसी भी समय परमाणु हमले करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया है।

परीक्षण करके ताकत भी दिखाई

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका और दक्षिण कोरिया के युद्ध अभ्यास के जवाब में उत्तर कोरिया ने भी शनिवार और रविवार को सैन्य अभ्यास का आयोजन किया। इस दौरान एक मॉक न्यूक्लियर वारहेड ले जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल को भी दागा गया। राज्य समाचार एजेंसी ने कहा कि अभ्यास का उद्देश्य सहयोगियों के खिलाफ कड़ी चेतावनी भेजने के लिए युद्ध प्रतिरोध और परमाणु जवाबी क्षमता को मजबूत करना था।

केसीएनए ने कहा कि अभ्यास में मॉक न्यूक्लियर वारहेड से लैस एक बैलिस्टिक मिसाइल ने सामरिक परमाणु हमले के परिदृश्य के तहत 800 मीटर की ऊंचाई पर लक्ष्य को भेदने से पहले 800 किमी की दूरी तय की।

कई मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है उत्तर कोरिया

पिछले एक महीने के अंदर उत्तर कोरिया ने एक के बाद एक कई मिसाइलों का परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया लगातार अमेरिका और दक्षिण कोरिया के युद्ध अभ्यास का विरोध कर रहा है। ये युद्ध अभ्यास 13 मार्च से शुरू हुआ है और 23 मार्च तक चलना है। दक्षिण कोरिया और जापान ने रविवार को पूर्वी तट से एक उत्तर कोरियाई की बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण की सूचना दी थी। जो हाल के हफ्तों में मिसाइल परीक्षणों की श्रृंखला में लेटेस्ट है।

आठ लाख लोग सेना में भर्ती होने को तैयार

उत्तर कोरिया ने बड़ा दावा किया है। कहा है कि उत्तर कोरिया के आठ लाख लोग अमेरिका के खिलाफ युद्ध के लिए खुद सेना में भर्ती होना चाहते हैं। इसमें बड़ी संख्या में छात्र और मजदूर वर्ग भी शामिल है। उत्तर कोरिया के समाचार पत्र रोडोंग सिनमुन में ये दावा किया गया है।

भारत में 33 प्रतिशत महिलाएं ही कर रहीं इंटरनेट का इस्तेमाल

न्यूयॉर्क, 21 मार्च (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन के महिला स्थिति आयोग (यूएन-सीएसडब्ल्यू) ने रविवार को महिलाओं के खिलाफ डिजिटल दुनिया से भेदभाव खत्म करने को सर्वसम्मति से घोषणापत्र जारी किया। इससे पहले इस संबंध में एक रिपोर्ट में बताया कि भारत में 33 फीसदी महिलाएं ही इंटरनेट का इस्तेमाल कर रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने लैंगिक डिजिटल भेदभाव को असमानता का नया चेहरा बताते हुए कहा, महिलाएं भेदभाव के नए तरीके का सामना कर रही हैं। डिजिटल दुनिया पर पुरुषों का वर्चस्व आने वाले समय में मुश्किलें पैदा कर सकता है। लिहाजा, समय रहते डिजिटल दुनिया से लैंगिक भेदभाव खत्म करने की जरूरत है। यूएन-सीएसडब्ल्यू ने डिजिटल दुनिया में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए ऑनलाइन उत्पीड़न के खिलाफ सख्त वातावरण की मांग करते हुए कहा, महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा और उत्पीड़न के प्रयासों से समान रूप से निपटने की जरूरत है, क्योंकि डिजिटल हो या फिजिकल, दोनों ही रूपों मे महिलाओं को उत्पीड़न की समान भावना से जूझना पड़ता है।

कनाडा में सिख छात्र पर हमला

टोरंटो, 21 मार्च (एजेंसियां)। कनाडा में घृणा अपराध का नया मामला सामने आया है। दरअसल कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में एक भारतीय सिख छात्र को कुछ लोगों ने बुरी तरह पीटा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपियों ने उसके बाल पकड़कर सड़क पर घसीटा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं इलाके की काउंसलर मोहिनी सिंह ने घटना को भयावह करार दिया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। खबर के अनुसार, भारतीय छात्र गगनदीप सिंह (21 वर्षीय) शुक्रवार की रात करीब साढ़े 10 बजे राशन का कुछ सामान लेने गया था। इसी दौरान वहां से लौटते हुए बस में 12-15 लोगों के एक ग्रुप ने भारतीय युवक को परेशान करना शुरू कर दिया।

राजस्थान में 5 दिन और बारिश-ओले, आंधी का अलर्ट

हनुमानगढ़-झुंझुनूं सहित कई हिस्सों में भी बरसात-ओलावृष्टि ; जैसलमेर सबसे ठंडा

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में पिछले दो-चार दिन से हो रही बारिश, ओले और तेज हवा से मौसम लगातार बिगड़ा हुआ है। तापमान इतना नीचे आ गया है कि मार्च में फरवरी जैसी ठंडक का महसूस हो रही है। । जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर समेत अधिकांश शहरों में तापमान सामान्य से 4 से लेकर 12 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया। जैसलमेर में कल दिन का अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया। जयपुर मौसम केंद्र के डायरेक्टर राधेश्याम शर्मा ने बताया- राज्य में गरज-चमक के साथ बारिश, ओले और अंधड़(थंडर स्ट्रॉर्म) अभी 5-6 दिन और जारी रहेगा। इसके लिए 23 मार्च से एक नया सिस्टम फिर से एक्टिव हो रहा है।

मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि 21-22 मार्च को इन मौसम गतिविधियों में थोड़ी कमी आ सकती है, मौसम थोड़ा नॉर्मल रहेगा। फिर 23 मार्च की शाम से 25 मार्च तक भी राज्य में बारिश-आंधी का दौर जारी रह सकता है। शर्मा ने बताया कि बैक टू बैक तीन सिस्टम आने और बंगाल की खाड़ी में एक और नया वेदर सिस्टम बनने से मौसम खराब हुआ है। इसका असर राजस्थान के अलावा मध्य और पूर्वी भारत के अधिकांश राज्यों में देखने को मिल रहा है।

हनुमानगढ़, झुंझुनूं में आज सुबह गिरे ओले

राज्य के उत्तरी हिस्से में हनुमानगढ़ जिले के कई कस्बों में आज सुबह ओलों के साथ तेज बारिश हुई। करीब 15-10 मिनट तक ओलावृष्टि से खेतों-सड़कों पर सफेद चादर बिछ गई। जयपुर, अलवर, झुंझुनूं, सीकर, भरतपुर, करौली, धौलपुर, टोंक, सवाई माधोपुर में आज भी सुबह से बादल छाए हुए हैं। कहीं कहीं बूंदाबांदी, बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने यहां भी अभी मौसम खराब रहने की आशंका है।

इन जगहों पर 1 इंच तक बरसात

सवाई माधोपुर के बौंली में 36, जोधपुर के ओसियां में 23, बालेसर में 24.5, नागौर के परबतसर में 44, दौसा के सैंथल में 29, मंडावर में 27, झुंझुनूं के

सूरजगढ़ में 26, टोंक 25, भरतपुर के उच्चैन 31, बयाना में 23, उदयपुर के कुराबड़ में 28MM बरसात हुई। तेज बारिश के कारण राजस्थान के अधिकांश जिलों में गेहूं की फसलों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। दौसा, हनुमानगढ़, गंगानगर, भरतपुर, सवाई माधोपुर, अलवर जिलों में इन दिनों कई जगहों पर फसलों की कटाई चल रही है। कई जिलों में गेहूं तैयार हो गया, लेकिन तेज हवा और बारिश के कारण खड़ी और कटी फसलें पानी में डूब गईं।

इन जिलों में हुई बारिश

मौसम केंद्र जयपुर और सिंचाई विभाग से जारी रिपोर्ट के मुताबिक 24 घंटे में जालोर, बारां, धौलपुर, गंगानगर, अजमेर, जयपुर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, सीकर, झुंझुनूं, दौसा, नागौर, करौली, बाड़मेर, चूरू, झालावाड़ बूंदी, जोधपुर, सिरोही, बांसवाड़ा, सवाई माधोपुर, हनुमानगढ़, टोंक, बीकानेर, भरतपुर, जैसलमेर जिलों में बारिश और कहीं-कहीं ओले गिरे हैं।

तापमान गिरा, फरवरी जैसी सर्दी का एहसास

मार्च के शुरुआत में राजस्थान के सभी शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर था। तब संभावना थी कि ये आखिरी तक 40 डिग्री सेल्सियस तक आ जाएगा। मार्च के पहले सप्ताह से लगातार बैक टू बैक नए वेदर सिस्टम (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) आने से गर्मी कंट्रोल हो गई। पिछले 2-3 दिन की रिपोर्ट देखें तो अधिकांश शहरों में दिन का तापमान 6-7 डिग्री सेल्सियस गिरकर 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। जैसलमेर में कल सबसे ठंडा दिन रहा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रहा। लोगों को दिन में भी हल्की ठिठुरन होने लगी। यही स्थिति जयपुर, अलवर, भरतपुर, टोंक, पिलानी, सीकर, गंगानगर में रही। बारिश और ओले गिरने से मौसम में ठंडक बढ़ गई। रात में तो फरवरी जैसी सर्दी का एहसास हो रहा है।

दौसा में ओले गिरने से फसलों को भारी नुकसान

दौसा जिले में बीती रात हुई लालसोट व रामगढ़ पचवारा, चांदराना, भांडारेज सहित कई जगह चना के आकार के ओलों की चादर बिछ गई। खेतों में पानी भरने से कटी चना व गेहूं की फसल पानी में तैरने लगीं। किसानों का कहना है कि गेहूं में 80 और चने की फसल में 50 प्रतिशत तक खराबे का अनुमान है।

भरतपुर में देर रात से सुबह तक पड़ी बारिश, किसान की 50 प्रतिशत तक फसल तबाह

भरतपुर में देर रात से बारिश का दौर शुरू हो गया। पूरी रात बारिश हुई। इस बेमौसम बारिश से किसान को 50 प्रतिशत तक कि फसल में नुकसान हुआ है। खेतों में किसान की फसल कटी पड़ी है। अब खेतों में पानी भर गया है। जहां किसान ने फसल नहीं काटी, वो तेज हवा खेतों में बिछ गई।

चौमूं इलाके में तेज बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि

चौमूं में रविवार को अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज हवा के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। इसके साथ ही कई इलाकों में चने के आकार के ओले भी गिरे। वहीं, टोल प्लाजा के पास एक कच्चे घर की दीवार ढह जाने से भी करीब आधा दर्जन मवेशी चोटिल हो गए।

जोधपुर में चिंकारा का शिकार कर पेड़ पर लटकाया

टुकड़े-टुकड़े किए, 14 लोगों ने मांस पकाकर खाया; सोशल मीडिया पर वीडियो किया शेयर

जोधपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर के लूणी क्षेत्र के पन्ने सिंह नगर में एक फार्म पर चिंकारा का शिकार करने के बाद उसको उल्टा लटका कर पकाने और मांस खाने का मामला सामने आया है।

जोधपुर में चिंकारा के शिकार का मामला सामने आया है। शिकारियों ने चिंकारा को पहले मारा और फिर पेड़ पर उल्टा लटकाकर उसके टुकड़े-टुकडे किए। 14 लोगों ने मांस पकाकर खाया। बेखौफ शिकारियों ने इसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर भी शेयर किया। मामला लूणी थाना क्षेत्र के पन्ने सिंह नगर स्थित कालीजाल के आस-पास का बताया जा रहा है।

वीडियो सामने आने के बाद बिश्नोई समाज में रोष है। उन्होंने पुलिस कमिश्नर रविदत्त गौड़ और मुख्य वन संरक्षक एसवी मूर्ति को सबूत के साथ शिकायत दी है। बताया कि जोधपुर, बाड़मेर और पाली जिले का बॉर्डर एरिया होने से यहां आए दिन शिकारी चिंकारा का शिकार कर रहे हैं। इसके अलावा 009 नाम का ग्रुप यहां कई दिनों से एक्टिव है, जो इस तरह की गतिविधियां कर रहा है।

शिकारियों ने 009 नाम का ग्रुप भी बनाया है। यह सोशल मीडिया पर एक्टिव है। पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं। भवानी सिंह नामक शख्स ने चिंकारा के पेड़ से लटके और पार्टी करते के वीडियो-फोटो शेयर किए हैं। पर्यावरण प्रेमी ओमप्रकाश लोल ने बताया की लूणी क्षेत्र के खेजड़ीयाली, सिंदल, बाड़मेर सीमा पर समदड़ी के पास समुजा, गोलिया के आसपास इन शिकारियों ने अपना क्षेत्र बना रखा है। बिश्नोई समाज और वन्यजीव प्रेमी रामलाल भवाद, लूणी विधायक महेंद्रसिंह बिश्नोई सहित अन्य ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। 24 घंटे में गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन और धरने की चेतावनी दी है।

गैंगस्टर रितिक बॉक्सर नेपाल से गिरफ्तार

स्पेशल पुलिस टीम जयपुर लाई, फिरौती के लिए जी-क्लब पर करवाई थी फायरिंग

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में जी क्लब पर फायरिंग के आरोपी गैंगस्टर रितिक बॉक्सर को जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने नेपाल से गिरफ्तार कर लिया है। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम को कुछ दिन पहले ही रितिक बॉक्सर की लोकेशन नेपाल में मिली थी। इसके बाद एक स्पेशल टीम नेपाल गई। इसके बाद आज रितिक बॉक्सर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उसे जयपुर लेकर आ गई है। यहां जवाहर सर्किल थाने में आरोपी से पूछताछ चल रही है। एडिशनल कमिश्नर कैलाश बिश्नोई गिरफ्तारी को लेकर दोपहर 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं।

28 जनवरी की रात करीब 12 बजे जयपुर के जवाहर सर्किल थाना क्षेत्र के जी क्लब में तीन बदमाशों ने तोबड़तोड़ फायरिंग की थी। यह पूरी घटना वहां के सीसीटीवी में कैद हो गई थी। घटना के बाद गैंगस्टर रितिक बॉक्सर ने सोशल मीडिया पोस्ट कर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। इस मामले में फायरिंग करने वाले बदमाश जयप्रकाश, संदीप और ऋषभ को जयपुर कमिश्नरेट पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इन्हें रितिक ने ही ट्रेनिंग दी थी। हनुमानगढ़ जंक्शन में व्यापारी इंद्र हिसारिया को वॉट्सऐप कॉल कर दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई। पुलिस ने मामले में आशीष विश्नोई, कार्तिक जाखड़ रावला और रितिक बॉक्सर को गिरफ्तार किया था।

उनको स्थानीय कोर्ट ने 5 साल की सजा भी सुनाई। बाद में जमानत पर छूट गए। व्यापारी इंद्र हिसारिया की दुकान पर फिरौती की डिमांड को लेकर फायर किए गए।

फसल खराबे पर बीजेपी का हंगामा और वॉकआउट

राठौड़ बोले- गिरदावरी में जानबूझकर 33% से कम खराबा दिखाया, मंत्री बोले- झूठ बोले रहे हैं

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश में ओलावृष्टि की वजह से खराब हुई फसलों और मुआवजे की गूंज सोमवार को विधानसभा में भी सुनाई दी। बीजेपी विधायकों ने खराबे के आकलन पर सवाल उठाते हुए हंगाम किया। आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल के जवाब से नाराज विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी की और सदन से वॉक आउट कर गए।

इससे पहले सदन में ओलावृष्टि से हुए खराबे पर बहस हुई, जिसमें विधायकों ने किसानों को तत्काल मुआवजा देने की मांग उठाई।

आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल ने सदन में कहा कि जनवरी से लेकर मार्च तक पाला, शीतलहर और ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों में 33 फीसदी से ज्यादा खराबा हुआ है,उन्हें जल्द स्टेट डिजास्टर रिलीफ फंड से अनपुट सब्सिडी के तौर पर सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही नुकसान की विशेष गिरदावरी करवाई जा रही है।

राठौड़ बोले- गिरदावरी के नाम पर गलत आकलन

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि इस बार किसानों पर चार चार बार कहर टूटा है। सरकार ने गिरदावरी के नाम पर लीपा पोती की है। इस बार डिजीटल गिरदावरी का नाम दिया गया, जबकि पटवारी और राजसव विभाग के कर्मचारी फील्ड में गए ही नहीं। बिना फील्ड में गए ही गिरदावरी कर दी गई।

सरकार ने गिरदावरी के वक्त कलेक्टर्स को यह भी कि कहा कि 33 फीसदी से ज्यादा खराबा नहीं दिखाना है। फसल बीमा का फायदा लेने के लिए किसान को कॉल सेंटर पर सूचना देनी होती है लेकिन वहां कोई फोन ही नहीं उठाता। 16 से 18 मार्च को अंधड़, तूफान और बारिश से फसलें बर्बाद हो गईं।

राठौड़ ने कहा-जनवरी में हुए खराबे पर स्पेशल गिरदावरी के बाद खराबे का एक पैसा तक नहीं दिया। पूरी गिरदावरी करवाएं। किसानों को हुए नुकसान का 15

दिन में सहायता दी जाए।

मंत्री ने कहा- उपनेता प्रतिपक्ष का दावा गलत

आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल ने कहा कि उपनेता प्रतिपक्ष ने सदन में गलत दावा किया है। किसी भी कलेक्टर को यह नहीं कहा गया कि खराबा कम करके दिखाना है, गिरदावरी की रिपोर्ट के आधार पर किसानों को जल्द इनपुट सब्सिडी के रूप में सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

इससे पहले आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल ने कहा- प्रदेश में आम तौर पर 103 लाख हेक्टेयर में रबी की फसल की बुवाई होती है। इस बार 109.55 लाख हेक्टेयर में बुवाई हुई।

जनवरी में शीतलहर से फसल खराबे की गिरदावरी करवाई गई। शीतलहर से 10 जिलों में 33 फीसदी खराबा हुआ, जिनमें दौसा, गंगानगर, सीकर,झुंझुनूं, जयपुर, नागौर, अलवर, भरतपुर सहित 10 जिले हैं।

इनमें 61 तहसील के 5038 गांवों में 20 लाख 85 हजार 317 किसान प्रभावित हुए हैं।

ओलावृष्टि से फसल खराबे पर जल्द मुआवजे के आदेश

आपदा राहत मंत्री ने सदन में कहा-पहले ओलावृष्टि से फसल खराबे में कोटा और उदयपुर के 18 हजार से ज्यादा किसान प्रभावित हुए हैं। 19 जिलों में कोई खराबा नहीं हुआ।

5 और 6 मार्च को हुई ओलावृष्टि की गिरदावरी करवाई है। कोटा जिले में 6 तहसील के 69 गांवों में 8293 किसान प्रभावित हुए हैं। फसलों की गिरदावरी के अनुसार 8293 किसान प्रभावित हुए हैं।

पूनिया बोले- राम के साथ राज भी रुठ जाए तो इससे बुरा कुछ नहीं

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि ओलावृष्टि से प्रदेश के कई इलाकों में भारी नुकसान आज भी बारिश और ओलावृष्टि हुई हैं। मेरे विधानसभा क्षेत्र के अलावा जयपुर, कोटा, बूंदी, टोंक सहित बहुत सी जगहों से नुकसान हुआ है। तीन किसानों की जान चली गई है।

पूरे राजस्थान में किसानों को भारी नुकसान हुआ है ।राम रुठ जाए लेकिन राज रुठ जाए तो उससे बुरा कुछ नहीं होता। फसल खराबे पर गिरदावरी की चर्चा होती है लेकिन उसका फायदा नहीं मिलता। सरकार इस नुकसान से प्रभावित किसानों को मुआवजा दे।

स्पीकर ने कहा- क्या किसानों को स्पेशल पैकेज दे सकते हैं, मंत्री बोले- कैबिनेट और सीएम से पूछना होगा

स्पीकर सीपी जोशी ने कहा कि बारिश, ओलावृष्टि से फसलें खराब हुई हैं। अब भी बारिश हो रही है।

क्या किसानों को कोई स्पेशल पैकेज या सहायता दी जा सकती है, इस पर विचार करें। इस पर आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल ने कहा कि स्पेशल पैकेज का फैसला सीएम से सलाह के बाद कैबिनेट की बैठक में ही हो सकता है। गिरदावरी के बाद प्रभावित किसानों को जल्द सहायता दी जाएगी।

200 करोड़ रुपए की जमीन से हटाया कब्जा

जेडीए की विद्याधर नगर में बड़ी कार्रवाई; 8 बीघा जमीन से हटे मार्बल-ग्रेनाइट के गोदाम

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर जेडीए की एन्फोर्समेंट टीम ने आज सुबह विद्याधर नगर में एरिया में करीब 8 बीघा सरकारी जमीन का कब्जा लिया। इस जमीन पर कई सालों से लोगों ने कब्जा कर रखा था। पिछले महीने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हुई थी, जिसमें फैसला जेडीए के पक्ष में आया था। कब्जे में ली गई जमीन का बाजार मूल्य करीब 200 करोड़ रुपए से ज्यादा माना जा रहा है।

जेडीए की एन्फोर्समेंट विंग के चीफ रघुवीर सैनी ने बताया- जोन 2 एरिया में स्थित ग्राम बीड़ सरकारी, मल्होत्रा नगर, विद्याधर नगर एईएन ऑफिस से लगते हुई इस सरकारी जमीन का कब्जा लेने की कार्यवाही की गई। खसरा नंबर-170 की करीब 8 बीघा इस जमीन पर 40 साल से ज्यादा समय तक लोगों ने कब्जा कर रखा था। इन अवैध कब्जों को आज हटाने की कार्रवाई करते हुए यहां जेसीबी से कच्चे-पक्के निर्माण को तोड़ा गया। मार्बल-ग्रेनाइट व्यापारियों को किराये पर दे रखी थी जमीन

जे डी ए की इस जमीन पर 9 मार्बल-ग्रेनाइट के ब ड़े गोदाम, 7 कबाड़ियों व अन्य के गोदाम, ऑफिस, पशुओं के बाड़े, चाय-नाश्ते की थड़िया समेत अन्य निर्माण करके व्यवसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थी। इसके अलावा करीब 80 टीनशेड-तिरपाल की झुग्गी झोपड़ियां बनाकर अवैध रूप से बस्ती बसा रखी थी। इन सभी से छोटी मीणा और उसके कुछ सहयोगी किराया वसूलते थे। इन सभी को जेडीए ने 10 मार्च को धारा 72 का नोटिस देकर कब्जा खाली करने के लिए कहा था।

जेडीए अधिकारियों ने बताया कि इस जमीन का मामला पिछले 30 साल से ज्यादा समय से कोर्ट में लम्बित था। साल 1958 में ये जमीन सेटलमेंट के समय जेडीए के नाम हो गई थी। साल 1997 में इस जमीन पर काबिज छोट राम मीणा ने सरकार पर मुआवजा नहीं देने और जमीन अपने दादा की होने की बात कहकर एडीएम कोर्ट में इस पर दावा पेश किया था।

दो सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत

हेलमेट भी नहीं बचा सका जान, दो गंभीर हालत में जयपुर रेफर

बानसूर, 20 मार्च (एजेंसियां)। बानसूर में रविवार को हुए दो सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत हो गई। वहीं, दो युवक गंभीर रूप से घायल है जिनका जयपुर में इलाज चल रहा है। क्षेत्र में एक साथ हुए तीन लोगों की मौत होने से हर कोई स्तब्ध है।

पहला हादसा बानसूर के हाजीपुर पुलिया का है। रविवार शाम 6 बजे दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगो की मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज़ थी की बाइक सवार युवक दूर दूर जाकर गिरे। वहीं एक बाइक सवार युवक की हेलमेट भी जान नहीं बचा सका। जानकारी के अनुसार

दीपक जोशी निवासी खैरथल बानसूर के बाइपास पर मोबाईल की दुकान करता था। रविवार शाम को दुकान बंद कर बाइक से अपने घर जा रहा था। इसी दौरान हाजीपुर पुलिया पर हाजीपुर की तरफ से आ रही एक बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। जिसने दीपक जोशी की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार दीपक अपने माता पिता के अकेला था और दीपक के चार बेटियां है। जिनकी उम्र 5 साल से 13 साल तक है। ऐसे में माता पिता पर दुखों का पहाड़ टूट गया। दिनेश की मौत होने पर चार बेटियों के सर से पिता का साया उठ गया।

दूसरी बाइक पर सवार बंसी पुत्र लालाराम निवासी हाजीपुर और सरजीत निवासी हाजीपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे बानसूर उप जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने देर रात गंभीर हालत होने पर दोनों को जयपुर के लिए रेफर कर दिया गया। जहां सोमवार सुबह एसएमएस अस्पताल में बंसी की इलाज के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार बंसी के माता पिता विकलांग है और बंसी के चार संतान है। वहीं कुछ साल पहले पिता के पैर में इंफेक्शन हो जानें से दोनो पैर कट गए थे। वहीं माता भी विकलांग है। ऐसे में बंसी की मौत हो जानें पर दुखों का पहाड़ टूट गया।

थ्रेसर में आया हाथ, टुकडे-टुकड़े हो गए

दूसरे युवक ने कमर पकड़ कर खींचा वरना पूरे शरीर के टुकड़े हो जाते

अलवर, 20 मार्च (एजेंसियां)। भरतपुर के नगर के मानोता कला गांव में सरसों की कटाई के दौरान युवक का हाथ थ्रेसर मशीन में आ गया। हाथ का पंजा पूरा कट गया। जिसके पंजे के टुकड़े-टुकड़े हो गए। समय रहते पास में खड़े दूसरे युवक ने उसकी कमर को पकड़ लिया और तेजी से बाहर की तरफ खींचा। ट्रैक्टर मालिक ने चिल्लाते हुए तीसरे युवक से थ्रेसर मशीन को बैक गियर में कराया। ताकि मशीन में फंसे युवक के शरीर को बाहर निकाला जा सके। ऐसा करके मानोता कला निवासी 35 वर्षीय लोकेश चौधरी के शरीर को टुकड़े-टुकड़े होने से बचा लिया गया।

वरना उनकी जान जाना तय थी। यही नहीं शरीर के भी टुकड़े-टुकड़े हो जाते। घटना रविवार दोपहर की है। खेतिहर मजदूर लोकेश का अलवर के जिला अस्पताल में इलाज जारी है। रूह कांप गई, जिसने भी देखा किसान राजेश ने बताया कि मैं भी थ्रेसर में सरसों की गठरियां डाल रहा था। जब थ्रेसर में सरसों की फंसी तो लोकेश सरसों को मशीन के अंदर डाल रहा था। तभी अचानक हाथ भी मशीन में चला गया। जैसे ही लोकेश चिल्लाया। मुझे पता लग गया कि लोकेश हाथ थ्रेसर में गया। राजेश ने बताया- तुरंत उसके शरीर को मैंने जकड़ लिया और बाहर की तरफ खींचा। काफी देर तक पकड़े रखा।

जयपुर में दोस्ती कर रीट की छात्रा से रेप

सरकारी नौकरी लगाने का दिया झांसा, नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर किया दुष्कर्म

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में फोन पर दोस्ती कर रीट की छात्रा से रेप करने का मामला सामने आया है। कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ रेप किया गया। अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर डेढ़ साल तक शोषण किया गया। ब्लैकमेलिंग के बाद भी फेसबुक पर उसके अश्लील फोटो कमेंट लिखकर वायरल कर दिए। प्रताप नगर थाने में पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया- अलवर निवासी 25 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जून 2021 से वह जगतपुरा में किराए के मकान पर रखकर रीट की तैयारी कर रही है। अनजान नंबर के जरिए उसकी बातचीत बसवा दौसा निवासी सतीश मीना से हुई। आरोपी सतीश ने बताया- उसने कई लड़के-लड़कियों की सरकारी नौकरी लगवाई है। आपकी भी सरकारी नौकरी लगवा देगा।

हनीट्रैप में फंसा सरकारी स्कूल का टीचर

महिला ने एक रात साथ बिताने का दिया ऑफर, साथियों के साथ की मारपीट

भीलवाड़ा, 20 मार्च (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में एक बार फिर सरकारी स्कूल के टीचर के साथ हनीट्रैप का मामला सामने आया है। इस महीने यह दूसरा मामला है। जब टीचर को टारगेट किया गया है। इस बार हनी ट्रैप गैंग की महिला ने टीचर को एक रात साथ बिताने का ऑफर दिया। वह मिलने गया तो महिला ने अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट की और अश्लील वीडियो बना लिया। जेब में रखे रुपए और चेक लेकर 5 लाख रुपए देने की मांग की। टीचर ने गंगापुर थाने में महिला और उसके तीन साथियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

गंगापुर थाना प्रभारी नरेंद्र जैन ने बताया कि काला डूंडा के रहने वाले सरकारी स्कूल के टीचर भंवर सिंह पुत्र नारायण सिंह चुंडावत ने आशा जाट नाम की महिला और उसके तीन साथियों के खिलाफ हनीट्रैप का मामला दर्ज करवाया है। टीचर ने बताया कि वह खातीखेड़ा सरकारी स्कूल में प्रबोधक है। उसके गांव में मकान का निर्माण काम चल रहा है। कारीगर राजू बलाई कई दिनों से बाहर गया हुआ था। उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ आ रहा था। 10 दिन पहले कारीगर ने एक महिला का फोन लेकर कॉल किया था। उसके बाद भावना जाट नाम की महिला का कॉल आया था। टीचर ने शाम को उस नंबर पर वापस फोन लगाया। फोन पर आशा जाट नाम की महिला बोल रही थी।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद का होली मिलन समारोह संपन्न

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद ने रंगो का त्योहार होली मिलन का आयोजन जगद्गिरीगुट्टा स्थित समाज द्वारा स्थापित अपने परशुराम मंदिर में मनाया। समाज के महासचिव सुनील सिंह ने प्रेस को बताया कि इस आयोजन में शहरद्वय के ब्रह्मर्षियों ने परिवार के साथ भाग लिया और कार्यक्रम का उठाया लिया। श्रीमती गीतू शर्मा ने सभी सदस्यों का स्वागत शब्द कुसुमों से किया। सदस्य गण एक दूसरे के गले मिलकर और गुलाल की टीका लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं। लक्ष्मण मिश्रा की पारंपरिक होली एवं लोक गीतों की मंडली एवं निभा झा ने लोक संगीत की छटा तो बिखेरी ही साथ ही फगुआ के गीत गाकर लोगों को झूमने पर मज़बूर किया। होली के हुड़दंग और मस्ती भरा माहौल ने वातावरण को मनमोहक बना दिया। आलोक कुमार सिंह, धर्मपत्नी श्वेता सिंह एवं शिवम के सुमधुर गायन ने लोगों का मन मोह लिया। उपाध्यक्ष अनीता राय के नेतृत्व में स्त्री और पुरुषों के बीच अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने इस आयोजन हेतु कार्यकारिणी के साथ सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया और कहा कि सबके सहयोग से ही यह आयोजन संभव हो सका। उन्होंने महिला सदस्यों के प्रति इस आयोजन हेतु सफल प्रयास के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। पूर्व महासचिव इंद्रदेव सिंह ने सभी गायकों की एवं पूर्व अध्यक्ष गोविंद जी राय ने संपूर्ण कार्यक्रम की सराहना की। अंगवस्त्र ओढ़ाकर कलाकारों का सम्मान किया गया। श्रीमती सुधा राय के संचालन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपर्युक्त सदस्यों के अतिरिक्त सहसचिव पंकज कुमार सी ए, प्रेमशंकर सिंह, अमर सिंह, मनोज शाही, रागिनी सिन्हा, श्वेता राय, राहुल सिंह आदि का विशेष सहयोग रहा। पूर्व अध्यक्ष श्री सुजीत ठाकुर, आर एस शर्मा, रामदहीन सिंह, बीके सिंह, बब्बन सिंह, रंजीत कुंवर, सत्य नारायण सिंह, सुभाष सिंह, जीपी शर्मा, एस एन शर्मा, मनोज सिंह, सुशील राय, अजय आनंद, कामेश्वर ठाकुर, अनुराग शर्मा, मिथिलेश सिंह, चंद्र शेखर चौधरी आदि ने अपनी उपस्थिति के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।

नारनौल अग्रवाल समिति की कार्यकारिणी सभा आयोजित

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नारनौल अग्रवाल समिति, हैदराबाद-सिकंदराबाद की कार्यकारिणी की सभा का आयोजन किया गया। अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल भाल वाले ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया मंत्री अशोक कुमार अग्रवाल ने पिछली सभा के मिनट प्रस्तुत किए। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सदस्यता शुल्क जिन सदस्यों ने नहीं दिया है वह देने का कष्ट करें आपकी सुविधा के लिए अप्रैल 2023 से बैंक में यूटीआई के द्वारा जमा कराने की व्यवस्था की जा रही है एवं मिट्टी का शेर पर स्थित नारनौल समिति के भवन का रिनोवेशन करवाने का प्रस्ताव पास किया गया है। रिनोवेशन के पश्चात सदन में सुंदरकांड का पाठ आयोजित किया जाएगा। वर्तमान समिति का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है नई कार्यकारिणी के चुनाव मई 2023 में कराने का निर्णय लिया गया है जिसकी तारीख की सूचना बाद में दी जाएगी। सभा में राजेंद्र भाल वाले आर अशोक कुमार अशोक अग्रवाल ओम प्रकाश जी अग्रवाल महावीर प्रसाद जी अग्रवाल रविंद्र अग्रवाल राजेश अग्रवाल विशाल बंसल संजय अग्रवाल कमल अग्रवाल दीपक अग्रवाल रेखा अग्रवाल ने भाग लिया।

अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा की रजत जयंती 26 को, पोस्टर जारी

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगना की दोमलगुडा शाखा की स्थापना के 25 वर्ष को रजत जयंती महोत्सव के रूप में रविवार 26 मार्च को आयोजित किया जाएगा। शाखा के मानद मंत्री योगेश अग्रवाल के द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस संदर्भ में हैदरगुड़ा स्थित बीकानेरवाला में शाखा की कार्यकारिणी सदस्यों और कार्यक्रम सहयोगियों की एक सभा संपन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श और संबंधित निर्णय लिए गए। सभा में कार्यक्रम का पोस्टर भी जारी किए गया।

नगर के रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई के केएलएन प्रसाद ऑडिटोरियम में सांय 6.30 बजे संपन् होने वाले उक्त कार्यक्रम में सम्माननीय विशिष्ट अतिथियों के साथ ही समाज की केंद्रीय समिति के पदाधिकारी, केंद्र समिति सदस्य, समस्त शाखाओं के पदाधिकारी, दोमलगुडा शाखा के सभी सदस्य, शाखा के पूर्व पदाधिकारी व विशेष आमंत्रित लोग उपस्थित हो सकेंगे। इस अवसर पर देश के प्रख्यात कवि अमन अक्षर के द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का काव्य चित्रण कार्यक्रम का विशेष आकर्षण होगा।

शाखा के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, संयुक्त मंत्री प्रतीक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विजय कुंछल, निवर्तमान अध्यक्ष डॉ दिलीप पंसारी, परामर्शदाता गिरधारी लाल अग्रवाल और श्यामलाल अग्रवाल के साथ ही अन्य उपस्थित लोगों ने भी कार्यक्रम के संबंध में अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए। शाखा के परामर्शदाता ओमप्रकाश पंसारी, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, केंद्रीय समिति सदस्य विजय जिंदल के साथ ही बृजेश सिंघल, निरंजन पंसारी, वीके गर्ग, अमित अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अग्र महिला मंच और अन्य के द्वारा कार्यक्रम मे उत्साहवर्धक सहयोग की सभा में सराहना की गई। सभा में राकेश रासिवासिया, अक्षय अग्रवाल, अजय गुप्ता, नवीन रूंगटा, नीरज अग्रवाल, जुगल किशोर अग्रवाल, सरला अग्रवाल, पूजा गुप्ता, रश्मि अग्रवाल, सीमा अग्रवाल के साथ ही अन्य अग्रबंधु और महिलाएं उपस्थिति थी।

राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय के आह्वान पर सेरिलिंगमपल्ली के भाजपा प्रभारी गज़ला योगानंद ने विवेकानंद नगर अल्लूरी सीतामाराजू प्रतिमा के सामने टीएसपीएससी परीक्षा लीक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

महिला मंडल द्वारा 'उत्सव के रंग-रिश्तों के संग' कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल निर्देशानुसार श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में उत्सव के रंग, रिश्तो के संग होगी उमंग जब होंगी ननद भाभी संग कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला दुबई गेट ओल्ड बोनपल्ली स्थित सीता जोन की बहनों द्वारा आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से की गई। ममता दुगड़ और भावना बैंगानी ने बहुत ही सुंदर मंगलाचरण प्रस्तुत किया। अध्यक्ष अनीता गिडीया ने पधारी हुई सभी बहनों का स्वागत किया। सरिता डागा, सज्जन चौरडिया ने कविता के माध्यम से अपनी ननद के लिए भाव रखे। अंजू चौड़रिया व शोभा नाहर, प्रियंका नाहटा व श्वेता घोषल, सरिता डागा व संजू बैद, और ममता दुगड़ व भावना बैंगानी ने ननद भाभी का रिश्ता क्या होता है पर छोटी सी स्किट के माध्यम से बताया। सुशीला मोदी, रेणु नाहटा, वंदना धारेवाल, सारिका बुच्चा, ने अपनी ननद के लिए अपने भाव रखे और बताया कि बड़ी ननद भी मां के समान होती है। सुनीता जैन ने नमस्कार महामंत्र पर भजन सुनाया। कार्यक्रम का सुसचालन अंजू चौरडिया ने किया। आभार ज्ञापन मंत्री श्वेता सेठिया ने किया।

राजपुरोहित सेवड़ परिवार सुरायता द्वारा प्रेम सभा का आयोजन

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजपुरोहित सेवड़ परिवार सुरायता द्वारा प्रेम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पधारे सभी अतिथियों का सेवड़ परिवार द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के शंकर सिंह राजपुरोहित, गुलाब सिंह राजपुरोहित, उत्तम सिंह राजपुरोहित, प्रेम सभा का आयोजन राजपुरोहित सेवड़ परिवार सुरायता द्वारा प्रेम सभा का आयोजन किया गया जिसमे पधारे सभी अतिथियों का सेवड़ परिवार द्वारा सम्मान किया गया अवसर पर समाज के शंकर सिंह राजपुरोहित, गुलाब सिंह राजपुरोहित, उत्तम सिंह राजपुरोहित, लक्ष्मण सिंह राजपुरोहित, भंवर सिंह राजपुरोहित, चैन सिंह राजपुरोहित, हीर सिंह राजपुरोहित, शभू सिंह राजपुरोहित, भगवान सिंह राजपुरोहित, समाजसेवी धर्माराम ढाका, सोहन लाल बांगड़ा, लिकमाराम खोखर, कैलाश सारण, पपूलाल प्रजापत, दोलाराम कड़वा, चिमनाराम मूंडियाड़ा, हनुतराम खोखर, बुदाराम पुनिया, गौतम पुनिया, धनाराम जाखड़, दिनेश डांगी, श्रवण जाखड़, दुदाराम गुर्जर अन्य उपस्थित रहे।

जन सेवा संघ के उपाध्यक्ष जेएन विश्वकर्मा पंच तत्व में विलीन

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेवा संघ के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ सदस्य जेएन विश्वकर्मा ने लंबी बीमारी से जूझते हुए कल रात अंतिम सांस ली। ईएसआई हॉस्पिटल स्थित शमशान वाटिका में अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें संस्था के प्रेरणास्रोत वीके सिंह, अध्यक्ष एलएम चौधरी और महासचिव सुधीर जायसवाल ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। संघ के अनेक सदस्यों ने एवं पदाधिकारियों ने इस अंत्येष्टि क्रिया में भाग लिया। इस अवसर पर संघ सभी पदाधिकारी और सदस्य जिसमें कोषाध्यक्ष एके मिश्रा, आर्गनाइज़िंग सचिव वीडी चौबे, केडी चौबे, श्रीकांत पांडेय, डीडी तिवारी, एसए खान, संजय कुमार भगत, सत्य प्रकाश सिंह, अश्विनी सिंह, सुनील श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव, विमलेश पांडेय, नारायण ओझा, राजेश चौबे, निरंजन सिंह, हरेन्द्र चौबे, एल एन चौबे, मनोज कुमार सिंह आदि उपस्थिति हुए।

आलाप द्वारा महफिल-ए-गजल कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नगरद्वय की प्रसिद्ध संगीत प्रेमियों की संस्था आलाप द्वारा हिमायतनगर में आयोजित महफिल ए गजल में हिमांशु शर्मा, जयपुर ने अपनी प्रशंसनीय प्रस्तुति दी। शाहनवाज़, मुंबई ने गिटार पर एवं हरजीतसिंह ठाकुर ने तबले पे संगत की। उपस्थित श्रोताओं ने इस संगीत-संध्या का भरपूर आनंद लिया।

आयोजन में अफगानिस्तान के 'महावाणिज्य दूत' एब्राहिम खलील, रामवतार दाहिमा, सुश्री पूर्वा गुरु शर्मा, अद्नान सालेम, सारेगामा फ़ेम ज्योति शर्मा एवं दीपिका शर्मा, गोविंद शर्मा, सुश्री संगीता मित्रा, सुश्री माला बगारिया, सीए अरुण दधीच और डॉ मोहन गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों उपस्थित थे।

नगर पधारे केंद्र सरकार के विदेश मंत्रालय में कार्यरत आईएफएस अधिकारी प्रदीप सिंह राजपुरोहित और सज्जन सिंह राजपुरोहित का स्वागत करते हुए भाजपा नेता उत्तम सिंह राजपुरोहित, चैन सिंह राजपुरोहित, अशोक सिंह, नारायण सिंह, सुरेंद्र सिंह, प्रकाश सिंह, विक्रम सिंह, रतन सिंह, कुंदन सिंह, चेतन राजपुरोहित एवं अन्य।

देवी पोचम्मा मंदिर की वर्षगांठ समारोह आयोजित

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीदेवी पोचम्मा शिवलिंगेश्वर स्वामी छावनी ओकाटो वाडू के तहत चिन्नाथोकट्टा एस कॉलोनी की 25वीं वर्षगांठ समारोह समिति के सदस्यों द्वारा आयोजित किया जा रहा है। वर्षगांठ के उपलक्ष्य में छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पन्ना प्रताप ने मंदिर के देवी-देवताओं के दर्शन किए और विशेष पूजा की। इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्यों ने उन्हें शाल ओढाकर सम्मानित किया। बाद में, उन्होंने कहा कि मंदिरों को मानसिक शांति का स्थान होना चाहिए और नियमित पूजा से मन की शांति प्राप्त की जा सकती है। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि पूजा आज से तीन दिन तक चलेगी। कार्यक्रम में अलाया के पुजारी मंगवेली सेशा चार्युलु, अध्यक्ष डीएम अशोक कुमार, सचिव जीएस यादव राव और अन्य लोगों ने भाग लिया।

माथुर वैश्य शाखा सभा हैदराबाद का होली मिलन

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। माथुर वैश्य शाखा सभा हैदराबाद का होली मिलन समारोह माथुर वैश्य भवन आगापुरा में मनाया गया। इसमें महासभा की तीनों इकाइयों की शाखा सभा, महिला मण्डल, युवादल पदाधिकारियों अध्यक्ष दिलीप गुप्ता, मंत्री राजेन्द्र पनवरिया, उपमंत्री विशाल गुप्ता, उपाध्यक्ष रामनिवास, सुभाष गुप्ता, जगदीश, महिला मण्डल अध्यक्षा आशा पनवरिया, उपाध्यक्षा सुनीता, मंत्राणी बबिता, शशि, पिंकी, नीलम, डॉ. मालती, अरुणा गुप्ता एवं सभी सदस्यों ने एक-दूसरे के रंग-गुलाल लगाकर फूलों की होली खेलकर एंव होली के लोकगीतों को गाकर नृत्य कर होलिकोत्सव मनाया एंव स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ उठाया।

सरस्वती शिशु मंदिर में आचार्य देवोभव कार्यक्रम का आयोजन

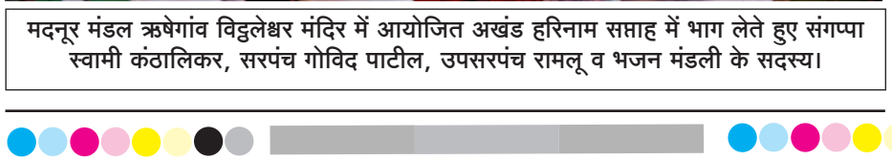

कुमरभीम आसिफाबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरभीम आसिफाबाद जिले में सोमवार के दिन सरस्वती शिशु मंदिर 10वीं कक्षा के छात्रों के लिए चंदना कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष चिलबेरा वेंकटेश्वर ने कहा कि आने वाले समय में दसवीं की परीक्षा के लिए छात्र परीक्षा में पूरी तरह से तैयारी करें और परीक्षा में सफल होकर अपने माता पिता और अध्यापकों का नाम रोशन करने की बात कही। उन्होंने कहा कि परीक्षा की तैयारी करते समय छात्र किसी प्रकार का कोई टेंशन ना ले और अपने पढ़ाई पर ही ध्यान दें और परीक्षा केंद्र में समय पर पहुंचे। इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष चिलबेरा वेंकटेश्वर, जिला समन्वयक कोटा वेंकन्ना, सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल आसिफाबाद के सदस्य दरीपेल्ला कृष्णमाचारय और सलाहकार समिति के सदस्य गुंडा बालेश्वर, विदुत्समिति के सदस्य और पेंड्या सदाशिव, तंगलापेल्लु रामेन, नलगोंडा रमेश, करिदे महेश गोंड, वेंकटराव विद्यालय समिति के सदस्य श्री कलुरी संतोष, मरचंडी सदस्य श्रीमती जंबिराला उमागरू, श्रीमती चिप्पा रामदेगरु आचार्य 9वीं और 10वीं कक्षा के छात्रों ने भाग लिया।

मदनूर मंडल ऋषेगांव विट्ठलेश्वर मंदिर में आयोजित अखंड हरिनाम सप्ताह में भाग लेते हुए संगप्पा स्वामी कंठालिकर, सरपंच गोविद पाटील, उपसरपंच रामलू व भजन मंडली के सदस्य।

शिक्षाधिकारियों के गलत निर्णय के कारण 35 हजार हिंदी पंडित बेरोजगार : गैबुवली

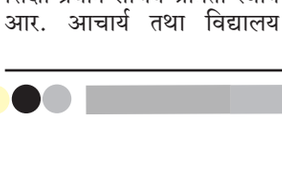

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार तथा केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हिंदी प्रचार सभाओं के राष्ट्रभाषा प्रवीण, विद्वान, मध्यमा, विशारद आदि डिग्री कोर्स के योग्यता के साथ सरकारी एवं गैरसरकारी कॉलेजों में 35 हजार हिंदी पंडित शिक्षण पूर्ण कर चुके हैं। संयुक्त आंध्र प्रदेश में एवं तेलंगाना राज्य बनने के बाद भी वर्ष 2017 में गुरुकुल विद्यालयों में हिंदी अध्यापक नियुक्ति में हिंदी प्रचार सभा डिग्री के साथ हिंदी पंडित शिक्षण प्रशिक्षण प्राप्त किये वाले छात्रों को योग्यता अनुमति गत 30 वर्षों से किसी भी गतिरोध के बिना चल रही थी। राज्य में हिंदी अध्यापकों को यही शिक्षा योग्यता रहती है। इसी योग्यता के आधार पर सरकारी तथा गैरसरकारी विद्यालयों में नौकरी पा रहे हैं। उस समय के शिक्षा प्रधान सचिव श्रीमती रंजीव आर. आचार्य तथा विद्यालय शिक्षा कमीशनर जी. किशन ने बिना जानकारी, बिना विचार किये निर्णय, उपेक्षा करते हुए किसी प्रकार के समाचार या निर्णय तिथि के बिना किसी विज्ञापन के हिंदी प्रचार सभा डिग्रीयों द्वारा हिंदी पंडित शिक्षण पाये हुए टेट में योग्यता प्राप्त छात्रों को भी 2018 डीएससी में अयोग्य घोषित किया गया। इस निर्णय द्वारा तेलंगाना राज्य भर में 35 हजार हिंदी पंडित शिक्षण पूर्ण किये हुए छात्र रोड पर आ गए। उनके परिवार भी मानसिक वेदना के शिकार हुए। इसी योग्यता के सहारे अबतक भी आंध्र प्रदेश राज्य में हिंदी अध्यापक नियुक्ति हो रही है, हिंदी अध्यापक याने यही शैक्षिक योग्यता रहती है। हिंदी सेवासदन के संस्थापक शेक गैबुवली ने उन दो शिक्षाधिकारियों की वजह से हजारों छात्रों को हुए नुकसान का जायजा लेते हुए अभी होने वाले गुरुकुल तथा डीएससी में हिंदी अध्यापक नियुक्ति में हिंदी प्रचार सभा डिग्री द्वारा हिंदी पंडित शिक्षण पूर्ण किये वालों को भी अनुमति देकर छात्र और उनके परिवारों की मानसिक वेदना को दूर करने की मांग ते हुए एक पुण्य कार्य करने के लिए मंत्री केटीआर एवं शिक्षा मंत्री श्रीमती सबिता इंद्रारेड्डी से अपील की।

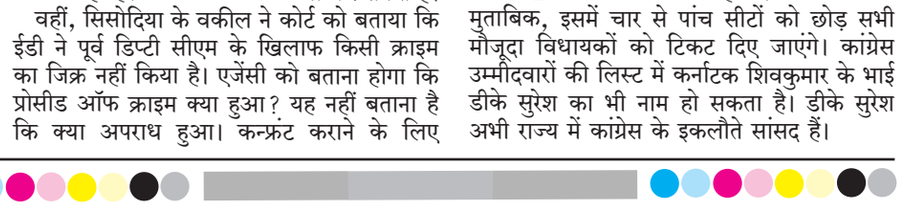

मारवाड़ मुंडवा नागरिक मंडल के निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर रमेश कुमार बंग का सम्मान करते हुए रामनवमी उत्सव समिति के डॉ. भगवंत राव, एम. वैकुंठम, नारायणदास सारडा, श्रीराम व्यास, करोडीमल अग्रवाल व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ओआरओपी एरियर का ...

ये निष्पक्ष न्याय की प्रक्रिया के खिलाफ होगा। इससे पहले अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में भी सीजेआई ने सीलबंद जानकारी लेने से मना कर दिया था। तब केंद्र ने सीलबंद लिफाफे में विशेषज्ञ समिति में शामिल करने के लिए नामों का सुझाव दिया था।

सीजेआई ने कहा कि अगर जानकारी से किसी की जिंदगी खतरे में आती है या इंफोर्मेशन सोर्स प्रभावित होता है तो गोपनीयता की जरूरत समझ में आती है। लेकिन ये बकाया पेंशन के भुगतान करने का मामला है। इसमें क्या गोपनीयता हो सकती है।

सिसोदिया की 14 ...

उन्हें सिसोदिया के सामने बैठाकर ई-मेल और मोबाइल से मिले डेटा के बारे में पूछताछ करनी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि ई-मेल से मिले डेटा के बारे में पूछताछ करने के लिए उन्हें कस्टडी में रखने की जरूरत नहीं है। ये तो आप जेल में भी कर सकते हैं।

वहीं, सिसोदिया के वकील ने कोर्ट को बताया कि ईडी ने पूर्व डिप्टी सीएम के खिलाफ किसी क्राइम का जिक्र नहीं किया है। एजेंसी को बताना होगा कि प्रोसीड ऑफ क्राइम क्या हुआ? यह नहीं बताना है कि क्या अपराध हुआ। कन्फ्रंट कराने के लिए हिरासत की जरूरत नहीं होती।

राहुल बोले-कर्नाटक ...

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के हेडक्वार्टर में हुई बैठक में पार्टी ने चुनाव में किसी के साथ गठबंधन नहीं करने का फैसला किया है।

एसडीपीआई के साथ गठबंधन के सवाल पर कर्नाटक के कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि हमने किसी के साथ गठबंधन नहीं किया है। हम अकेले आए हैं, हम अकेले ही लड़ेंगे और जीतेंगे। सीईसी की मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी भी शामिल थे। बता दें कि कांग्रेसी नेताओं ने दावा किया है कि कर्नाटक में पार्टी 224 में से लगभग 150 सीटें जीतेगी। दरअसल, मई में कर्नाटक विधानसभा का चुनाव होना है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, सीईसी की बैठक में 224 सीटों वाले कर्नाटक विधानसभा में 110 सीटों पर उम्मीदवार तय कर लिए हैं। उम्मीदवारों की पहली लिस्ट 20 मार्च को जारी होगी। जानकारी के मुताबिक, इसमें चार से पांच सीटों को छोड़ सभी मौजूदा विधायकों को टिकट दिए जाएंगे। कांग्रेस उम्मीदवारों की लिस्ट में कर्नाटक शिवकुमार के भाई डीके सुरेश का भी नाम हो सकता है। डीके सुरेश अभी राज्य में कांग्रेस के इकलौते सांसद हैं।

लेफ्ट आर्म पेसर्स के आगे भारत की बैटिंग फेल

बोल्ट ने वनडे तो शाहीन ने टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर कराया था; कई बार टॉप ऑर्डर बिखरा

खेल डेस्क, 20 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2017 का फाइनल मैच। इंग्लैंड के द ओवल मैदान भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने थीं। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने आई पाकिस्तान ने 337 रन बनाए। रोहित शर्मा, शिखर धवन और विराट कोहली जैसे मजबूत टॉप ऑर्डर के सामने ये टारगेट चेज होता नजर आ रहा था। लेकिन 9 ओवर खत्म होते ही टीम इंडिया का स्कोर 33/3 हो गया। रोहित, धवन और कोहली तीनों पवेलियन में, वजह सिर्फ मोहम्मद आमिर।

आमिर ने पावरप्ले में तीनों को पवेलियन भेजा और भारत 180 रन से मैच हार गया। आमिर के बाद न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट ने 2019 वनडे वर्ल्ड कप में भारत का यही हाल किया। फिर पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी ने टी-20 वर्ल्ड कप 2021 में अपने शुरुआती दो ओवर में केएल राहुल और रोहित शर्मा के विकेट लेकर भारत को बैक फुट पर धकेल दिया। भारत पहली बार किसी वर्ल्ड कप मुकाबले में पाकिस्तान से हारा।

इसके बाद इंग्लैंड के पिछले दौरे पर रीस टोप्ले ने भारतीय बल्लेबाजों को बहुत परेशान किया। अब ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने भारत में ही हमारे टॉप बैटर्स की नाक में दम कर दिया है।

इन सभी में कुछ बातें कॉमन हैं। सभी लेफ्ट आर्म पेसर्स हैं। सभी तेजी से इन-स्विंग बॉल फेंकते हैं। सभी ने हमारे टॉप ऑर्डर को बड़े टूर्नामेंट और अहम मैचों के पावरप्ले में ही पवेलियन भेज रखा है। आगे स्टोरी में हम जानेंगे कि हमारे बैटर्स ने लेफ्ट आर्म पेसर्स के सामने किन अहम मौकों पर स्ट्रगल किया, इसकी वजह क्या रही और इसी साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में टॉप-10 टीमों के कौन से बॉलर्स टीम इंडिया को परेशान कर सकते हैं।

आगे जानेंगे कि लेफ्ट आर्म पेसर्स हमें परेशान क्यों करते हैं, उससे पहले उन वाकयों के बारे में विस्तार से जान लीजिए जिनका जिक्र ऊपर किया गया था...

ट्रेंट बोल्ट | वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल

9 जुलाई 2019 को भारत और न्यूजीलैंड की टीमें वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइन में भिड़ीं। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 239 रन पर रोक दिया। खराब मौसम के कारण बारिश होने लगी और मैच रिजर्व डे पर अगले दिन की सुबह कन्टीन्यू हुआ। केएल राहुल, रोहित और विराट जैसे बैटर्स के आगे 240 का टारगेट छोटा लग रहा था, लेकिन 3.1 ओवर में भारत का स्कोर 5/3 हो गया। तीनों टॉप ऑर्डर बैटर्स पवेलियन लौट गए।

न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट ने कोहली और मैट हेनरी ने बाकी 2 विकेट लिए। टीम इंडिया दबाव में आ गई, लेकिन महेंद्र सिंह धोनी और रवींद्र जडेजा मैच को आखिर तक ले गए। यहां भी लेफ्ट आर्म पेसर बोल्ट आए और जडेजा को 77 रन पर आउट कर दिया। धोनी अगले ही ओवर में रन आउट हुए और भारत 18 रन से मैच हारकर फाइनल में जगह नहीं बना सका।

शाहीन शाह अफरीदी | टी-20 वर्ल्ड कप, ग्रुप स्टेज

2021 टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में भारत का पहला ही मुकाबला चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से हुआ। टूर्नामेंट में इससे पहले पाकिस्तान से कभी नहीं हारने वाली टीम इंडिया इस बार फिर फेवरेट मानी जा रही थी। भारत की बैटिंग आई और 2.1 ओवर में स्कोर 6/2 हो गया। रोहित और राहुल को लेफ्ट आर्म पेसर शाहीन शाह अफरीदी ने आउट कर दिया।

भारतीय टीम दबाव में आ गई, यहां से कोहली ने पारी संभाली और टीम को बड़े स्कोर की ओर ले जाने लगे। यहां भी 19वें ओवर में शाहीन ने कोहली को आउट किया और भारत 20 ओवर में दुबई के मैदान पर 151 रन ही बना सका। पाकिस्तान ने बगैर विकेट गंवाए 17.5 ओवर में ही टारगेट हासिल कर भारत को टूर्नामेंट इतिहास में पहली बार हरा दिया। वो भी पूरे 10 विकेट से।

टी-20 में भी हमारे बैटर्स अक्सर लेफ्ट आर्मर्स के खिलाफ स्ट्रगल करते हैं। नीचे के ग्राफिक में देखें टीम इंडिया के बैटर्स का टी-20 में लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाजों के खिलाफ प्रदर्शन...

द्विपक्षीय सीरीज में इन्होंने किया परेशान

2015 में टीम इंडिया महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में वनडे सीरीज खेलने बांग्लादेश गई। टीम जब भारत लौटी तो हम 2-1 से सीरीज हार चुके थे, बांग्लादेश को सीरीज जिताने वाले प्लेयर का नाम मुस्ताफिजुर रहमान था। इस लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज ने वनडे सीरीज के 3 मैचों में 13 भारतीय बैटर्स को पवेलियन भेजा। अब हालात ये है कि मुस्ताफिजुर भारत के खिलाफ अब तक 12 वनडे में कुल 22 ले चुके हैं।

मुस्ताफिजुर के बाद तो जैसे विपक्षी टीमें भारत के खिलाफ एक न एक लेफ्ट आर्म पेसर को टीम में रखने ही लगीं। जिसका नतीजा भी विपक्षी टीमों को मिला, 2022 में इंग्लैंड गई टीम इंडिया के खिलाफ रीस टॉप्ले ने वनडे में 6 विकेट लेकर लगभग अकेले ही टीम को हरा दिया। उस दौरे पर टी-20 और वनडे सीरीज में लेफ्ट आर्म पेसर डेविड विली ने भी खूब विकेट चटकाए। टॉप्ले के नाम तो भारत के खिलाफ 5 वनडे में 12 विकेट हैं, वहीं विली के नाम भी 9 विकेट हैं।

टेस्ट में भी आती हैं दिक्कतें

वनडे और टी-20 के अलावा टीम इंडिया के बैटर्स टेस्ट में भी लेफ्ट आर्म पेसर्स के खिलाफ स्ट्रगल करते हैं। इंग्लैंड के सैम करन तो 2018 की टेस्ट सीरीज में भारत और इंग्लैंड के बीच जीत का सबसे बड़ा अंतर रहे। उन्होंने पूरी सीरीज के 4 मैचों में 11 विकेट लिए, वो भी अहम मौकों पर। उन्होंने जिन बैटर्स को आउट किया, उनमें विराट कोहली, केएल राहुल, मुरली विजय से लेकर चेतेश्वर पुजारा भी शामिल रहे।

साउथ अफ्रीका के मार्को यानसेन ने भी 2021-22 की टेस्ट सीरीज में कोहली, राहुल समेत हमारे कई टॉप ऑर्डर बैटर्स को पवेलियन भेज कर भारत को सीरीज जीतने से रोका था। टीम इंडिया उस दौरे पर 1-2 से टेस्ट सीरीज हार गई थी।

क्या हैं कारण?

लेफ्ट आर्म पेसर्स के खिलाफ हमारे बैटर्स के स्ट्रगल करने के 2 कारण नजर आते हैं। अच्छे लेफ्ट आर्म बॉलर्स के सामने प्रैक्टिस न होना और तेजी से आती इन-स्विंगिंग गेंदों पर हमारे बैटर्स की टेक्नीक।

टीम इंडिया में लेफ्ट आर्म पेसर्स ही नहीं

भारतीय टीम के बैटर्स पिछले 10 सालों में लेफ्ट आर्म पेसर्स के खिलाफ कुछ ज्यादा ही स्ट्रगल कर रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह लेफ्ट आर्म पेसर्स के खिलाफ प्रैक्टिस की कमी है। टीम इंडिया में इस वक्त स्टार्क, बोल्ट, शाहीन या आमिर जैसे लेफ्ट आर्म पेसर्स नहीं हैं। पिछले कुछ सालों में जो लेफ्ट आर्म बॉलर्स टीम में खेले, उनमें खलील अहमद, जयदेव उनादकट, बरिंदर सरन, चेतन साकरिया, थंगारसु नटारजन और अर्शदीप सिंह शामिल रहे।

इनमें से न तो कोई बॉलर परमानेंट हो सका और न ही कोई लगातार 145+ किमी की स्पीड से बॉल को स्विंग करा सकता है। इंटरनेशनल के अलावा मुकेश चौधरी, यश दयाल, आकाश सिंह और मोहसिन खान जैसे कुछ बॉलर्स IPL और घरेलू क्रिकेट में अच्छा कर रहे हैं, लेकिन इंटरनेशनल लेवल की छाप नहीं छोड़ पा रहे। घरेलू क्रिकेट के इन्हीं चुनिंदा 10-12 बॉलर्स के सामने भारतीय बैटर्स पिछले कुछ समय से प्रैक्टिस कर रहे हैं।

नतीजा यह निकल रहा है कि ये प्रैक्टिस इंटरनेशनल लेवल के पेसर्स का सामना करने के लिए काफी नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी सीरीज में तो भारत के पास उनादकट ही एकमात्र लेफ्ट आर्म पेस बॉलिंग ऑप्शन हैं। वहीं 2013 से पहले तक टीम में जहीर खान, इरफान पठान, आरपी सिंह और आशीष नेहरा के रूप में 4 लेफ्ट आर्म पेसर्स एक साथ टीम इंडिया में खेले हैं। ऐसे में घरेलू क्रिकेट में अच्छे लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाजों के नहीं होने से भी बैटर्स के प्रदर्शन पर असर पड़ रहा है।

इन स्विंगिंग गेंदें ज्यादातर बैटर्स की कमजोरी

चैंपियंस ट्रॉफी, वनडे और टी-20 वर्ल्ड कप से लेकर द्विपक्षीय सीरीज के ज्यादातर मैचों में हर किसी लेफ्ट आर्म पेसर ने हमारे बैटर्स को परेशान नहीं किया। ये तो वो ही बॉलर्स कर सके जो तेजी से राइट हैंड बैटर्स को इन-स्विंगिंग गुड और फुलर लेंथ गेंदें फेंक रहे थे। स्टार्क भी फिलहाल जारी सीरीज में कुछ ऐसा ही कर रहे हैं और उन्हीं जैसे बॉलर्स के सामने हमारे बैटर्स ने खूब स्ट्रगल किया।

कई क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि तेजी से गुड और फुलर लेंथ से बॉडी की ओर आने वाली गेंदें किसी भी वर्ल्ड क्लास बैटर को परेशान कर सकती हैं। इंडियन बैटर्स भी इसी समस्या से जूझ रहे हैं। बॉलिंग की बात करें तो उनादकट एंगल का यूज कर बॉल को राइट हैंड बैटर से दूर की ओर ले जाते हैं। वहीं अर्शदीप अच्छी इन-स्विंग तो फेंक रहे हैं, लेकिन स्टार्क या शाहीन जितनी पेस नहीं जनरेट कर पा रहे। ऐसे में टीम की बैटिंग प्रैक्टिस लेफ्ट आर्मर्स के सामने कुछ हद तक अधूरी ही रह जा रही है।

वनडे वर्ल्ड कप में ये बॉलर्स करेंगे परेशान

50 ओवर की भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज वनडे वर्ल्ड कप के लिहाज से दोनों टीमों के लिए अहम है। क्योंकि भारत में ही 7 महीने बाद वनडे वर्ल्ड कप होगा, जिसमें ये दोनों ही टीमें रहेंगी। ऑस्ट्रेलिया में तो स्टार्क और जेसन बेहरनड्रॉफ के रूप में 2 लेफ्ट आर्म पेसर्स मौजूद हैं, जो भारत और विपक्षी टीम के टॉप ऑर्डर को परेशान कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया-भारत के अलावा टूर्नामेंट में 8 और टीमें भी रहेंगी। उन टीमों में भी कुछ अच्छे लेफ्ट आर्म पेसर्स हैं, जो वर्ल्ड कप में भारत की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। इनमें साउथ अफ्रीका के मार्को यानसेन, वेन पार्नेल, वेस्टइंडीज के शेल्डन कॉट्रेल, ओबेड मैकॉय, श्रीलंका के दिलशान मदुशंका, इंग्लैंड के सैम करन और रीस टॉप्ले, पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी और बांग्लादेश के मुस्ताफिजुर रहमान जैसे बॉलर्स शामिल हैं।

कार्लोस अल्कारेज फिर वर्ल्ड नंबर- 1

इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में डेनियल मेदवेदेव को हराया, रैंकिंग में जोकोविच दूसरे नंबर पर

खेल डेस्क, 20 मार्च (एजेंसियां)। स्पेन के 19 वर्षीय टेनिस स्टार कार्लोस अल्कारेज ने अपना पहला इंडियन वेल्स खिताब जीतने के बाद 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच को पछाड़कर एटीपी रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 1 का स्थान हासिल कर लिया है। अल्कारेज ने रविवार देर रात अमेरिका के इंडियन वेल्स में हुए मुकाबले के फाइनल में रूसी स्टार डेनियल मेदवेदेव की 19 मैचों की जीत के सिलसिले को खत्म कर 6-3, 6-2 से विजय हासिल की।

पहली बार जीता इंडियन वेल्स टूर्नामेंट

अल्कारेज ने हाल ही में हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा नहीं लिया था। उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट आई थी। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में जीतने के बाद जोकोविच आगे निकल गए थे। हालांकि, इंडियन वेल्स ने अल्कारेज को वर्ल्ड नंबर 1 पर लौटने का मौका दिया और उन्होंने फाइनल में मेदवेदेव को हरा दिया। 19 वर्षीय अल्कारेज ने पिछले साल यूएस ओपन जीतने के बाद पहली बार नंबर 1 रैंकिंग हासिल की थी। इस बार अल्कारेज ने अपना तीसरा मास्टर्स 1000 खिताब जीता है और वे अपने देश के टेनिस लीजेंड राफेल नडाल के रिकॉर्ड के करीब हैं। नडाल के नाम 20 साल के होने से पहले 6 मास्टर्स 1000 खिताब जीतने का रिकॉर्ड है। बराबरी करने के लिए अल्कारेज को 3 और खिताब जीतने की जरूरत है। हालांकि, 20 की उम्र के पहले कम से कम तीन मास्टर्स 1000 जीतने वाले अल्कारेज नडाल के अलावा अकेले खिलाड़ी हैं।

फाइनल जीतने के बाद अल्कारेज ने कहा - मुझे लगता है कि मेरे टेनिस में पिछले साल के मुकाबले इस समय कुछ ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। मैंने अब प्रेशर में नहीं खेलता हूं और गेम को एन्जॉय करता हूं।अल्कारेज ने आगे कहा - ट्रॉफी जीतने और फिर से वर्ल्ड नंबर 1 बन कर खुशी हो रही है। मेरे लिए यह टूर्नामेंट परफेक्ट रहा है। सर्बिया के टॉप टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच अमेरिका में होने वाले इंडियन वेल्स में हिस्सा नहीं ले पाए। दरअसल, जोकोविच ने कोरोना वैक्सीन का टीका नहीं लगवाया था, जिस वजह से उन्हें अमेरिका में एंट्री नहीं मिली।

अब जोकोविच मियामी ओपन में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। अमेरिकी नीतियों के मुताबिक बिना कोरोना वैक्सीन लगवाए व्यक्ति को US में एंट्री नहीं दी जाती है। जोकोविच ने अमेरिकी अधिकारियों से स्पेशल प्रवेश देने के लिए अनुरोध किया था, लेकिन उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया। मियामी ओपन 21 मार्च से 2 अप्रैल तक होना है।

बोपन्ना सबसे उम्रदराज मास्टर्स चैम्पियन बने

भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियन जोड़ीदार मैट एब्डन इंडियन वेल्स चैम्पियन बने। 43 साल के बोपन्ना एटीपी मास्टर्स 1000 टाइटल जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। बोपन्ना ने कनाडा के डेनियल नेस्टर का रिकॉर्ड तोड़ा। नेस्टर ने 2015 में 42 साल की उम्र में सिनसिनाटी मास्टर्स जीता था। बोपन्ना और 35 साल के एब्डन ने टॉप सीड वेसले कोलहोफ और नील स्कप्सी को 6-3, 2-6, 10-8 से शिकस्त दी। यह बोपन्ना का पांचवां मास्टर्स 1000 डबल्स टाइटल है। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने सीजन का तीसरा फाइनल खेला। इस जीत से बोपन्ना की रैंकिंग में चार स्थान का सुधार हुआ और वे 11वें नंबर पर आ गए हैं।

यूपी डब्ल्यूपीएल प्लेऑफ में पहुचने वाली तीसरी टीम

गुजरात को 3 विकेट से हराया; ग्रेस हैरिस ने खेली 72 रन की मैच जिताऊ पारी

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। यूपी वॉरियर्ज ने पहली विमेंस प्रीमियर लीग के प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया है। टीम ने गुजरात जायंट्स को रोमांचक मुकाबले में 3 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही टीम प्ले ऑफ में प्रवेश करने वाली तीसरी टीम बनी। मुंबई और दिल्ली पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं। लीग की बाकी 2 टीमें बेंगलुरु और गुजरात प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं। ब्रोबार्न स्टेडियम में सोमवार के पहले मुकाबले में गुजरात की कप्तान स्नेह राणा ने टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में छह विकेट पर 178 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। यूपी वॉरियर्ज को हराने के लिए काफी नहीं था। यूपी की बल्लेबाजों ने 1 बॉल रहते 7 विकेट खोकर इसे हासिल कर लिया। विजेता टीम से ग्रेस हैरिस (72 रन) और ताहलिया मैक्ग्रा (57 रन) ने अर्धशतक जमाए।

मैक्ग्रा-हेरिस की मैच विनिंग पार्टनरशिप

179 रन का टारगेट चेज करते हुए यूपी ने 39 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में चौथे नंबर पर खेलने आई ताहलिया मैक्ग्रा और ग्रेस हेरिस ने 53 बॉल पर 78 रनों की साझेदारी कर टीम को 100 पार पहुंचाया। बाकी का काम सोफी एक्लेस्टन (19 रन) ने कर दिया। किम गार्थ को दो विकेट मिले।

ऐसे गिरे यूपी के विकेट...

पहला: कप्तान एलिसा हीली को दूसरे ओवर की 5वीं बॉल पर मोनिका पटेल ने हरलीन देओल के हाथों कैच कराया। तीसरा : तीसरे ओवर की चौथी बॉल पर किम गार्थ ने किरण नवगिरे को लौरा वुलफार्ट के हाथों कैच कराया। तीसरा : 5वें ओवर की 5वीं बॉल पर सुषमा वर्मा ने तनुजा कंवर की बॉल पर स्टंपिंग किया।

चौथा : 14वें ओवर की चौथी बॉल पर गार्डनर ने ताहलिया मैक्ग्रा को स्नेह राणा के हाथों कैच कराया। पांचवां : कप्तान स्नेह राणा ने दीप्ति शर्मा को एश्ले गार्डनर के हाथों कैच कराया। छठा: किम गार्थ की बॉल पर ग्रेस हैरिस कैच आउट हो गईं। सातवां: 20वें ओवर में सिमरन शेख दूसरा रन लेने के प्रयास में रन आउट हो गईं।

मोनिका पटेल ने गुजरात को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने हीली को आउट किया। मोनिका पटेल ने गुजरात को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने हीली को आउट किया।

गार्डनर-हेमलता की फिफ्टी, गुजरात ने बनाए 178 रन

ब्रोबार्न स्टेडियम में गुजरात जायंट्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 178 रन बनाए।

ओपनर सोफिया डंकली (23 रन) और लौरा वुलफार्ट (17 रन) ने पहले विकेट के लिए 41 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। फिर एश्ले गार्डनर (60 रन) और डी हेमलता (57 रन) ने अर्धशतकीय पारी खेलकर स्कोर 100 पार पहुंचाया। दोनों के बीच 61 बॉल में 93 रनों की साझेदारी हुई।

भारत के तीनों मेंस रेसवॉकर 2024 ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई

एशियाई रेस वॉकिंग चैंपियनशिप में अक्षदीप को गोल्ड, विकाश और परमजीत को मिला ओलिंपिक का टिकट

खेल डेस्क, 20 मार्च (एजेंसियां)। जापान के नोमी में रविवार को आयोजित हुई एशियाई 20 किमी रेस वॉकिंग चैंपियनशिप 2023 में विकाश सिंह और परमजीत बिष्ट ने पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। मेंस ओपन केटेगरी में विकाश ने 1:20:05 और परमजीत ने 1:20:08 के समय में रेस पूरी की। ओलिंपिक के साथ ही दोनों ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी अपनी जगह तय कर ली है।

भारत के अक्षदीप सिंह ने गोल्ड जीता, जबकि प्रियंका गोस्वामी ने विमेंस कैटेगरी में ब्रॉन्ज जीता। पंजाब के एथलीट ने 2016 में ओलंपियन गुरमीत सिंह के बाद भारत ने दूसरी बार चैंपियनशिप में गोल्ड हासिल किया है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में सिल्वर जीतने वाली प्रियंका गोस्वामी ने इस बीच विमेंस केटेगरी में 1:32:27 समय के साथ रेस पूरी की। चीन की लैन गाओ ने 1:29:25 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। जापान की अयाने यानाई 1:30:58 के साथ भारतीय एथलीट से आगे दूसरे स्थान पर रहीं।

अक्षदीप सिंह और प्रियंका गोस्वामी ने पिछले महीने ही नेशनल चैंपियनशिप के दौरान वर्ल्ड चैंपियनशिप और पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया था। अब मेंस कैटेगरी में ओलिंपिक्स में भारत के कोटे के तीनों स्पॉट फुल हो चुके है।

मेंस नेशनल 20 किमी रेस वॉकिंग चैंपियनशिप में पंजाब के अक्षदीप सिंह ने 1 घंटा 19 मिनट 55 सेकंड का समय निकालकर गोल्ड मेडल जीता था।इसी के साथ अक्षदीप ने नेशनल रिकॉर्ड भी बनाया था।

चोटिल जेमिसन की जगह सीएसके में सिसांदा मगाला शामिल

पहली बार खेलेंगे आईपीएल, साउथ अफ्रीका लीग में 12 मैच में 14 विकेट लिए थे

खेल डेस्क, 20 मार्च (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स ने चोटिल कीवी गेंदबाज काइल जेमीसन की जगह पर साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज सिसंडा मगाला को टीम में शामिल किया है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैमीसन को दिसंबर की मिनी-ऑक्शन में 1 करोड़ रुपए में साइन किया गया था, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पिछले महीने टेस्ट सीरीज से कुछ समय पहले पीठ के निचले हिस्से में फ्रैक्चर हो गया था। आईपीएल के बाद भी उनके खेलने की उम्मीद कम है।

32 वर्षीय मागला नीलामी में नहीं बिके थे और इससे पहले वह कभी भी आईपीएल में नहीं खेले थे। अब वह अपने बेस प्राइस 50 लाख रूपए में सुपर किंग्स में शामिल हो गए हैं। मगाला ने 2021 में साउथ अफ्रीका के लिए कोई टी-20 नहीं खेला है। आखिरी टी-20 उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 16 अप्रैल 2021 में खेला था। लेकिन, वे लगातार टी-20 खेल रहे है। इस साल की शुरुआत में एसए20 के पहले ही संस्करण में मगाला ने चैं पि य न सनराइजर्स ईस्टर्न केप की ओर से मैच खेले और शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 8.68 की इकॉनोमी के साथ 14 विकेट लिए।

बेस प्राइस 50 लाख रुपए में CSK ने खरीदा

मागला डेथ बॉलर के रूप में कारगर माने जाते है। साथ ही वे पॉवरप्ले में विकेट निकालने में भी माहिर है। साथ ही बल्लेबाजी में उन्होंने अपने टी20 करियर में दो अर्धशतक लगाए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल 2023 के पहले मुकाबले में गत चैंपियन गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद में खेलेगी, हालांकि, मागाला नेथरलैंड के खिलाफ सीरीज में व्यस्त रहेंगे, इस कारण उनका पहले मैच से उपलब्ध रहना मुश्किल है।

एमआई ने मेजर क्रिकेट लीग में न्यूयार्क की फ्रेंचाइजी खरीदी

डीसी और सीएसके ने भी खरीदी हैं टीमें, यह मुंबई की 5वीं फ्रेंचाइजी है

मुबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। नीता अंबानी के स्वामित्व वाली मुंबई इंडियंस ने अमेरिका में शुरू होने जा रही मेजर क्रिकेट लीग के लिए न्यूयार्क की फ्रेंचाइजी खरीदी है। सोमवार को भारतीय लीग की फ्रेंचाइजी ने एक मीडिया रिलीज में यह घोषणा की। फ्रेंचाइजी ने कहा- हमारी लीग लीग के ओपनिंग सीजन में हिस्सा लेगी।

इसी के साथ दुनिया भर की लीगों में मुंबई की 5 टीमें हो गई है। उ स ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस, एसए20 में एमआई केप टा उ न , आईएलटी में एमआई अमीरात, डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस खरीदी हैं। उसकी टीमें तीन देशों में

अलग-अलग 5 लीगों में हिस्सा ले रही हैं।

मुंबई मेजर लीग में टीम खरीदने वाली तीसरी भारतीय फ्रेंचाइजी बनी है। इससे पहले, दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपरकिंग्स ने मेजर लीग की फ्रेंचाइजीज खरीदी हैं। लीग का पहला सीजन 13 से 30 जुलाई के बीच आयोजित किया जाएगा। इसमें छह टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें डलास, सेंट फ्रांसिसको, न्यूयार्क सिटी, सीएटल, लास एंजिल्स और वाशिंगटन डीसी की टीमें शामिल हैं। लीग का पहला मुकाबला डलास के पास स्थित ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में 13 जुलाई को खेला जाएगा। मुंबई इंडियंस भारत की इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल फ्रेंचाइजी है।

महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप

निकहत जरीन प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं सर्वोच्च वरीय रोउमायसा को हराया

खेल डेस्क, 20 मार्च (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने अपने खिताब की रक्षा की दिशा में एक और कदम बढ़ा दिया है। केडी जाधव स्टेडियम में इस मुक्केबाज ने अल्जीरिया की रोउमायसा बोउलाम को 5-0 से पराजित कर विश्व महिला मुक्केबाजी के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गत विजेता होने के बावजूद निकहत को इस चैंपियनशिप में कोई वरीयता नहीं दी गई है, लेकिन रविवार को उन्होंने 50 भार वर्ग में सर्वोच्च वरीय मुक्केबाज को परास्त कर दिया। वहीं हरियाणा की मनीषा मौन ने 57 भार वर्ग में ऑस्ट्रेलिया की टीना रहीमी को आसानी से 5-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। निकहत के लिए यह बड़ा मुकाबला था। रोउमायसा अफ्रीकी चैंपियन होने के साथ टोक्यो ओलंपिक में खेलने वाली अल्जीरिया की पहली महिला मुक्केबाज बनी हैं। वह जबरदस्त फॉर्म में भी चल रही हैं। पहले दौर में निकहत ने उन्हें परखा। राउमायसा लगातार प्रहार करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन निकहत ने पीछे हटते न सिर्फ अपने को बचाया बल्कि काउंटर पंच जड़कर अंक भी झटके नतीजन यह दौर उन्होंने 5-0 से जीता।

दूसरे और तीसरे दौर में राउमायसा और ज्यादा आक्रामक हुईं, लेकिन निकहत पीछे हटने की रणनीति पर कायम रहीं। उन्होंने दूसरा और तीसरा दौर 4-1, 3-2 से जीता। निकहत बोलीं कि वह यह बाउट हर हाल में जीतना चाहती थीं। उन्हें कोई वरीयता नहीं मिली है और वह सर्वोच्च वरीय से खेलने जा रही थीं। सर्वोच्च वरीय को हराकर वह जजों और लोगों की नजरों में अलग छाप छोडना चाहती थीं और उन्होंने यह कर दिखाया। वह कहती हैं कि सर्वोच्च वरीय को हराने का फायदा उन्हें मिलेगा। निकहत अब मैक्सिको की अल्वारेज फातिमा हरेरा से खेलेंगी। मनीषा के सामने ऑस्ट्रेलिया की टीना रहीमी थीं। मनीषा के लिए चुनौती यह थी कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच कोई और नहीं स्वीडन के सेंटियागो निएवा हैं।

रेत परिवहन में फर्जी वे-बिल रैकेट का भंडाफोड़, दस गिरफ्तार

वारंगल, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मटवाड़ा पुलिस के साथ टास्कफोर्स के जवानों ने सोमवार को यहां फर्जी तरीके से रेत परिवहन करने के आरोप में दस लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में मनचिला वेंकटेश, पारिपपल्ली श्रीकांत, गंटा प्रदीप रेड्डी, राजशेखर गौड़, एडुला किरण कुमार (फर्जी तरीके से बिल बनाने वाले), शैक इमरान, बंडामेड्डी स्वामी, अरुतला राजू, बुद्दिदा शिवा और जोगू सैदुलु शामिल हैं। बताया जा रहा है कि फर्जी तरीके से टैक्स चोरी कर इन्होंने सरकारी खजाने को 30 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया है।

वारंगल के सीपी एवी रंगनाथ ने कहा कि मुलुगु जिले के चार अन्य आरोपी चरण गौड़, मुलुगु जिले के येन्नामल्ला राकेश, संस्थान नारायणपुर मंडल के मुथयाला रमन्ना और बचनगोनी यादगिरी फरार हैं। पुलिस ने उनके पास से 65 नकली वे बिल, टीएसएमडीसी के 16 रबर स्टांप, 16 लॉरी और 10 स्मार्ट फोन के अलावा 41,000 रुपये नकद जब्त किए हैं।

सीपी ने कहा कि पुट्टापाका के एडुला किरण कुमार पिछले तीन सालों से नकली वे बिल बना रहे थे। उन्होंने लगभग 17,000 ऐसे बिल बनाए और उन्हें लॉरी मालिकों और ड्राइवरों को सौंप दिया। आरोपियों के खिलाफ मतवाड़ा, काकतीय विश्वविद्यालय परिसर व धर्मसागर थाने में मामले दर्ज हैं। सीपी रंगनाथ ने जाली वे बिल उपयोगकर्ताओं को पकड़ने के लिए टास्क फोर्स एसीपी जितेंद्र रेड्डी और अन्य की सराहना की है।

बीआरएस सांसदों ने संसद में किया विरोध प्रदर्शन

हिंडनबर्ग-अडानी मामले की जेपीसी जांच की मांग

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हिंडनबर्ग-अडानी मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग को लेकर विपक्ष के सदस्यों के साथ बीआरएस सदस्यों ने सोमवार को लगातार छठे दिन संसद के अंदर विरोध प्रदर्शन किया। पूर्वाह्न 11 बजे मिलने के तुरंत बाद, दोनों सदनों को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। सत्तारूढ़भाजपाने भी भारत में लोकतंत्र पर कांग्रेस नेताराहुल गांधी की टिप्पणी के ख़िलाफ़ नारे लगाए। सुबह 11 बजे दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू होने के कुछ मिनट बाद, बीआरएस सांसद आप और अन्य पार्टियों के सदस्यों के साथ वेल में चले गए। उन्होंने अदानी समूह पर जेपीसी जांच की मांग की। उन्होंने केंद्र के खिलाफ नारेबाजी की और अपना विरोध जारी रखा, जिसके कारण दोनों सदनों को स्थगित करना पड़ा। बाद में, बीआरएस सांसदों ने संसद परिसर में एक रैली निकाली और महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

बारिश से प्रभावित किसानों को हरसंभव मदद : पल्ला राजेश्वर रेड्डी

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य रैतु बंधु समिति के अध्यक्ष और एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने आश्वासन दिया है कि पिछले तीन दिनों में पूरे तेलंगाना हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण जिन किसानों की खड़ी फसल क्षतिग्रस्त हो गई है, राज्य सरकार उन किसानों को हर संभव सहायता देगी। जानकारी के अनुसार तेलंगाना में लगभग 1.50 लाख एकड़ क्षेत्र में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा है। जिला कलेक्टर समय-समय पर सरकार को रिपोर्ट भेज रहे हैं। राज्य में 2,603 कृषि कलस्टर हैं और फसल क्षति की रिपोर्ट क्लस्टरवार तैयार की जा रही है। पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने बताया कि फसल के नुकसान पर पूरा डेटा प्राप्त होने के बाद, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव किसानों को समर्थन देने पर निर्णय लेंगे।

सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, राजेश्वर रेड्डी ने विधायक गाद्रा वेंकट रमना रेड्डी, सैंड्रा वेंकट वीरैया और केपी विवेकानंद के साथ केंद्र सरकार से फसलों के नुकसान की स्थिति का आकलन करने के लिए केंद्रीय टीमों को तेलंगाना भेजने का आग्रह किया और कहा कि केंद्र को चाहिए राजनीतिक मतभेदों को दूर रखते हुए किसानों की हर संभव मदद करें। यह आरोप लगाते हुए कि केंद्र की भाजपा सरकार धन की मंजूरी में तेलंगाना के प्रति भेदभाव दिखा रही है, उन्होंने याद दिलाया कि पहले जब गोदावरी नदी में बाढ़ के कारण तेलंगाना को लगभग 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, तो केंद्र ने केवल आंशिक रूप से दिया था। राज्य को 250 करोड़ रुपये इस तथ्य के बावजूद कि कुछ केंद्रीय टीमों और राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और केंद्र को अपनी रिपोर्ट भेजी। एमएलसी ने कहा कि मैं केंद्र से अनुरोध करता हूं कि वह राजनीतिक मतभेदों को दूर रखे और फसल नुकसान का आकलन करने के लिए टीमों को भेजकर किसानों की मदद करे।

उन्होंने टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक की घटना के नाम पर युवाओं को गुमराह करने के लिए विपक्षी दलों को भी फटकारा और युवाओं से आग्रह किया कि वे राजनीतिक नेताओं के जाल में न पड़ें, बल्कि आगामी परीक्षाओं की तैयारी पर ध्यान दें।

बीआरएस विधायक केपी विवेकानंद ने भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बंदी संजय के उस बयान में गलती पाई, जिसमें उन्होंने टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले में आईटी मंत्री केटी रामाराव के इस्तीफे की मांग की थी और कहा था कि पेपर लीक प्रकरण का केटीआर से कोई लेना-देना नहीं है।

रमजान : सभी मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों को जल्दी छोड़ने की अनुमति

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य अध्यक्ष, टीएस एमईएसए, सेंट्रल एसोसिएशन से प्राप्त एक प्रतिनिधित्व के बाद, राज्य सरकार ने राज्य में काम करने वाले सभी मुस्लिम सरकारी सेवा/अनुबंध/आउटसोर्सिंग/बोर्ड/सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों/स्कूलों को "रमजान" के पवित्र महीने के दौरान शाम 4 बजे यानी 23 मार्च से 23 अप्रैल (दोनों दिन शामिल) में नमाज़ अदा करने के लिए अपने कार्यालयों / स्कूलों को छोड़ने के लिए अनुमति दी, सिवाय इसके कि जब अवधि के दौरान सेवाओं की अत्यावश्यकता के कारण उनकी उपस्थिति आवश्यक हो।

ट्रेन परिचालन में समय की पाबंदी सुनिश्चित करने को प्राथमिकता : अरुण जैन

दमरे जीएम ने विभाग प्रमुखों के साथ की सुरक्षा व संचालन को लेकर समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में विभागों के प्रमुखों के साथ सुरक्षा, समय की पाबंदी और माल लदान संचालन पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की. सभी छह मंडलों अर्थात सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

अरुण कुमार जैन ने पूरे जोन में मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के समयपालन प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने मंडलवार समयपालन आंकड़ों की जांच की और अधिकारियों को समयपालन को प्रभावित करने वाले मुद्दों के मूल कारणों की पहचान करने और प्रदर्शन में सुधार के लिए उपचारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को ट्रैफिक ब्लॉक के दौरान मैन पावर के इष्टतम उपयोग के लिए कार्य योजना बनाने की भी सलाह दी, जिससे अवरोधों से बचने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे मंडल रेल प्रबंधकों को उन ट्रेनों की पहचान करने और निगरानी करने का निर्देश दिया, जो समय की पाबंदी खो चुकी हैं और उनके संचालन में सुधार के लिए उचित उपाय करें।

सुरक्षा पहलू पर, महाप्रबंधक ने अधिकारियों को सलाह दी कि वे पूरे क्षेत्र में चलाए जा रहे सुरक्षा अभियानों की प्रभावशीलता पर नज़र रखने के लिए नियमित अंतराल पर कार्य-स्थलों पर दिशानिर्देशों और प्रक्रियाओं के अनुपालन का विश्लेषण करें। उन्होंने अधिकारियों को गुड्स शेड और साइडिंग पर सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन की सख्ती से निगरानी करने की भी सलाह दी। उन्होंने सुरक्षा कर्मचारियों को दिए जा रहे पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों और नियमित प्रशिक्षण की स्थिति की भी समीक्षा की।

इसके अलावा, महाप्रबंधक ने जोन के माल लदान प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने माल ढुलाई में वृद्धि के लिए मंडलों की सराहना की और अधिकारियों को माल ढुलाई के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की सलाह दी ताकि माल ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और चालू वित्त वर्ष के लिए अधिकतम माल ढुलाई भी सुनिश्चित की जा सके।

रेवंत रेड्डी को एसआईटी का नोटिस

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) पेपर लीक मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी के राज्य प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी को पेपर लीक मुद्दे के संबंध में उनके कथित बयानों के संबंध में नोटिस जारी किया। रेवंत रेड्डी ने पहले आरोप लगाया था कि आईटी मंत्री के.टी.रामा राव के निजी सहायक तिरुपति भी पेपर लीक में शामिल हैं और उनके गांव के सैकड़ों उम्मीदवारों ने समूह-1 प्रारंभिक परीक्षा में सौ से अधिक अंक प्राप्त किए, जो पिछले साल अक्टूबर में टीएसपीएससी द्वारा आयोजित किया गया था। एसआईटी ने एक नोटिस जारी कर रेवंत रेड्डी को कागजात के लीक होने के बारे में जानकारी और सबूत साझा करने के लिए कहा। उनसे अपने द्वारा लगाए जा रहे आरोपों के संबंध में उचित साक्ष्य उपलब्ध कराने को कहा गया था। पता चला है कि अन्य राजनेताओं को भी इसी तरह के नोटिस जारी किए गए हैं।

बंडी ने सीएम केसीआर को लिखा पत्र, किसानों को मुआवजा देने की मांग

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को एक खुला पत्र लिखा और उनसे हाल ही में हुई ओलावृष्टि में जिन किसानों की फसल खराब हुई है, उन्हें मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि सर्वे कराने और सर्वे रिपोर्ट जमा करने के नाम पर मुआवजे के भुगतान की प्रक्रिया में देरी न करें. उन्होंने यह भी मांग की कि मुख्यमंत्री किसानों को मुफ्त में बीज और खाद प्रदान करने के अपने वादे को पूरा करें और अगले मानसून के मौसम से पहले रैतु बंधु प्रोत्साहन राशि का भुगतान करने की भी मांग की। उन्होंने यह भी मांग की कि मुख्यमंत्री किसानों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए तेलंगाना में व्यापक फसल बीमा योजना लागू करें।

संजय ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री को कहा कि यह अक्षम्य अपराध है कि राज्य सरकार द्वारा फसल बीमा योजना का क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार फसल बीमा योजना को लागू नहीं कर रही है क्योंकि उसे लगता है कि इसका श्रेय भाजपा को मिलेगा और कहा कि योजना के लागू नहीं होने से राज्य के किसानों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने सीएम से कहा कि राज्य में फसल बीमा लागू होने से किसानों को लाभ होता। उन्होंने सीएम को बताया कि उन्हें प्रारंभिक सूचना मिल रही है कि ओलावृष्टि से पांच लाख एकड़ में लगी फसल खराब हो गई है. उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार किसानों के बचाव के लिए अभी तक फसल बीमा योजना लेकर नहीं आई है।

बीएएमएस छात्रों ने एनआईआईएमएच का दौरा किया

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अनंतलक्ष्मी एएल सरकारी आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय, वरंगल के प्रथम वर्ष के बीएएमएस छात्रों ने संक्रमणकालीन पाठ्यक्रम 2022-23 के भाग के रूप में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच) का दौरा किया तथा चिकित्सक-ऐतिहासिक पुस्तकालय और चिकित्सा संपदा संग्रहालय का निरीक्षण किया। प्रथम वर्ष के बीएएमएस छात्रों (38 संख्या) के साथ डॉ. पी. कल्याण, सहायक प्रोफेसर और डॉ. के. साहिती, सहायक प्राध्यापक, अनंतलक्ष्मी सरकारी आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय, वरंगल भी इसमें शामिल रहे। संस्थान के सभाकक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक ने संकायों और छात्रों का स्वागत किया और उन्हें भारतीय चिकित्सा संपदा के महत्व के बारे में बताया और छात्रों को समर्पण और लगन के साथ आयुर्वेद के विषयों को सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। बीएएमएस छात्रों के आगमन के हिस्से के रूप में, उन्होंने आयुर्वेद के फायदे, आयुर्वेद का कार्यक्षेत्र, आयुर्वेद के लिए सरकारी समर्थन और आयुर्वेद में बेहतर भविष्य के बारे में बताया। डॉ. वी. श्रीदेवी, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने भी अपने व्याख्यान में साहित्यिक शोध के महत्व और संस्थान द्वारा अब तक किए गए शोध कार्य पर प्रकाश डाला। डॉ. संतोष शांतिलाल माने, अनुसधान अधिकारी (आयु.) द्वारा राभाचिसंसं-सीसीआरएएस, हैदराबाद की गतिविधियों और उपलब्धियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति की गई। बैठक डॉ. बिस्वो रंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होमियो) द्वारा प्रस्तावित औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुई। डॉ.क्रिस आन्टनी, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) के नेतृत्व में संस्थान द्वारा छात्रों हेतु चिकित्सक-ऐतिहासिक पुस्तकालय और चिकित्सा संपदा संग्रहालय के लिए एक गाइड टूर का आयोजन किया, जिसमें के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक और मुरली मनोहर, सहायक अनुसधान अधिकारी (क्यूरेटर) शामिल थे।

जगन के कहने पर विस में टीडीपी विधायक पर किया गया हमला: चंद्रबाबू

अमरावती, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश विधानसभा में टीडीपी विधायक पर सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के विधायकों ने सीएम जगन मोहन रेड्डी के इशारे पर हमला किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि दलित विधायक डोला बाला वीरंजनेय स्वामी पर हमला पूर्व नियोजित है और मुख्यमंत्री के प्रोत्साहन के साथ किया गया है। उन्होंने विधानसभा के अंदर टीडीपी विधायक पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे विधानसभा के इतिहास का सबसे काला दिन करार दिया।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश के इतिहास में कभी भी किसी विधायक पर सदन के अंदर हमला नहीं किया गया और आज विधानसभा के इतिहास का सबसे काला दिन है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी विधायी निकायों की छवि खराब करने वाले दागी मुख्यमंत्री के रूप में रहेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा के पटल पर विधायक पर शारीरिक हमले के साथ, लोग वाईएसआरसीपी की नीतियों को स्पष्ट रूप से समझ गए हैं।

विधानसभा के चल रहे सत्र को "कौरव सभा" करार देते हुए, चंद्रबाबू नायडू ने महसूस किया कि विधान परिषद के चुनावों के नवीनतम परिणामों के साथ जगन "पूरी तरह से पागल" हो गए हैं। राज्य विधानसभा में सोमवार को अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला, जब टीडीपी सदस्य विधानसभा अध्यक्ष तम्मिनेनी सीताराम को घेर कर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। वे सरकार से सड़कों पर जनसभाओं पर प्रतिबंध लगाने वाले आदेश को वापस लेने की मांग कर रहे थे। हंगामे के बीच, सत्तारूढ़ दल के एक विधायक पोडियम पर पहुंचे और नीचे गिरे स्वामी को वापस खींच लिया।

कांग्रेस ने करीमनगर कलेक्टर से किया वर्षा पीडित किसानों को सहायता राशि देने का आग्रह

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद पोन्नम प्रभाकर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज करीमनगर के जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा और उनसे जिले के ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल में जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष कोमाटिरेड्डी पद्माकर रेड्डी, चोपडांडी विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी मेडिपल्ली सत्यम, पीसीसी नेता वी अंजन कुमार और शहर कांग्रेस अध्यक्ष कोमाटिरेड्डी नरेंद्र रेड्डी शामिल थे। प्रजा वाणी कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर को अभ्यावेदन दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, पोनम प्रभाकर ने कहा कि पिछले तीन दिनों से जिले में हो रही ओलावृष्टि के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि ओलावृष्टि से धान, मक्का, कपास और आम जैसी खड़ी फसलों को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कलेक्टर को जिले के सभी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और सर्वे कराकर मुआवजे के भुगतान के लिए मुख्यमंत्री को रिपोर्ट देने को कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने जिला कलेक्टर से अपनी पार्टी को रिपोर्ट की एक प्रति जमा करने के लिए कहा था और कहा कि वे सीएलपी की ओर से इस मुद्दे पर भी लड़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेता और राज्य के मंत्री ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों में विश्वास जगाने के बजाय दिल्ली के सनसनीखेज शराब घोटाले में फंसी अपनी पार्टी की नेता और एमएलसी के. कविता को बचाने में लगे हुए हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.